पारा आपडेट
मैक्सिमम 27.00 | मिनीमम 10.00
सूर्यास्त (आज) 17.02
सूर्योदय (कल) 06.16
बोकारो से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
हर खबर पर नजर
मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्थी संवत 2081

पेज 12

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, गुरुवार 05 दिसंबर 2024 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 2/- रुपया ● वर्ष : 07 अंक : 152 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

दरबार साहिब के बाहर सुखबीर सिंह बादल पर चली गोली

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल (बादल) के पूर्व अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल सुबह बाल-बाल बच गए। अमृतसर में दरबार साहिब के बाहर धार्मिक सजा भुगत रहे सुखबीर बादल पर गोली चलाने वाले व्यक्ति को सेवादारों ने दबोच लिया। इस घटना से दरबार साहिब में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद अमृतसर में दरबार साहिब की तरफ जाने वाले सभी रास्तों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने दो दिसंबर को सुखबीर समेत पूर्व अकाली मंत्रियों को धार्मिक सजा सुनाई थी। सुखबीर बादल व्हील चेयर पर सेवादार का चोला पहनकर, हाथ मे बरछा लेकर दरबार साहिब के मुख्य दरबार के बाहर दरबान बनकर बैठे थे। इसी दौरान संगत के साथ दल खालसा के नारायण सिंह चौड़ा पहुंचे।

बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा व बस्तर जिले में भूकंप के झटके

रायपुर। बस्तर संभाग के बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और बस्तर जिले में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। अलग-अलग जिलों में सुबह 7. 27 बजे से ये झटके करीब 7 सेकेंड तक महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र तेलंगाना का मुलगू जिला है। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.3 मापी गई है। भूकंप में किसी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

आतंकवादियों ने सेना की चौकी पर फेंके दो ग्रेनेड

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में बुधवार सुबह आतंकवादियों ने सेना की एक चौकी पर दो ग्रेनेड फेंके, जिसमें से केवल एक ग्रेनेड फटा। हालांकि, इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की धर-पकड़ के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। सेना के अनुसार सुरनकोट इलाके में सेना के एक शिविर के पीछे एक सेना की चौकी पर आतंकवादियों ने आज दो ग्रेनेड फेंके। उनमें से एक में विस्फोट हो गया जबकि दूसरे में नहीं हुआ। इसके बाद चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने दूसरे ग्रेनेड को खोजा और विशेषज्ञों ने उसे निष्क्रिय कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट हुए ग्रेनेड का सेफ्टी पिन सेना के शिविर की परिधि की दीवार के पास मिला। उन्होंने बताया कि हमले के बाद भागे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए सेना और पुलिस ने इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया है।

रेलवे (संशोधन) विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने बुधवार को लोकसभा में रेलवे (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। विधेयक 1905 के रेलवे बोर्ड अधिनियम और 1989 के रेलवे विधेयक को एकीकृत करेगा। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने विधेयक को लोकसभा में चर्चा के लिए पेश किया। उन्होंने कहा कि रेलवे बोर्ड और रेलवे से जुड़े विधेयक को एकीकृत करने से रेलवे का विकास और कार्यदक्षता बढ़ेगी। वैष्णव ने कहा कि पिछले दस सालों में प्रधानमंत्री मोदी ने रेलवे के बजट में कई गुना का इजाफा किया है। भारतीय रेलवे बोर्ड अधिनियम, 1905 के तहत केंद्र सरकार रेलवे के संबंध में अपनी शक्तियों और कार्यों को रेलवे बोर्ड में निवेश कर सकती है।

राज्यपाल से मिले देवेंद्र फडणवीस, सरकार बनाने का पेश किया दावा

देवेंद्र फडणवीस होंगे महाराष्ट्र के अगले सीएम, शपथ आज

एजेंसी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल के नेता देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिलकर महाराष्ट्र में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इसके बाद राज्यपाल ने गुरुवार को शाम साढ़े पांच बजे नई सरकार की शपथ विधि को मंजूरी दे दी। इस मौके पर शिवसेना शिंदे समूह के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजीत पवार समूह के अध्यक्ष अजीत पवार, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल उपस्थित थे। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुधवार को विधानभवन में आयोजित की गई थी।

इस बैठक में देवेंद्र फडणवीस को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया।

इसके बाद राकांपा एपी के अध्यक्ष अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने वर्षा शासकीय आवास पर गए। इन तीनों नेताओं के बीच भावी सरकार के गठन को लेकर चर्चा हुई। इसके बाद आज देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के साथ राजभवन गए और राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि वे शिवसेना शिंदे समूह के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे, राकांपा एपी के अध्यक्ष अजीत पवार के साथ राज्यपाल से मिले और उन्हें एनडीए के सहयोगी दलों की ओर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

एकनाथ शिंदे के शपथ लेने पर अभी भी सस्पेंस बरकरार

एनडीए सरकार के शपथग्रहण कार्यक्रम में शिंदे समूह के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे के शपथ लेने पर अभी तक सस्पेंस बरकरार है। हालांकि, भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और राकांपा एपी अध्यक्ष अजीत पवार ने शपथ लेने को तैयार हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा है कि वे शपथ लेने के बारे में फैसला बाद में करेंगे। राजभवन से सरकार बनाने की मंजूरी मिलने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वे मंगलवार को एकनाथ शिंदे से मिलने गए थे। बुधवार को भी वर्षा बंगले पर जाकर उनसे चर्चा की। अन्य मंत्रियों के बारे में विचार किया जा रहा है। इसके विपरीत एकनाथ शिंदे ने कहा कि अभी तक उन्होंने शपथ लेने का फैसला नहीं लिया है। इस संदर्भ में सोच समझकर निर्णय लेंगे। इसी दौरान अजीत पवार ने कहा कि वे तो शपथ लेने वाले हैं।

मंत्री पद के लिए कांग्रेस आलाकमान की लगी मुहर

राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह आज

▶▶ झामुमो के छह, कांग्रेस के चार, और राजद के एक विधायक लेंगे मंत्री पद की शपथ

संवाददाता

रांची। हेमंत सरकार के कैबिनेट का विस्तार पांच दिसंबर को होना है। कांग्रेस कोटे से मंत्री पद के लिए पार्टी के आलाकमान ने अपनी मुहर लगा दी है। इसके बाद बुधवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश रांची पहुंचे।

रांची एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कमलेश ने कहा कि मंत्री पद के लिए सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है। पार्टी के विधायक दल के नेता को मंत्री पद नहीं मिलेगा। पूर्व की सरकार में कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के पास जो विभाग थे, वे बकरार रखे जायेंगे। बुधवार की देर शाम तक यह सूची मुख्यमंत्री को सौंप दी जायेगी। पांच दिसंबर को राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह होगा। राज्यपाल मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायेंगे। राजभवन के बिरसा मंडप में तैयारियां भी की जा रही हैं।

इस मंत्रिमंडल विस्तार में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के छह, कांग्रेस के चार, और राजद के एक विधायक को मंत्री पद की शपथ लेंगे। इसके अलावा प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी का भी शपथ ग्रहण होगा, जो विधानसभा सत्र से पहले नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे।

मुख्यमंत्री हेमंत को व्यक्तिगत उपस्थिति से मिली छूट

ईडी से हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

संवाददाता

रांची। ईडी के समन की अवहेलना मामले में आरोपित मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सशरीर उपस्थिति से छूट से संबंधित याचिका पर एमपी-एमएलए के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की बेंच में बुधवार को आंशिक सुनवाई हुई। सोरेन के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि हमलोग इस आर्डर के खिलाफ हाई कोर्ट गये हैं और समय की मांग की है। इसी आधार पर कोर्ट ने सुनवाई की अगली तिथि छह जनवरी निर्धारित की है।इससे पूर्व अदालत ने गत 11 नवंबर को सुनवाई के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने 25 नवंबर को फैसला सुनाते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 4 दिसंबर को अदालत में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया था। इससे पूर्व ईडी ने अदालत में जवाब दाखिल किया था। हेमंत सोरेन के अधिवक्ता ने पांच जुलाई को इस मामले में व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति में छूट से संबंधित याचिका दाखिल की थी। मामले में हेमंत सोरेन के खिलाफ उपस्थिति को लेकर समन जारी है। गत तीन जून को सीजेएम कृष्ण कांत मिश्रा ने यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया था। पूर्व में सीजेएम कोर्ट द्वारा मामले में संज्ञान लिए जाने के बावजूद भी हेमंत सोरेन की उपस्थिति कोर्ट में नहीं हुई थी। मामले में हेमंत सोरेन की ओर से सीजेएम कोर्ट के समन आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस संबंध में ईडी की ओर से शिकायतवाद संख्या 3952/2024 सीजेएम कोर्ट में दाखिल की गई है।

अगली सुनवाई छह जनवरी को

क्या है मामला : ईडी ने समन की अवहेलना करने के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ सीजेएम कोर्ट में 19 फरवरी को शिकायत वाद दर्ज कराया था। इस पर गत चार मार्च को सीजेएम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए संज्ञान लिया था और मुकदमा चलाने का निर्देश दिया था। सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत को बताया था कि जमीन की खरीद-बिक्री मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को दस बार समन जारी किया था। आठवें समन पर 20 जनवरी और दसवें समन पर 31 जनवरी को ईडी के समक्ष उपस्थित हुए थे। ईडी का कहना है कि आठ समन पर उपस्थित नहीं होना समन की अवहेलना है। गत तीन जून को सीजेएम कृष्णकांत मिश्रा ने यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया था।

संभल : गाजीपुर बॉर्डर पर राहुल गांधी को रोका गया

पुलिस ने नहीं दी अनुमति, दिल्ली लौटे

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के हिंसा प्रभावित संभल जाते समय बुधवार को गाजीपुर बॉर्डर पर रोके जाने के बाद राहुल गांधी दिल्ली लौट आए। उनके साथ सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल भी था। राहुल गांधी ने कहा कि वे पुलिस के साथ अकेले संभल जाने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी जा रही है, जो असंवैधानिक है। लोकसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर यह उनका संवैधानिक अधिकार है। इसकी अनुमति मिलनी चाहिए थी। हालांकि राहुल गांधी को रोकने के क्रम में पुलिस ने जो बंदोबस्त किए थे। जिला प्रशासन और पुलिस ने प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने से रोकने के लिए पहले ही सीमा पर नाकाबंदी कर दी थी, क्योंकि वहां पर बाहरी लोगों के जाने पर रोक लागू है।

सड़क पर वाहनों का लगा रहा जाम, लोग परेशान

पीड़ितों से मिलना राहुल का संवैधानिक अधिकार

वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि राहुल संवैधानिक पद पर हैं और उन्हें संवैधानिक अधिकार है। उन्हें पीड़ित परिवारों से मिलने की अनुमति दी जानी चाहिए। राहुल गांधी के साथ कांग्रेस प्रतिनिधिमडंल को रोके जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा कि नेता विपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में संभल जा रहे हमारे प्रतिनिधिमंडल को गाजियाबाद में उप्र सीमा पर रोक दिया गया। उप्र सरकार द्वारा लोकसभा के नेता विपक्ष को हिंसा में जान गंवाने वालों के परिवारों से मिलने से रोकने के पीछे क्या कारण है? ऐसे व्यक्ति के साथ खड़ा होना बुनियादी मानवता है, जिसने इतना दुख और नुकसान झेला हो। दरअसल, राहुल के काफिले को रोकने के लिए गाजीपुर बॉर्डर पर भारी बैरिकेडिंग की गई थी। रास्ते को डायवर्ट किया गया था, जिससे रोज ऑफिस आने जाने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर तक गाजीपुर बॉर्डर पर भारी जाम लगा हुआ था।

डीआरआई ने 16 किलोग्राम एमडी ड्रग्स किया जब्त

- 1.93 करोड़ कैश भी जब्त
- ड्रग्स की कीमत 24 करोड़ आंकी गई है

एजेंसी

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने मुंबई में हैदराबाद से आ रही निजी बस में छापा मारकर 16 किलोग्राम एमडी ड्रग्स और 1.93 करोड़ रुपये कैश जब्त किया है।

बरामद ड्रग्स की कीमत 24 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले में डीआरआई ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। डीआरआई टीम इस मामले की गहन छानबीन कर रही है।

पांच लोग हुए गिरफ्तार

डीआरआई के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि उनकी टीम को हैदराबाद से मुंबई आ रही निजी बस में ड्रग आने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर उनकी टीम ने मंगलवार को मुंबई में संदिग्ध बस को रोककर छापा मारा गया।

इस बस में सफर कर रहे 3 लोगों के सामान की तलाशी लेने पर तीनों के पास 24 करोड़ का सफेद पाउडर और 1.93 करोड़ रुपये कैश मिले। इस सफेद पाउडर की केमिकल जांच की गई तो इसकी पहचान एमडी ड्रग (मेफेड्रोन) के रुप में की गई। इसके बाद मंगलवार को ही इन तीनों से गहन पूछताछ की गई तो दो और संदिग्धों के नाम सामने आए। डीआरआई की टीम इन दोनों आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया है। डीआरआई की टीम इस मामले में पांचों आरोपितों से गहन छानबीन कर रही है।

लालजी-हिरजी रोड स्थित बिल्डिंग में लगी आग

रांची। कोतवाली थाना क्षेत्र के लालजी-हिरजी रोड स्थित बिल्डिंग में बुधवार को आग लग गयी है। मद्रास कैफे के समीप स्थित अन्य दुकान में भी आग लगी है। अगलगी की घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी अग्निशमन विभाग को दी। अग्निशमन के चार वाहन मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट होने के वजह से बिल्डिंग में आग लगी है। आग लगने की घटना में कितने का नुकसान हुआ है इसका पता आकलन के बाद ही चल पायेगा। फिलहाल अग्निशमन के वाहन आग बुझाने के लिए मशक्कत कर रहे हैं। आग से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मुख्यमंत्री की पहल पर मलेशिया से स्वदेश लौटेंगे झारखंड के 50 कामगार

संवाददाता

रांची। झारखंड के कामगारों और श्रमिकों के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पहल पर एक बार फिर विदेश में फंसे 50 राज्य के कामगारों को वापस उनके घर और गांव लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सभी कामगार 11 से 18 दिसंबर तक घर लौट आयेंगे। इसके लिए जरूरी कागजाती प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

चुनाव ने किया प्रभावित, अबतक घर में होते कामगार

झारखंडी कामगारों के मलेशिया की लीडमास्टर इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी में कार्यरत 70 कामगारों के फंसे होने की शिकायत राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को 24 सितंबर को प्राप्त हुई। बताया गया कि कामगारों का चार महीने से वेतन लंबित है। साथ ही उन्हें भोजन की अनुपलब्धता और वतन वापसी की समस्याएं सामने आ रहीं हैं। मामले की जानकारी जब तक मुख्यमंत्री को हुई तब तक चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो गया। इसके बाद इनकी वापसी की प्रक्रिया धीमी हो गई थी लेकिन चुनाव समाप्त होने और नई सरकार गठन के बाद अब कामगारों के स्वदेश वापसी का रास्ता साफ हो गया है। कुल 70 कामगारों में से 50 कामगार झारखंड के हैं जबकि 20 दूसरे प्रदेशों के रहने वाले हैं।

बकाया आठ महीने का वेतन मिला

जानकारी के अनुसार, सभी कामगारों का अनुबंध के तहत 1,700 मलेशियन रिंगिट (मुद्रा/रुपये) का वेतन तय था लेकिन उन्हें 1,500 रिंगिट ही दिए जा रहे थे, जिसमें भी कटौती हो रही थी। भोजन की सुविधा नहीं दी गई और धमकियां भी मिल रहीं थीं। इसको लेकर कामगारों ने मलेशिया पुलिस से शिकायत भी की। बाद में कामगारों ने इस मामले से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं आवेदन श्रम विभाग को भेजा। श्रम विभाग के निदेर्शानुसार प्रोटेक्टर ऑफ एमिग्रांत, रांची को मामला पत्र राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष के जरिये प्रेषित किया गया। श्रम विभाग के पहल पर भारतीय दूतावास, कुआलालंपुर के जरिये कंपनी एवं कामगारों को दूतावास के कार्यालय बुलाया गया, जहां दोनों पक्षों का सत्यापन किया गया।

बांग्लादेश > जिहादियों मयार्दा में रहो वरना ईंट से ईंट बजाना जानता है भारत: उषा ठाकुर

हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन, संघ की रैली में जुटे लाखों लोग

एजेंसी

भोपाल/इंदौर। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में बुधवार को इंदौर और भोपाल में जबरदस्त प्रदर्शन हुआ। जुलूस में हिंदूवादी संगठन, धार्मिक व सामाजिक संगठनों के अलावा आमजन और व्यापारी समेत सभी वर्ग के लोग शामिल हो अपना विरोध जताया। इन प्रदर्शनों में साहित्यकार, शिक्षक, सेना के पूर्व कमांडर, सेवानिवृत्त अफसर, डॉक्टर, प्रोफेशनल भी शामिल हुए। इंदौर में बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही घटनाओं के विरोध में आक्रोश रैली निकाल गई, जिसमें

भोपाल और देवास में कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन

लाखों लोग शामिल हुए। सुबह करीब 10 बजे सभी हिंदू समाज के लोग, संघ के वैचारिक संगठन के लोग, स्वयंसेवक, भाजपा कार्यकर्ता, व्यापारी संगठन के लोग लालबाग परिसर में एकजुट हुए। यहां से शुरू हुई आक्रोश रैली कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंची और कलेक्टर आशीष सिंह को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान रैली में संघ की ओर से ढाई लाख से लोगों के शामिल होने का दावा किया गया। शहर के सभी बाजार ने आधे दिन बंद रखने का समर्थन किया है। बड़ी संख्या में साधु-संत रैली में शामिल हुए हैं। ज्ञापन देने के बाद कलक्ट्रेट चौराहे परजनसभा भी हुई।

प्रदर्शन में शामिल पूर्व मंत्री व विधायक उषा ठाकुर ने कहा कि सनातनी देश भक्त हिंदू समाज ने संदेश दिया है कि जिहादियों अपनी मयार्दा में रहो। वरना ईंट से ईंट बजाना भारत जानता है। रैली में शामिल होने पहुंचे जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि बांग्लादेश में हो रहे हिदुओं पर अत्याचार हम सहन नहीं करेंगे। इसके खिलाफ आवाज उठाने के लिए अहिल्यानगरी में जनसैलाब सड़कों पर उतरा है। विधायक रमेश मेंदोला ने कहा कि धर्म जीवन का आधार है।

नवअधिकार की बात करने वाले लोग कहां हैं

कलेक्टर चौराहे पर जनसभा में मुख्य वक्ता खगेन्द्र भार्गव ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि यहां रैली करने से क्या होगा। यहां रैली करने से बांग्लादेश में सांत्वना उठेगी, अब इंग्लैंड की संसद में भी हिन्दू अत्याचार की मांग उठने लगी है। जहां-जहां हिन्दू है वहां अब आवाज उठेगी, हिन्दू अत्याचार नहीं सहेगा। जैसा तिरंगा और भगवा यहां लहरा रहा है, वैसा ही वहां होगा। भार्गव ने कहा कि कोई अखलाख मरता है, कश्मीर में आतंकवादी मरता है, तो मानव अधिकार आयोग आ जाता है। कसाब और अन्य आतंकवादी पर आंसू बहाने वाले मानव अधिकार के लोग कहां हैं।

भोपाल में भी डिपो चौराहे पर जुटे हजारों लोग

भोपाल में भी बुधवार को सकल हिंदू समाज के आह्वान पर बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही घटनाओं के विरोध में हजारों लोगों ने प्रदर्शन कर डिपो चौराहे पर धरना दिया। दोपहर करीब दो बजे से भारत माता चौराहा पर लोगों के भारी भीड़ एकत्र हो गई। यहां भगवा ध्वज थामे लोग जय जय श्रीराम के जयकारे लगाते दिखे। धरना स्थल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, भाजपा जिलाध्यक्ष समित पचौरी, पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, सुरेश पचौरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।धरना प्रदर्शन के दौरान भोपाल के बाजार आधे दिन बंद रहे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 05 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के पिता के श्राद्धकर्म में शामिल हुए सीएम

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव के दिवंगत पिता और सुप्रीम कोर्ट के भूतपूर्व जस्टिस एम जगन्नाथ राव के श्राद्ध कर्म में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मरांग बुरु दिवगंत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवार को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति दें। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर शोषकों और अत्याचारियों के खिलाफ विद्रोह करने वाले, जल-जंगल-जमीन के रक्षक, महान आदिवासी योद्धा जननायक टंट्या भील की शहादत दिवस पर उन्हें याद किया। साथ ही अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम के प्रतीक देश के वीर जांबाज नौ सैनिकों और उनके परिवारजनों समेत समस्त देशवासियों को भारतीय नौसेना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल से मिले रांची उपायुक्त

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल से यह उनकी शिष्टाचार मुलाकात थी।

देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र विधायक दल का नेता चुने जाने पर बाबूलाल मरांडी ने दी बधाई

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में फडणवीस महाराष्ट्र को विकास एवं उन्नति के शिखर पर ले जाएंगे। बधाई और शुभकामनाएं देने वालों में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी और प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह आदि शामिल हैं।

देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र विधायक दल का नेता चुने जाने पर बाबूलाल मरांडी ने दी बधाई

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में फडणवीस महाराष्ट्र को विकास एवं उन्नति के शिखर पर ले जाएंगे। बधाई और शुभकामनाएं देने वालों में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी और प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह आदि शामिल हैं।

पल्लवी प्रिया, पोषण चटर्जी ने इलाज के लिए किया रक्तदान

रांची। एनएसयूआई के प्रदेशसचिव अंकिता शिखर के नेतृत्व में रांची रिम्स में इलाजरत महिला अंजना प्रमाणिक जो कैंसर बीमारी से जूझ रही है जिनका ऑपरेशन होना है। उनकी इलाज हेतु 0पल्स रक्त की जरुरत थी इसे लेकर अंकिता शिखर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रांची एनएसयूआई टीम के कार्यकर्ता पल्लवी प्रिया एवं पोषण चटर्जी लेकर दो यूनिट रक्तदान किया।

मंईयां सम्मान योजना में बरती जा रही लापरवाही : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मंईयां सम्मान योजना में व्याप्त लापरवाही की ओर बुधवार को हेमंत सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। साथ ही कहा कि मंईयां योजना के भुगतान में भी भारी लापरवाही बरती जा रही है। मरांडी ने कहा कि पिछले दो दिनों से धनवार विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों से संवाद कर रहा हूं। इस दौरान धनवार प्रखंड के कोड़ाडीह, जगदीशपुर सहित एक दर्जन से भी ज्यादा अन्य गांवों की अधिसंख्य महिलाओं ने अपनी समस्याओं को साझा किया। अधिकांश महिलाओं ने कहा कि वे मंईयां सम्मान योजना के लाभ से वे अब तक वंचित हैं। कई पात्र महिलाओं के फॉर्म भरे ही नहीं गए हैं, जिसके कारण उन्हें योजना का कोई लाभ नहीं मिल

पाया है। मरांडी ने कहा कि इसके अतिरिक्त वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन भी कई महीनों से लंबित है। राशन वितरण में भी भारी अनियमितता की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अनुरोध किया कि धनवार विधानसभा क्षेत्र सहित राज्य के दूसरे इलाकों में भी विशेष शिविर का आयोजन कर मंईयां सम्मान योजना से वंचित सभी महिलाओं के फॉर्म भरे जाएं और उन्हें योजना का भुगतान ससमय दिया जाए। साथ ही लंबित पेंशन और राशन का अद्यतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए ताकि महिलाओं को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए परेशान न होना पड़े।

डायन-बिसाही के आरोप में महिला को प्रताड़ित करने की घटना पर हो कार्रवाई : मरांडी

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची में डायन-बिसाही के आरोप में आदिवासी महिला को प्रताड़ित करने की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया है। मरांडी ने बुधवार को अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा कि रांची में आदिवासी महिला के ऊपर डायन-बिसाही का आरोप लगाकर प्रताड़ित किए जाने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। रांची पुलिस संबंधित मामले में दोषियों पर विधिसम्मत कारवाई करे और पीड़ित आदिवासी महिला को उचित सहायता प्रदान करे। मरांडी ने मुख्यमंत्री से भी आग्रह किया है कि वे इस मामले में अधिकारियों को निर्देशित करें कि महिलाओं के साथ ऐसी घटनाओं की पुनरावृति दोबारा ना हो। उल्लेखनीय है कि रांची के 50 किलोमीटर दूर चान्हो प्रखंड के चुटियों गांव की आदिवासी महिला मंगरी उरांव को डायन बताकर पिछले चार महीने से प्रताड़ित किया जा रहा है। इससे मंगरी का पूरा परिवार दहशत में है। पीड़िता ने कहा है कि पूरा गांव गोलबंद होकर उसके पीछे पड़ गया है। घर तोड़ दिया है। पानी की पाइपलाइन और बिजली कनेक्शन भी काट दिया है। इसके बाद वह परिवार संग मायके पतरातू तेतर टोली चली गई। एक महीने वहां रहने के बाद धान काटने के लिए गांव लौटी तो ग्रामीण फिर से परेशान करने लगे। इसके बाद मंगरी ने नरकोपी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। नरकोपी पुलिस मामले को सुलझाने के लिए गांव पहुंची तो ग्रामीणों के विरोध के कारण वापस लौटना पड़ा। मंगरी ने कहा कि गांव में तीन-चार लोगों की मौत हो गई थी, जिससे गांव वालों को लगा कि डायन-बिसाही के कारण ही ऐसा हो रहा है।

राज्य में न्यूनतम तापमान गिरने से बढ़ी ठंड

रांची। झारखंड में दिन-प्रतिदिन ठंड बढ़ रही है। स्थिति ये है कि अब लोगों को दोपहर में भी ठंड का एहसास हो रहा है। बुधवार को न्यूनतम तापमान में हल्की सी गिरावट देखने को मिलेगी, जिससे अन्य दिनों की अपेक्षा ठंड ज्यादा लगेगी। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, बुधवार के बाद से कई जिलों में न्यूनतम तापमान 3 से 5 डिग्री गिर सकता है। बुधवार को संताल परगना के कई जिलों में न्यूनतम तापमान 10-11 डिग्री के बीच रह सकता है जबकि राजधानी और उसके आस पास के जिलों में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री के आसपास रह सकता है। इस कारण लोगों को अन्य दिनों की मुकाबले अधिक ठंड लगेगी। इस संबंध में रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि चार से सात दिसंबर तक पारा दो से चार डिग्री गिरेगा। उन्होंने बताया कि 7 दिसंबर से बादल रहने की संभावना है। आठ और नौ दिसंबर को राज्य के कुछ जगहों पर बारिश होने की आशंका है। 10 दिसंबर से फिर से आसमान साफ होने का अनुमान है। 10 से आसमान साफ होने पर सुबह में कोहरा होगा, इससे तापमान गिरेगा और फिर से 10 दिसंबर से ठंड और बढ़ेगी।

आरसीएच कार्यालय में निकला तक्षक नाग, किया गया रेस्क्यू

वरीय संवाददाता

रांची। राजधानी के नामकुम क्षेत्र स्थित आरसीएच के ऑफिस से तक्षक नाग का रेस्क्यू किया गया है जिसे उड़ने वाला सांप भी कहा जाता है। आरसीएच ऑफिस में एक सांप को देख कर वहां काम करने वाले लोगों में हड़कंप मच गया था। सांप से डर कर ऑफिस स्टाफ ऑफिस से बाहर निकल गए।

इसके बाद स्नेक कैचर को इसकी सूचना दी गई और फिर पिठौरिया के रहने वाले स्नेक कैचर रमेश कुमार महतो ने आरसीएच ऑफिस पहुंच कर ऑर्नेट फ्लाइंग स्नेक को दवा के एक कार्टून से रेस्क्यू कर बाहर निकाला। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। स्नेक कैचर ने बताया कि ऑर्नेट स्नेक में हल्का जहर होता है। इसका इस्तेमाल वह शिकार पकड़ने के लिए करते हैं। यह सांप मुख्य रूप से छिपकली खाते हैं। इस सांप को बोलचाल की

भाषा में तक्षक नाग और उड़ने वाला सांप कहा जाता है। सांप की लंबाई 3फीट से थोड़ी ज्यादा पाई गई। यह एक पेड़ से दूसरे पेड़ में दूर तक छलांग लगा कर अपने शिकार को पकड़ता है। यह सांप 50से 100 फीट तक छलांग लगा लेता है। इसी वजह से इसे लोग उड़ने वाला सांप कहते हैं। रमेश कुमार महतो ने इस सांप को रेस्क्यू करने के बाद बिरसा जैविक उद्यान को सौंप दिया है।

जन समस्या का समाधान को लेकर सदैव तत्पर रहेंगे: देवेन्द्र नाथ महतो

रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा द्वारा सिल्ली विधान सभा चुनाव समीक्षा प्रखंडवार कार्यक्रम आज जोन्हा पंचायत के डहुवा मैदान में गुड़ीडीह , जोन्हा, बरवादाग, टाटी, सुरसू पंचायत के सभी 31 बूथ का समीक्षा बैठक कार्यक्रम के साथ समीक्षा बैठक कार्यक्रम का समापन हुआ। बैठक को संबोधन करते हुए प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो ने हार कारण को स्पष्ट करते सभी त्रुटि को सुधार करते हुए नए ऊर्जा के साथ सिल्ली विधान सभा क्षेत्र के जनता का समस्या का समाधान के लिए सभी कार्यकर्ता को तत्पर रहने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम हार जीत हमारे लिए महत्व नहीं हैं हमारा कर्तव्य है सदैव जनता के हित में संघर्ष करना। जनता का सेवा सुचारु रूप से जारी रखने के लिए बैठक के माध्यम सर्व सम्मति से पंचायत प्रभारी और सह प्रभारी भी नियुक्त किया गया।

डीसी ने अतिक्रमण मुक्त एवं प्रदूषण मुक्त कराने के लिए टास्क फोर्स की बैठक की

संवाददाता

रांची। उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजंत्री द्वारा बुधवार को समाहरणालय ब्लॉक- ए स्थित कॉन्फ्रेंस कक्ष में शहरी क्षेत्र में विभिन्न जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु अतिक्रमण मुक्त एवं प्रदूषण मुक्त कराने हेतु टास्क फोर्स का गठन से संबंधित बैठक आयोजित किया गया। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक रांची चंदन कुमार सिन्हा, पुलिस अधीक्षक रांची, राजकुमार मेहता एवं अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) रांची उत्कर्ष कुमार, अपर नगर प्रशासक रांची, (नगर निगम रांची) संजय कुमार, उप समाहर्ता सह प्रभारी जिला विधि शाखा रांची, संजय कुमार उपस्थित थे।

उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजंत्री द्वारा सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को विभिन्न जल स्त्रोतों के आस-पास अतिक्रमण हटाने एवं प्रदूषण को रोकने हेतु कई आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा शहरी क्षेत्र के सभी जल स्त्रोतों की उनके मूल

नक्शा के आधार पर उनका आकार चिन्हित करते हुए जल क्षेत्र की भूमि तथा के आसपास की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण/ झारखंड भवन उप विधि का उल्लंघन कर बनाया गए अवैध निर्माण को चिन्हित किया जाए।

अतिक्रमण मुक्त कराए गए क्षेत्र का स्पष्ट सीमांकन किया जाए ताकि दोबारा इस क्षेत्र पर अतिक्रमण होने पर आसानी से इसे चिन्हित किया जा सकें एवं इसे अतिक्रमण मुक्त रखने हेतु संबंधित राजस्व कर्मचारी एवं नगर प्रबंधक की व्यक्तिगत जवाब देने निर्धारित की जाए। इनके द्वारा ऐसे क्षेत्रों का नियमित अंतराल पर निरीक्षण किया जाए एवं अधिग्रहण की स्थिति पाए जाने पर तत्काल संबंधित वरीय पदाधिकारी को रिपोर्ट किया जाए। उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजंत्री द्वारा सभी सम्बंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा की शहरी क्षेत्र में विभिन्न जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु अतिक्रमण मुक्त एवं प्रदूषण मुक्त कराने के लिए सभी सम्बंधित जगह से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया जिसमें भूसूर नदी, हिनू, कांके डैम एवं सभी जगह जहाँ अतिक्रमण हैं वहां पर कार्रवाई करें।

भारतीय नौसेना दिवस पर झारखंड नौसेना यूनिट वन एनसीसी ने रैली निकाली

रांची। झारखंड नौसेना यूनिट वन एनसीसी रांची ने बुधवार को भारतीय नौसेना दिवस मनाया। इस मौके पर कार्यक्रम में यूनिट ने एक मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। रैली मोरहाबादी मैदान से शुरू होकर हरमू चौक, रेडिसन ब्लू , कांटाटोली फ्लाईओवर होते हुए अपने गंतव्य खेलगांव में समाप्त हुई। कार्यक्रम में कुल 170 कैडेट, 15 नौसेना सैनिक और 10 सेवानिवृत्त नाविक शामिल हुए। रांची यातायात विभाग ने रैली को समुचित सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का समापन औपचारिक केक काटने के साथ हुआ कैडेटों को जीवन में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया।

झारखंड नेवी एनसीसी राज्य की एकमात्र नौसेना इकाई

झारखंड नेवी एनसीसी झारखंड राज्य की एकमात्र नौसेना इकाई है। यह यूनिट खेलगांव सोसायटी में स्थित है और 2100 कैडेटों को प्रशिक्षण प्रदान करती है। इकाई पतरातू में जल प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन करती है। यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट एसके अवस्थी ने बताया कि जब कैडेटों को भारतीय नौसेना रैली में भाग लेने के लिए चुना गया तो वे गर्व और उत्साह से भरे हुए थे। 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान कराची बंदरगाह पर बमबारी की याद में भारत नौसेना दिवस मनाया जाता है। कराची का जलना पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका साबित हुआ था और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए विवश होना पड़ा था।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में गर्म वस्त्रों का हुआ वितरण

रांची। 108 स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में चल रहे पीडित मानव सेवा के पावन तीर्थ श्री कृष्ण प्रणामी सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम की शाखा में बुधवार को बिलासपुर निवासी रमन निकिता अग्रवाल परिवार द्वारा आश्रम में रह रहे 42 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों के बीच गर्म कपड़ा फल का वितरण किया गया। इस मौके पर डुंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान,राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

झारखंड के जलाशयों में झींगा पालन से आदिवासी समुदाय की आर्थिक स्थिति में हो रहा सुधार

वरीय संवाददाता

रांची। राज्य के तीन जलाशयों मसरिया गुमला, केलाघाग सिमडेगा ओर घाघरा हजारीबाग में परियोजना झारखंड के कम उपयोग वाले जलाशय संसाधनों में स्कैंपी झींगा मत्स्य पालन वृद्धि प्रौद्योगिकी की माध्यम से आदिवासी समुदाय की आजीविका में सुधार विषय पर मत्स्य विभाग झारखंड प्रायोजित परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है । भारत में पहली बार गुमला जिला के मसरिया में एक नई तकनीक रांउड फ्लोटिंग पेन की स्थापना 28 नवंबर को किया गया है।

इस पेन का उद्घाटन सुश्री कुसुमलता (डीएफओ) फिशरी गुमला डिपार्टमेंट ऑफ फिशरी गुमला और आइसीएआर-सीआइएफआरआई द्वारा किया गया। साथ ही टीम का नेतृत्व डॉ एके दास, प्रधान वैज्ञानिक सह परियोजना पीआई ने किया। सीआईएफआरआई के निदेशक डॉक्टर बीके दास के सक्षम मार्गदर्शन से किया गया। इस उद्घाटन कार्यक्रम में डैम के नजदीकी स्थित पीएम श्री नवोदय विद्यालय के

प्रधानाध्यापक, विद्यालय के स्टॉफ ओर साथ ही विद्यालय के दो सौ छात्र भी इस उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे।

राउंड फ्लोटिंग पेन में 30 दिन का पोस्ट लार्वा साइज का दो लाख झींगा बीज छोड़ा गया है जिसमें 28 नवंबर को 75,000 ओर 4 दिसंबर को 85,260 पीस रोजेंनबर्गी प्रजाति का झींगा बीज का संचयन किया गया है। जैसे ही 10 से 20 ग्राम का झींगा मछली बीज हो जाएगा, वैसे ही मुख्य जलाशय में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

ये फ्लोटिंग पेन झींगा मछली बीज को बढ़ाने में मदद करेगा और साथ ही खाऊ मछली तथा जंगली मछली से बचाएगा जैसे कि मारेल,थाई मांगुर ,सिंघी, कवई, गरई ओर बोवारी इत्यादि । गौरतलब है कि इस तकनीक के माध्यम से मसरिया जलाशय में काम करने वाले आदिवासी समुदाय की आर्थिक समृद्धि बढ़ेगी।

समग्र परियोजना गतिविधियों की निगरानी गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और मत्स्य विभाग झारखंड के मत्स्य निदेशक एचएन द्विवेदी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उक्त जानकारी मत्स्य निदेशालय के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक ने दी।

जैन मुनि देख लो तप करना सिख लो, ...से गूंजी राजधानी

रांची। जैन मुनि देख लो, तप करना सिख लो, मुनि संघ की जयकारों के साथ मुनि श्री 108 शीतल सागर जी महाराज व ऐलक 105 तीर्थ सागर जी महाराज का गाजे-बाजे के साथ राजधनी में मंगल प्रवेश हुआ। जहां अहले सुबह से ही श्रद्धालूओं का बूटी मोड़ स्थित मेडीका आई होस्पिटल पहुंचना जारी हो गया था। वहां से सुबह सात बजे मुनि श्री की विहार यात्रा करमटोली चौक पहुंची। जहां पर श्री दिगंबर जैन समाज के अनुयायियों ने मुनि श्री से आशीर्वाद लिया। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ मुनि श्री का नगर प्रवेश यात्रा आरंभ हुई। जो रेडीयम रोड, कचहरी रोड, शहीद चौक होते हुए अपर बाजार दिगंबर जैन मंदिर पहुंची। जहां भक्तों द्वारा मुनि श्री का पाद प्रक्षालन किया गया। इसके बाद मुनि श्री ने मंदिर में भगवान जीनेंद्र देव के दर्शन किये। नगर प्रवेश के दौरान जगह-जगह पर श्रद्धालूओं द्वारा मुनि श्री का पाद प्रक्षालन कर आरती उतारी गई।

ओरमांझी में 22 नवंबर को प्लॉटिंग कर रहे लोगों पर हुई गोलीबारी का पुलिस ने किया खुलासा

सुजीत सिन्हा गैंग का शूटर गिरफ्तार

एक करोड़ की रंगदारी मांगा था सुजित गैंग ने, रंगदारी के कारण जमीन दलाल संजीव जयसवाल था टारगेट में, फायरिंग में बाल-बाल बच गया था संजीव जायसवाल

वरीय संवाददाता

रांची। ओरमांझी चिड़िया घर के नजदीक सपाही नदी के बगल में डहु और इरबा के लोगों की पांच एकड़ जमीन पर जमीन दलाल संजीव जायसवाल द्वारा कराये जा रहे प्लॉटिंग के दौरान 22 नवंबर को शाम करीब 4.30 बजे बाईक से आये दो हथियारबंद शुटरों द्वारा संजीव जायसवाल को टारगेट कर गोली दागी गयी थी लेकिन संयोग से उसे गोली नहीं लग कर प्लॉट पर काम करा रहे जोवद अंसारी के घुटने में एक गोली जा लगी थी जबकी दूसरी गोली आजाद अंसारी के पेट को छूते हुए निकल गयी थी। घटना को अंजाम देने के

बाद अपराधी वहां से भाग निकले थे।

इस संबंध में संजीव जायसवाल और घायलों जावेद अंसारी और आजाद अंसारी के द्वारा ओरमांझी थाने में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। जिसमें जिले के पुलिस कप्तान चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर सिल्ली डीएसपी अनुज उरांव के नेतृत्व में थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल तिवारी के साथ टीम बना कर मामले की तहकीक शुरु की गयी जिसमें टीम ने संजीव जायसवाल से पूछताछ करने के बाद टेक्निकल सेल और अपने गुप्तचरों की रिर्पोट पर कारवाई करते हुए गोली चलाने वाले आरोपी का पता लगा लिया और घटना को अंजाम देने में शामिल गैंग का सेकेंड कमांडर कहे जाने वाले कांके के वार्डर क्वार्टर में रहने वाले जिशान शेख उर्फ रिक्की को धर दबोचा। एसएससपी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी जिशान शेख गैंग का कुख्यात मेंमबर है इसके खिलाफ पलामू में पूर्व से कई मामले दर्ज हैं कई बार जेल भी जा चुका है । पुलिस गिरफ्त में आया जिशान ने पुलिस को जानकारी दी की वह सुजीत सिन्हा गैंग के लिए काम करता है, सुजीत ने जमीन ददाल संजीव जायसवाल से एक करोड़ की रंगदारी मांगी थी, उसे पता था की संजीव वहां आया हुआ है इस लिए उसे टपकाने के लिए वह अपने सहयोगी के साथ मौके पर पहुंचा और गोली चलायी लेकिन संयोग से संजीव पीछे हो गया और उसके आदमी आगे आ गये जिन्हें गोली लग गयी।

उक्त प्लॉट पर होती है अय्याशी-

ग्रामीणों के मुताबिक उक्त प्लॉट को पहले भी दो पार्टियों ने खरीद बिक्री कर चुके हैं, संजीव तीसरा पार्टी है। जो एग्रीमेंट के पांच एक-ड़ जमीन के अलावा डैम की और जीएम लैंड को भी कब्जा कर लिया है, जिसका ग्रामीण लगातार विरोध कर रहे हैं। वहीं प्रशासन भी अवैध कब्जे की जमीन पर कार्रवाई करती रही है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 05 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

विद्यालय का आवश्यक अंग है पुस्तकालय : संजय

बोकारो। रोटरी क्लब चास द्वारा उत्क्रमित मध्य विद्यालय, आजाद नगर में लोहे की बुक सेल्फ उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि सरकारी स्कूल को स्मार्ट बनाने और अच्छे बदलाव के लिए रोटरी क्लब द्वारा स्कूल को किताब रखने की लोहे की बुक सेल्फ दी गई है। कार्यक्रम के संयोजक संजय बैद ने कहा कि पुस्तकालय में किताबें अब व्यवस्थित तरीके से रह पाएंगी और बच्चों को ढूंढने में भी आसानी होगी। उन्होंने कहा कि छात्रों को अब जानकारियां एकत्रित करने में सहूलियत होगी। कहा कि पुस्तकालय विद्यालय का आवश्यक अंग है। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने चास रोटरी क्लब की ओर से भविष्य में भी स्कूल को निरंतर रूप से अपना हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। मुकेश ने कहा कि रोटरी क्लब चास जरूरतमंदों की सेवा में हमेशा तत्पर रहा है। विधालय के प्रधानाध्यापक वीरेंद्र प्रसाद ने लोहे की बुक सेल्फ उपलब्ध कराने पर रोटरी क्लब चास की प्रशंसा करते हुए विद्यालय परिवार की तरफ से आभार व्यक्त किया। इस दौरान छात्रों के चेहरे पर भी खुशी देखी गई। मौके पर विनोद चोपड़ा, मुकेश अग्रवाल, संजय बैद, कुमार अमरदीप, नरेंद्र सिंह, प्रकाश केजरीवाल, संजय रस्तोगी, ललिता चोपड़ा, पूजा बैद आदि उपस्थित थे।

तेनु-बोकारो नहर की मरम्मत कार्य जोरों पर

बोकारो। तेनु- बोकारो नहर की मरम्मति का कार्य जोरों पर हो रहा है। लगभग 35 किलोमीटर लंबे इस नहर के काम में सैंकड़ों मजदूर लगे हैं। बीएसएल और बांध परियोजना के अधिकारियों की देख रेख में काम हो रहा है। नहर के दोनों और जर्जर स्थानों में आरसीसी ढलाई की जा रही है। तोताडीह, कुम्हारडीह, बदरोटांड़, नूतनडीह, तुपकाडीह और रेलवे बैरियर के समीप ढलाई का काम हो गया है। विगत एक दिसंबर से नहर का पानी रुकने के बाद भी बीएसएल कुलिंग पौंड डेम का पानी कम नहीं हुआ है। सूत्रों के अनुसार दर्जनों छोटे-छोटे संवेदक काम करने में लगे हुए हैं। आगामी छह दिसंबर को तेनुघाट डैम से नहर में पानी का फाटक खोला जाएगा।

तेनु-बोकारो नहर मरम्मती कार्य का तेनु बांध प्रमंडल के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

बेरमो/ बोकारो। तेनु-बोकारो नहर मरम्मती कार्य युद्ध स्तर पर संवेदकों द्वारा किया जा रहा है। मरम्मती का कार्य पांच दिसंबर तक ही पूरा करना है। बुधवार को नहर मरम्मती कार्य के तीसरे दिन भी बीएसएल बोकारो एवं तेनुघाट बांध प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता सचिन कुमार व अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यपालक अभियंता श्री कुमार ने कहा कि नहर मरम्मती का कार्य 4.70 करोड़ की लागत से 105 प्वाइंट पर हो रहा है। हमलोग लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। ताकि समय पर मरम्मती का कार्य पूर्ण हो सके। उन्होंने नहर मरम्मती कार्य पर संतोष व्यक्त करते हुए संवेदकों को विशेष निर्देश दिए।

पूर्व सांसद ने की चुनाव समीक्षा बैठक

बेरमो/ बोकारो। गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के 16 वीं सांसद सह संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में बेरमो विधानसभा क्षेत्र से एनडीए के भाजपा प्रत्याशी रवींद्र कुमार पांडेय ने अपने फुसरो स्थित आवासीय कार्यालय में चुनाव समीक्षा बैठक की। बैठक में अभी हाल ही में हुए बेरमो विधानसभा चुनाव में हार पर समीक्षा करते हुए कारणों पर चर्चा की गई। साथ हीं पदाधिकारी और कार्यकताओं से पार्टी हित में काम करते रहने की बात कही। बैठक में भाजपा की बोकारो जिला उपाध्यक्ष अर्चना सिंह, फुसरो नगर मंडल के अध्यक्ष रमेश स्वर्णकार, अनिल गुप्ता सहित अनेकों पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झाकोमयू के नेता ने की कोल इंडिया चेयरमैन से बातचीत

बेरमो/ बोकारो। राजर हाट न्यू टाउन कोल इंडिया कोलकाता स्थित कोल इंडिया मुख्यालय में कोल इंडिया चेयरमैन पीएम प्रसाद के साथ बुधवार को एटक से संबद्ध झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के केंद्रीय महासचिव बेनीलाल महतो एवं केंद्रीय कार्यालय सचिव शंभूनाथ महतो की बातचीत हुई। वार्ता में सीसीएल, बीसीसीएल एवं ईसीएल के विस्थापितों एवं मजदूरों के विभिन्न समस्याओं के समाधान के साथ-साथ मजदूरों के पे प्रोटेक्शन से संबंधित विषयों पर बातचीत हुई। जिसे कोल इंडिया प्रबंधन ने समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। साथ ही बेनीलाल महतो ने कंपनियों के उत्पादन में प्रबंधन को सहयोग करने का भरोसा दिलाया।

एक हफ्ते में सभी अल्ट्रासाउंड क्लीनिकों में सीसीटीवी कैमरा स्थापित करने का आदेश

पीसीपीएनडीटी एक्ट का अनुपालन नहीं करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

संवाददाता

बोकारो। बोकारो समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बुधवार को उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव ने पूर्व गभार्धान और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) एक्ट के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक की। इस बैठक में चास अनुमंडल की पदाधिकारी सुश्री प्रांजल ढांडा, बेरमो के अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ, सिविल सर्जन डॉ. ए बी प्रसाद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, अनुमंडल चिकित्सा पदाधिकारी बेरमो डॉ. एन पी सिंह, नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सेलिना टुडू, डॉ. राजश्री रानी सिंह, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मिता सिन्हा सहित विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि श्रीमती प्रगति शंकर, कल्याणी सागर, सुरेश प्रसाद ठाकुर आदि उपस्थित थे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी अल्ट्रासाउंड क्लीनिकों को एक

सप्ताह का समय देते हुए सीसीटीवी कैमरे का अधिष्ठापन सुनिश्चित करने का आदेश दिया। साथ ही, क्लीनिक के बाहर अल्ट्रासाउंड करने वाले चिकित्सक का नाम, कार्य करने का समय और अन्य विवरण प्रदर्शित करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि बिना वैध पहचान पत्र के कोई भी अल्ट्रासाउंड नहीं किया जाएगा और क्लीनिक परिसर में वैध पहचान पत्रों की सूची भी प्रदर्शित करनी होगी। उपायुक्त ने सभी क्लिनिकों को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत फ्लेक्स लगाने का निर्देश दिया, जिसमें लिंग जांच को अपराध बताया जाए। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित सभी क्लिनिकों को पीसीपीएनडीटी एक्ट के सभी नियमों का पालन करना होगा, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।सिविल सर्जन को निजी क्लीनिकों के साथ अविलंब एमओयू कराने और इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। समीक्षा के दौरान पीसीपीएनडीटी टास्क फोर्स टीम को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि कोई भी क्लीनिक फार्म-एफ में अपूर्ण जानकारी न रखे। नोडल पदाधिकारी ने बताया कि टीम के लगातार प्रयासों से क्लीनिकों द्वारा फार्म-एफ को पूरी तरह से भरा जा रहा है और समय-समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। बैठक में पीसीपीएनडीटी एक्ट के संबंध में कानूनी सलाहकार श्रीमती प्रियंका सिंघल ने भी समिति के सदस्यों को विस्तार से जानकारी दी।

झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस के लिए 12वीं त्रिपक्षीय सुरक्षा बैठक संपन्न

संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट (सेल) के तहत झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस जेजीओएम के लिए 12 वीं त्रिपक्षीय सुरक्षा बैठक एमटीआई, रांची में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस बैठक में महानिदेशालय खान सुरक्षा (डीजीएमएस), श्रमिक संघों के प्रतिनिधियों और सेल प्रबंधन के सदस्य शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता साउथ ईस्टर्न जोन रांची के उपमहानिदेशक डॉ. एस.एस. प्रसाद ने की। इस अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बी.के. तिवारी भी उपस्थित थे।।बैठक में डीजीएमएस के प्रतिनिधियों के साथ सेल-बीएसएल टीम, श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधि, श्रमिक निरीक्षक और ठेकेदारों के सदस्य भी शामिल हुए। इसमें डीजीएमएस की ओर से आर.आर. मिश्रा डीएमएस-खनन, एस. बेहरा डीएमएस-यांत्रिक, के.एम. रेड्डी डीएमएस-विद्युत, सुधीर आर डीडीएमएस-

खनन, आर. बोंथा डीडीएमएस-यांत्रिक और ई. अरविंद कुमार डीडीएमएस-विद्युत ने भाग लिया। सेल-बीएसएल टीम की ओर से अधिशासी निदेशक मानव संसाधन सुश्री राजश्री बनर्जी और कार्यकारी अधिशासी निदेशक माइंस आर.पी. सेल्वम ने प्रतिनिधित्व किया। इसके अतिरिक्त गुआ और चिरिया माइंस के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा बोकारो इस्पात कामगार यूनियन के महासचिव रामाश्रय प्रसाद सिंह, अन्य यूनियन प्रतिनिधि, श्रमिक निरीक्षक और ठेकेदारों के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में पिछली त्रिपक्षीय बैठक में किए गए उन्नत सुरक्षा प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन और 12वें राष्ट्रीय सम्मेलन की सिफारिशों को सफलतापूर्वक अपनाने पर भी चर्चा की गई। यह सुरक्षा मानकों को बढ़ाने के लिए सभी पक्षों की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ता है। डीजीएमएस और श्रमिक संघों के प्रतिनिधियों ने सुरक्षा मानकों को और मजबूत बनाने और परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इन सुझावों को ध्यान में रखते हुए, सेल प्रबंधन ने विश्व स्तरीय सुरक्षा मानकों को लागू करने और सक्रिय सहयोग के माध्यम से प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की। बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बी.के. तिवारी ने भारतीय खनन क्षेत्र में डीजीएमएस अधिकारियों के अमूल्य योगदान और श्रमिक संघों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों को निरंतर ऊंचाई पर ले जाने के लिए सेल प्रबंधन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। साथ ही, उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि त्रिपक्षीय बैठकों का नियमित रूप से आयोजन सुरक्षा प्रथाओं में सुधार और सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

डॉ० एस एस प्रसाद ने बैठक के दौरान सभी द्वारा प्रदर्शित सहयोगात्मक दृष्टिकोण की सराहना की और खनन उद्योग में सुरक्षा और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रथाओं में निरंतर सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सभी हितधारकों को झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस को सुरक्षा और उत्पादकता के क्षेत्र में एक मानक के रूप में स्थापित करने के लिए संगठित प्रयास करने का आह्वान किया। यह बैठक झारखंड खान समूह में सुरक्षा, कल्याण और सतत प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के प्रति सभी हितधारकों की साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करने में सहायक रही।

नई शिक्षा नीति को सुधारने में सहायक होगा परख सर्वेक्षणः शर्मा

संवाददाता

बोकारो। भारतीय सरकार की नई शिक्षा नीति को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से बोकारो जिले के 89 सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालयों में 'परख' नामक राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह सर्वेक्षण भारतीय शिक्षा नीति के वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त करने और उसे बेहतर बनाने के लिए किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी, सीबीएसई नई दिल्ली और झारखंड सरकार के जिला शिक्षा अधिकारी के सहयोग से आयोजित किया गया। सर्वेक्षण के पूर्व 96 आब्जर्वरों को ऑफलाइन और ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से बेहतर ज्ञानवर्धन और परिपक्वता प्रदान की गई। बोकारो के जिला शिक्षा पदाधिकारी जगन्नाथ लोहरा द्वारा 131 फील्ड इन्वेस्टिगेटरों का प्रशिक्षण दिया गया। यह सर्वेक्षण कक्षा तृतीय, छठी और नवमी के छात्रों का परीक्षण करने के लिए किया गया, जिसमें कुल 2972 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

सर्वेक्षण में कक्षा तृतीय के 866, कक्षा छठी के 974, और कक्षा नौवीं के 1132 छात्र शामिल थे। इस प्रक्रिया का आयोजन चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य और जिला समन्वयक सूरज शर्मा, सीबीएसई परख सर्वेक्षण के समन्वयक जिला शिक्षा पदाधिकारी जगन्नाथ लोहरा तथा सीबीएसई नई दिल्ली के पर्यवेक्षक सुनील दत्त की निगरानी में हुआ।

14 दिसम्बर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए हुई बैठक

संवाददाता

तेनुघाट/जारंगडीह। माननीय सर्वोच्च न्यायालय, झारखंड उच्च न्यायालय एवं प्रधान जिला जज बोकारो के निर्देश पर 14 दिसम्बर को तेनुघाट व्यवहार न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में न्यायिक पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पीएलवी (पैरालीगल वालंटियर) ने भाग लिया। इस बैठक की अध्यक्षता व्यवहार न्यायालय के जिला जज तृतीय फहीम किरमानी ने की। जिला जज तृतीय फहीम किरमानी ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया

कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए भेजे गए नोटिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति तक पहुंचाया जाए, ताकि अधिक से अधिक मामलों का समाधान संभव हो सके। उन्होंने पुराने मामलों के निष्पादन के लिए सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के निदेर्शों के पालन की बात की और नोटिस एवं वारंट पर शीघ्र कार्रवाई करने का आह्वान किया। कुटुंब न्यायालय के प्रेमनाथ पांडेय ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि लोक अदालत की सफलता के लिए उनका सहयोग आवश्यक है, विशेषकर पारिवारिक विवादों के मामलों में। उन्होंने सलाह दी कि पुलिस को पारिवारिक विवाद के मामलों की जानकारी मिलते ही उन्हें सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए।

ग्रीन ऊर्जा सोलर प्लांट निर्माण के लिए सीसीएल और सीएमपीडीआई की टीम ने किया निरीक्षण

संवाददाता

बेरमो। भारत सरकार के सोलर मिशन के तहत ग्रीन ऊर्जा परियोजना के निर्माण के लिए सीसीएल मुख्यालय, सीएमपीडीआई और सीसीएल बोकारो तथा कारगली प्रक्षेत्र की टीम ने बुधवार को पेटरवार प्रखंड के चलकरी दक्षिणी पंचायत के हरलोडीह और जरीडीह बाजार के पास स्थित बंद खदानों का निरीक्षण किया। टीम ने इस निरीक्षण के बाद ग्रीन ऊर्जा संचालित करने के लिए रिपोर्ट तैयार की। इस टीम का नेतृत्व सीसीएल मुख्यालय रांची की महाप्रबंधक विद्युत एवं यांत्रिक सुमित्रा कर रही थीं। सुमित्रा ने

बताया कि सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के चलकरी में सीसीएल द्वारा अधिग्रहित भूमि पर लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से सोलर प्लांट लगाने की योजना है। निरीक्षण की रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे मुख्यालय को सौंपा जाएगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार और कोल इंडिया के बीच हुए समझौते के तहत सोलर मिशन के माध्यम से गांवों को बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। चलकरी के लिए सभी प्रकार की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। संभवतः अगले छह महीनों में सोलर प्लांट का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इस परियोजना में चार यूनिट का निर्माण किया जाएगा, जिन्हें ए, बी, सी और डी के नाम से जाना जाएगा।

शाहिद खुदीराम बोस की 135 वीं जयंती पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित

बोकारो। सेक्टर 12 मोड स्थित शाहिद खुदीराम चौक पर उनकी 135 वीं जयंती के अवसर पर एक माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकारी अध्यक्ष मोहन चौधरी ने शाहिद खुदीराम बोस की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद समिति के सचिव मनोज सिंह, संग्राम सिंह, जीके मलिक, पलक घोष, दिलीप कुमार और अन्य उपस्थित लोगों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मनोज सिंह ने की। गोष्ठी में शाहिद खुदीराम बोस के क्रांतिकारी विचारों पर चर्चा की गई और उनके योगदान को याद किया गया। मनोज सिंह ने कहा कि शहीद खुदीराम बोस की शहादत केवल ब्रिटिश शासन के खिलाफ नहीं, बल्कि समाज में फैले भेदभाव, असमानता, छुआछूत और अशिक्षा के खिलाफ भी थी। कार्यकारी अध्यक्ष मोहन चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि शहीदों का सपना था एक ऐसा भारत जहां हर नागरिक को समान अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार मिले। उन्होंने यह भी कहा कि शाहिद खुदीराम बोस की शहादत का संदेश यह है कि समाज में भाईचारे की स्थापना और न्यायपूर्ण व्यवस्था के लिए संघर्ष जारी रखना चाहिए। समिति ने यह आह्वान किया कि आजादी के संघर्ष के असली उद्देश्य को पूरा करने के लिए जन जागरूकता और संगठित आंदोलन की आवश्यकता है।

सीसीएल ढोरी प्रबंधन व क्षेत्रीय कल्याण समिति की हुई बैठक

संवाददाता

बेरमो/ बोकारो। सीसीएल ढोरी के महाप्रबंधक कार्यालय सभागार में बुधवार को प्रबंधन व क्षेत्रीय कल्याण समिति की बैठक हुई। बैठक में मजदूरों की सुविधा उपलब्ध कराने आदि मुद्दे को लेकर चर्चा की गई। श्रमिक सदस्यों ने कहा कि सीसीएल ढोरी प्रक्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी प्रबंधन का सहयोग करते आ रहे हैं। उत्पादन के साथ-साथ मजदूरों की सुख, सुविधा और सुरक्षा की भी जिम्मेदारी प्रबंधन की है। कहा कि क्षेत्र में पानी की स्थिति में सुधार लाया जाए, मजदूरों के जर्जर आवासों की मरम्मती की जाय। अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में दवा नहीं रहने के कारण कर्मी को बाहर से खरीदना

पड़ता है, मजदूर धौड़ा में बिजली लाइट की व्यवस्था कि जाय। जीएम रंजय सिन्हा ने कहा कि बैठक में उठाए गए सभी समस्याओं पर गंभीरता से कार्य करते हुए निदान किया जाएगा। कहा कि जहां भी मजदूरों की सुविधा में असुविधा हो रही है वहां युद्ध स्तर पर काम कराया जाएगा। मजदूर धौड़ा में साफ-सफाई कराया जाएगा। मजदूरों के जो भी क्वार्टर जर्जर है, उसकी मरम्मती कराई जाएगी। कहा कि मजदूरों को स्वच्छ पेयजल मिले इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में दवाई उपलब्ध कराया जाएगा। पीओ शैलेश प्रसाद ने कहा कि सीएसआर व वेलफेयर फंड से भी विस्थापित, ग्रामीण व आसपास के लोगों की सुविधाओं को ख्याल में रखकर योजनाओं को धरातल पर उतारा जाता है। इसलिए उत्पादन लक्ष्य प्राप्त करने से प्रक्षेत्र और पूरी सीसीएल का नाम रौशन होगा।

मौके पर एसओईएडीएम गौतम मोहंती, एसओसी मनोज कुमार, चिकित्सक रोहित शर्मा, सीएसआर शैलेस कुमार, सुरक्षा अधिकारी सुरेश सिंह, शाहिद हुसैन, सहायक प्रबंधक शालिनी यादव, सीताराम उइके सहित जवाहरलाल यादव, बैजनाथ महतो, राजू भुकीया, अविनाश सिंह, कैलाश ठाकुर, ओमशंकर सिंह, केवल चौहान, बबलू महतो, चंद्रशेखर महतो आदि यूनियन नेता मौजूद थे।

बीएसएल में 12,000 संविदा कर्मियों के लिए सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना की शुरूआत

संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन अपने संयंत्र में कार्यरत ठेका श्रमिकों को अपने कार्यबल का अभिन्न हिस्सा मानता है और उनके कल्याण के लिए लगातार विभिन्न योजनाओं की पहल कर रहा है। इस कड़ी में, हाल ही में संविदा कर्मियों के लिए सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना की शुरूआत की गई। यह योजना संविदा श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों के सुरक्षा एवं कल्याण को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने बुधवार को इस योजना की औपचारिक शुरूआत करते हुए चार लाभार्थियों को बीमा पॉलिसी प्रमाण पत्र वितरित किए। इस कार्यक्रम में बीएसएल के वरिष्ठ अधिकारी और कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के सदस्य भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) हरि मोहन झा ने योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत लगभग 12,000 संविदा कर्मियों को बीमा कवरेज प्रदान किया गया है, जो उनके आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में दस लाख रुपये का बीमा कवर प्राप्त करेंगे। बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि यह योजना संविदा कर्मियों की सुरक्षा और उनके परिवारों के कल्याण के लिए एक बड़ा कदम है। उन्होंने बीएसएल द्वारा कॉन्ट्रैक्ट लेबर मैनेजमेंट और संविदा कर्मियों के कल्याण की दिशा में किए जा रहे अन्य प्रयासों में सहयोग देने के लिए कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन की सराहना की।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 05 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

बहूओं ने सास की पीट पीट कर की हत्या, थाने में मामला दर्ज पुलिस कर रही अनुसंधान

इटखोरी। जमीनी विवाद में बघमुंडी गांव में अपने ही सास को बड़ी और छोटी बहू ने लाठी और डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी है। यह मामला मंगलवार की सुबह की है। घटना का अंजाम देने वाली बड़ी बहू बबीता देवी पति हीरामन दांगी और छोटी बहू संगीता देवी पति संजय दांगी घर छोड़कर फरार चल रहे हैं। इस संबंध में मृतका के मंझले पुत्र नागेश्वर दांगी ने इटखोरी थाने में हत्याकांड का अंजाम देने वाली बबीता देवी और संगीता देवी के विरोध में अपनी मां भीखनी देवी की हत्या करने संबंधित मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने थाना कांड संख्या103/24 भारतीय दंड प्रक्रिया विधान के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपी हत्यारिन बहू की खोजबीन में जुट गई है। दोनों हत्यारिन बहुएं घर छोड़कर फरार चल रही हैं। मृतका के पुत्र द्वारा दर्ज मुकदमे में कहा गया है कि मंगलवार की सुबह बड़की बहू, बबीता देवी और छोटी बहू संगीता देवी के घर के बगल के खेत में गेहूं लगवाने के लिए ट्रैक्टर से हल जुतवा रही थी। इसी दौरान सास भिखनी देवी उसे मना करने गई। इसी बात को लेकर बबीता देवी और संगीता देवी ने उन्हें लाठी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घायल अवस्था में भीखनी देवी को इटखोरी अस्पताल लाया जा रहा था। इस दौरान बक्सा पुल के पास उन्होंने अपना दम तोड़ दिया। फिर बाद में इटखोरी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अंत में पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार के लिए पुत्र नागेश्वर दांगी को सुपुर्द कर दिया है। शव का अंतिम संस्कार भी हो गया। थाना के एसआई विजय कुमार ने बताया कि दोनों आरोपी बहू घर छोड़कर फरार हैं। उन्हें जल्द हीं गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

निजी खर्च से युवकों ने किया कंबल का वितरण

गिद्धौर। प्रखंड के युवा समाजसेवी आशीष कुमार ने अपनी निजी खर्च से मंगलवार को करीब डेढ़ सौ जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। आशीष ने बताया कि ठंड के मौसम में कई गरीब और जरूरतमंद लोग कंबल की तलाश में थे, जिसको ध्यान में रखते हुए उन्होंने यह पहल की। आशीष पेंटर का काम करते हैं और उन्होंने कई बार पहले भी समाज सेवा के विभिन्न कार्यों में भाग लिया है। ग्रामीणों ने आशीष के इस कार्य की सराहना की और कहा कि सरकारी स्तर पर अभी तक कंबल का वितरण नहीं किया गया है, लेकिन आशीष ने अपनी दरियादिली दिखाते हुए इन जरूरतमंदों की मदद की। यह पहल उनके लगातार समाजसेवा के प्रति समर्पण को दशार्ती है।

सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल का गिद्धौर दौरा

सिमरिया। सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल ने बुधवार को गिद्धौर प्रखंड के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कई निजी कार्यक्रमों में भाग लिया और ग्रामीणों से रूबरू हुए। विधायक ने कहा कि वह सिमरिया क्षेत्र की समस्याओं को बहुत अच्छे से समझते हैं और उनका समाधान करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वह उन्हें सिमरिया का विधायक नहीं, बल्कि सिमरिया के बेटे के रूप में पुकारें। उन्होंने 9 दिसंबर को रांची में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने का आह्वान किया और कहा कि वह क्षेत्र के विकास में पूरी तरह से समर्पित हैं। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष कपिल कुमार, महामंत्री मनोज कुमार कुशवाहा, विजय कुमार दांगी, राकेश कुमार गुप्ता और कई अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

लावालौंग पशु मेला का डाक 12 लाख 56 हजार 300 में हुआ

लावालौंग। प्रखंड में बुधवार को पशु मेला का डाक अंचल कार्यालय में हुआ। इस बार मेला 12 लाख 56 हजार 300 रुपये में डाक हुआ। मेले का डाक मदन डी के भोला यादव को मिला, जिन्होंने पिछले साल की तुलना में 300 रुपये अधिक की बोली लगाई। कुल छह संवेदकों ने बोली में भाग लिया था, लेकिन सबसे अधिक बोली लगाकर भोला यादव ने मेला अपने नाम किया। पिछली बार यह मेला 12 लाख 56 हजार रुपये में अनिल कुमार साहू ने जीता था, लेकिन इस बार यह मेला भोला यादव ने अपने नाम किया। इस प्रक्रिया के दौरान बोली लगाने वालों के बीच काफी उत्साह देखा गया।

इलेवन ब्रदर्स चतरा ने साईं वाटसन को हराया

गिद्धौर। प्रखंड के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में बुधवार को जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक लीग मैच में साईं वाटसन और इलेवन ब्रदर्स चतरा के बीच मुकाबला हुआ। इलेवन ब्रदर्स चतरा ने तीन विकेट से जीत हासिल की। साईं वाटसन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सभी विकेट खोकर 182 रन बनाए। इसके जवाब में इलेवन ब्रदर्स चतरा ने 29.3 ओवर में 7 विकेट खोकर 183 रन बना लिए और मैच जीत लिया। इलेवन ब्रदर्स चतरा की ओर से अर्पित कुमार और जिगर राणा ने महत्वपूर्ण 48-48 रन बनाए। साईं वाटसन की टीम की ओर से उज्ज्वल और राहुल ने क्रमशः 30 और 27 रन का योगदान दिया। इलेवन ब्रदर्स की शानदार गेंदबाजी ने मैच को उनके पक्ष में मोड़ दिया, जिसमें रामप्रवेश ने 6 ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट लिए।

सीसीएल के आम्रपाली-चंद्रगुप्त में खान सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

टंडवा। प्रखंड में सीसीएल के आम्रपाली-चंद्रगुप्त परियोजना में बुधवार को 67वां खान सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 4 दिसंबर से 13 दिसंबर तक चलने वाला है, और इसका मुख्य उद्देश्य खनन कार्य में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में खान सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने परियोजना की कार्यप्रणाली की सराहना की और उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत की प्रशंसा की। इस मौके पर अंबे और लक्ष्मी माइनिंग व ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के प्रबंधकों को सम्मानित किया गया। कस्तूरबा और परियोजना विद्यालय की छात्राओं ने लोक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के अंत में सुरक्षा अधिकारियों ने खनन क्षेत्र का जायजा लिया।

बाल विवाह मुक्त अभियान की शुरूआत

चतरा। जिले में 27 नवंबर से 10 दिसंबर तक बाल विवाह मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मंगलवार को जिला परिषद भवन में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, उपाध्यक्ष ब्रिज किशोर तिवारी, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अभियान का उद्देश्य बाल विवाह को समाप्त करना और इसके खिलाफ जन जागरूकता फैलाना है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ कानून है और इसके तहत माता-पिता पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह से न केवल बेटियों का भविष्य प्रभावित होता है, बल्कि इससे बच्चों को कुपोषण और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर बाल विवाह को रोकने का संकल्प लिया और सभी से इस अभियान में भाग लेने की अपील की।

चोरी की मोटरसाइकिलों की बड़ी खेप हुई बरामद

संवाददाता

चौपारण। थाना क्षेत्र के परसातरी गांव से पुलिस ने 10 से 12 की संख्या में चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।घटना के संदर्भ में चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें सोमवार को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के परसातरी गांव में मुन्ना यादव के घर पर 10 से 12 की संख्या में मोटरसाइकिल पड़ी है जो संदिग्ध लग रही है। बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के दिशा निर्देश के अनुसार इस सूचना के आलोक में थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश के

नेतृत्व में सूचना सत्यापन के लिए एक टीम का गठन किया गया। प्राप्त सूचना के अनुसार मुन्ना यादव के घर पर पुलिस टीम ने छापामारी कर 12 मोटरसाइकिलें बरामद की। जो विभिन्न कंपनियों की हैं। जिसमें कुछ मोटरसाइकिलें बिना नंबर की हैं। ये मोटरसाइकिलें हीरो होंडा शाइन, अपाची, टीवीएस रेडान बजाज पल्सर, हीरो होंडा ग्लैमर, हीरो होंडा स्प्लेंडर आदि ब्रांड की है। इस क्षेत्र में ये चोरी की मोटरसाइकिलें महुआ और शराब ढोने के काम में आती हैं। विशेष कर शराब तस्करी करने वाले लोग चोरी की मोटरसाइकिल का उपयोग शराब निर्माण की सामग्रियों को ढोने और कई तरह के अवैध काम करने के लिए उपयोग में लाते हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि बरामद मोटरसाइकिलों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इस अपराध में संलिप्त कुछ लोगों के संदर्भ में सूचनाऐं प्राप्त हुई है। इस मामले के उद्वेदन के लिए चौपारण थाना पुलिस के द्वारा अनुसंधान का कार्य किया जा रहा है। चोरी की मोटरसाइकिलों को बरामद करने के लिए थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश के नेतृत्व गठित छापामारी टीम में पुलिस अवर निरीक्षक श्रवण कुमार पासवान, सहायक अवर निरीक्षक बादल कुमार महतो, चौपारण थाना के हवलदार गोपाल प्रसाद सिंह एवं आरक्षी अश्विनी कुमार उपाध्याय सम्मिलित थे।

भद्रकाली महाविद्यालय और भद्रकाली इंटर महाविद्यालय ने 40 वां स्थापना दिवस समारोह मनाया

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को नमन और महाविद्यालय के भूमि दाताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

अखिलेश पांडेय

इटखोरी। इटखोरी स्थित प्रसिद्ध उच्च शिक्षण संस्थान, भद्रकाली महाविद्यालय एवं भद्रकाली इंटर महाविद्यालय का 40वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दुलार ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इटखोरी के विकास पुरुष एवं महाविद्यालय के संस्थापक सचिव कुमार यशवंत नारायण सिंह, और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध समाजसेवी देवकुमार सिंह, झारखंड राज्य के विख्यात योग गुरु शंकर चंद्रवंशी तथा समाजसेवी पवन शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसमें मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, प्राचार्य डॉ. दुलार ठाकुर, इंटर कॉलेज के प्राचार्य मोहम्मद

रियाजुदिन अहमद, प्रो. ललित मोहन सिन्हा और अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। इसके बाद मंचासीन अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। रानी कुमारी, पल्लवी सिंह और ऋषिका कुमारी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद, माता सरस्वती, भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ० राजेंद्र प्रसाद और महाविद्यालय के भूमि दाताओं को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का विषय प्रवेश करते हुए प्रो० ललित मोहन सिन्हा ने कहा कि 40 साल पहले कुमार यशवंत नारायण सिंह ने इटखोरी में उच्च शिक्षा का जो आधार रखा था, वह आज फल-फूल रहा है। उन्होंने महाविद्यालय के वर्तमान सचिव डॉ० प्रदीप कुमार सिंह द्वारा किए गए विकास कार्यों की सराहना की। संस्थापक सचिव कुमार यशवंत नारायण सिंह ने छात्र-छात्राओं से अनुशासन और अध्ययन पर जोर देते हुए महाविद्यालय के भूमि दाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि देवकुमार सिंह ने कहा कि यह महाविद्यालय गरीब छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का सबसे अच्छा संस्थान है। योग गुरु शंकर चंद्रवंशी ने पिछले 40 वर्षों में महाविद्यालय से निकलकर सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हजारों छात्र-छात्राओं की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ० दुलार ठाकुर ने संस्थापक सचिव कुमार यशवंत नारायण सिंह के त्याग और समर्पण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और महाविद्यालय के वर्तमान सचिव डॉ. प्रदीप कुमार सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से महाविद्यालय तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को देशरत्न डॉ० राजेंद्र प्रसाद के आर्दशों को अपनाने का आह्वान किया। महाविद्यालय के इतिहास, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करते हुए प्राचार्य ने बताया कि अगले सत्र से महाविद्यालय में एमए, एमएससी और एमकॉम की पढ़ाई शुरू होगी।

बोड़ो स्थित प्लाईवुड गोदाम में भीषण आग

करोड़ों का हुआ नुकसान

संवाददाता

गिरिडीह। जिले के पचंबा थाना क्षेत्र के बोड़ो स्थित तीन गोदामों में मंगलवार की मध्य रात्रि एक भीषण आग लग गई, जिससे करोड़ों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ। इस घटना में प्लाईवुड, बिजली के सामान और अन्य वस्तुओं के अलावा तीन मोटरसाइकिल और एक एक्सयूवी कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। यह आग झूमराज इंटरप्राइजेज, बाबाधाम प्लाईवुड और एक बिजली सामान के गोदाम में लगी, जो एक-दूसरे से सटे हुए थे। गोदाम संचालक रवि कुमार साहू ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, और घटनास्थल पर आग की भीषणता के कारण दमकल विभाग को मौके पर पहुंचने में कठिनाई हुई। सुबह तक आग बुझाने का कार्य चलता रहा, लेकिन बड़ा नुकसान हो चुका था। अनुमानित नुकसान लगभग 1.80 करोड़ रुपए का हुआ है। पुलिस और प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

एनटीपीसी द्वारा टंडवा में लगाए गए सोलर लाइट्स में घोटाले का आरोप

संवाददाता

टंडवा। नार्थ करनपुरा एनटीपीसी द्वारा टंडवा में लगाए गए सोलर लाइट्स को लेकर भारी अनियमितताओं का आरोप लगा है। यह सोलर लाइट्स टंडवा के गाडिलोंग चौक, चौराहों और सड़क किनारे लगाए गए हैं, लेकिन इनमें गुणवत्ता से संबंधित गंभीर शिकायतें सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि ये सोलर लाइट्स जल्दी खराब हो गईं, जबकि उनकी लागत काफी अधिक थी। इसके अलावा, सोलर लाइट्स के दाम में अनियमितता पाई गई है, जिससे यह साफ है कि टेंडर प्रक्रिया में घोटाला हुआ है। कम लागत के सोलर लाइट्स को

अधिक कीमत पर बिल में डाला गया, जिससे करोड़ों रुपए की हेराफेरी की गई। स्थानीय समाजसेवी रामदेव पासवान और खटट के वरिष्ठ नेता संतोष नायक ने आरोप लगाया है कि एनटीपीसी के अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से यह घोटाला हुआ है। उन्होंने सीबीआई से इस मामले की जांच कराने की मांग की है, ताकि सीएसआर फंड में हुए घोटाले का पदार्फाश किया जा सके। आरोप है कि एनटीपीसी के अधिकारी अपने रिश्तेदारों या गरीबों से निविदा लेकर आसानी से पैसे का दोहन कर घोटाला कर रहे हैं। इस घोटाले में कई अधिकारी और ठेकेदार शामिल हो सकते हैं, जिनके नाम जांच में सामने आ सकते हैं।

अवैध कारोबारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी, दो ट्रक जप्त

संवाददाता

गिरिडीह। जिले में डुमरी पुलिस ने अवैध मांगुर मछली के परिवहन में लिप्त दो ट्रकों को जप्त किया है। यह कार्रवाई पुलिस द्वारा चलाए जा रहे लगातार अभियान का हिस्सा है, जिसमें अवैध कोयला, मछली, पशु और अन्य प्रतिबंधित सामानों के परिवहन को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं।

3 दिसंबर को निमियाघाट पुलिस ने पहले एक ट्रक को पकड़ा था और 4 दिसंबर को डुमरी पुलिस ने टोल प्लाजा कुलगो के पास से दो ट्रकों को पकड़ा, जो प्रतिबंधित मांगुर मछलियों से लदे हुए थे। इन ट्रकों की पहचान पीबी 11डीबी 7568 और यूपी 63टी 2593 के रूप में की गई है।

पुलिस ने इन ट्रकों के चालक, उपचालक और लेबर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, और मछली विभाग को भी सूचित कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वे एनएच-19 पर अवैध कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रखेंगे और ऐसे कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकार जितेंद्र कुमार तिवारी के पिता का निधन, शवयात्रा में उमड़ी भीड़

संवाददाता

चतरा। पत्थलगड़ा के वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र कुमार तिवारी के पिताजी, लक्ष्मी नारायण तिवारी (89 वर्ष) का निधन हो गया। वे एक प्रतिष्ठित किसान थे और कांग्रेस पार्टी में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे थे। कुछ दिनों से वे बीमार थे और बीती रात उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार दुंबी गांव स्थित पंचबहनी नदी घाट पर किया गया। इस शोक सभा में सिमरिया विधायक उज्जवल कुमार दास, प्रखंड विकास पदाधिकारी कलिंद्र साहू, अंचलाधिकारी उदल राम, थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी समेत कई पंचायत प्रतिनिधि, राजनीतिक दलों के लोग, समाजसेवी और स्थानीय व्यवसायी शामिल हुए। इसके अलावा, लक्ष्मी नारायण तिवारी के छोटे भाई वासुदेव तिवारी जो पत्थलगड़ा के पूर्व मुखिया थे, भी

शोक सभा में उपस्थित रहे। उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा गया कि वे पत्थलगड़ा के एक धरोहर थे। क्षेत्र के विकास के लिए उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके आकस्मिक निधन से क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है।

अभ्यर्थियों के शारीरिक माप, शारीरिक जांच और दौड़ के सफल आयोजन को लेकर बैठक आयोजित

संवाददाता

गिरिडीह। जिले में चौकीदार संवर्ग के पद पर सीधी भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारियों को लेकर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शारीरिक माप, शारीरिक जांच और दौड़ का आयोजन 5 से 7 दिसंबर के बीच गिरिडीह स्टेडियम में होगा, और इसे पारदर्शी तथा निष्पक्ष तरीके से आयोजित किया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि अभ्यर्थियों और ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों के

अलावा किसी अन्य व्यक्ति का आयोजन स्थल पर प्रवेश न हो। अभ्यर्थियों को अपने साथ एडमिट कार्ड के साथ एक पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा।

इसके अलावा, वीडियोग्राफी द्वारा इस प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने की योजना बनाई गई है। शारीरिक दक्षता परीक्षा की सफलता के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

टंडवा में निमार्णाधीन प्रशिक्षण भवन में भारी अनियमितता

संवाददाता

टंडवा। प्रखंड कार्यालय परिसर में पांच करोड़ की लागत से बनाए जा रहे प्रशिक्षण भवन में इन दिनों भारी अनियमितताएं सामने आ रही हैं। विशेष प्रमंडल द्वारा यह कार्य कराया जा रहा है, लेकिन संवेदक द्वारा इस कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। बताया गया है कि भवन निर्माण के दौरान अवैध बालू का भंडारण भी किया गया है, जो कि एक गंभीर उल्लंघन है। यह भंडारण टंडवा नदी से किया जा रहा था, जबकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अवैध खनन और बालू भंडारण के

खिलाफ अधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया था। इसके बावजूद ठेकेदार द्वारा खुलेआम इस गतिविधि को अंजाम दिया गया है। भवन निर्माण में गुणवत्ता की भी अनदेखी की जा रही है, क्योंकि बिना किसी निगरानी के लोकल ईंटों और घटिया सीमेंट का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन कमियों और अनियमितताओं के कारण यह मामला जांच का विषय बन गया है। समाजसेवी रामदेव पासवान ने इस मामले में विभागीय जांच की मांग की है। वहीं, नाम न छापने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि यदि इस मामले में लिखित शिकायत मिलती है तो जांच करके कार्रवाई की जाएगी।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 05 दिसंबर 2024

धनबाद

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

भुईंफोड़ मोड़ से बिनोद बिहारी चौक तक फोरलेन सड़क का निर्माण होगा

धनबाद। पथ निर्माण विभाग द्वारा भुईंफोड़ मोड़ से बिनोद बिहारी चौक बलियापुर तक 45 मीटर चौड़ी फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और साथ ही विकास कार्यों को भी गति मिलेगी। विभाग ने इस सड़क के निर्माण के लिए डीपीआर तैयार करना शुरू कर दिया है। सोमवार को पथ निर्माण विभाग ने सड़क पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर एक आम सूचना जारी की है। पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद ने बताया कि सड़क के चौड़ीकरण के कार्य में कोई रुकावट न आए, इसके लिए विभाग ने सभी अतिक्रमणकताओं से अपील की है कि वे अपने अतिक्रमण को स्वयं हटा लें। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति सूचना के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाता है, तो उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस परियोजना के तहत भुईंफोड़ मोड़ से बिनोद बिहारी चौक बलियापुर तक सड़क का चौड़ीकरण कार्य किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय यातायात को बेहतर बनाने के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक विकास में भी मदद मिलेगी। पथ निर्माण विभाग ने इस विकास कार्य को समय पर पूरा करने की योजना बनाई है ताकि स्थानीय जनता को ज्यादा से ज्यादा लाभ हो सके और यातायात में होने वाली परेशानियों का समाधान हो सके।

चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने को लेकर बैठक

कुमारधुबी। चिरकुंडा नगर परिषद कार्यालय में राजस्व बढ़ाने को लेकर रितिका प्रिंटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा और सिटी मैनेजर मुकेश निरंजन मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि नगर परिषद क्षेत्र में अब तक 62 लाख रुपये होल्डिंग टैक्स और 32 लाख रुपये चिरकुंडा शहरी जलापूर्ति योजना के बकाएदारों पर बकाया है। इसके अलावा, यह भी कहा गया कि जिन व्यापारियों ने अपने ट्रेड लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया है, वे शीघ्र इसे नवीनीकरण करवा लें। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि अब तक 60 होल्डिंग टैक्स बकाएदारों के खिलाफ नोटिस भेजा जा चुका है और अन्य बकाएदारों को नोटिस भेजने की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा कि जिन होल्डिंग बकाएदारों पर 50 हजार रुपये से अधिक का बकाया है, उन्हें शीघ्र बकाया राशि जमा करने का निर्देश दिया गया। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उनके बैंक खाता को फ्रिज कर दिया जाएगा।।बैठक में सिटी मैनेजर नजरूल इस्लाम, सीएमएम अरूण बड़ाईक, सबाना अंजुम और रितिका प्रिंटेक के प्रिंस कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

रेल यूनियन मान्यता के लिए पहले दिन का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न

धनबाद। रेल यूनियन की मान्यता के लिए हो रहे बहुप्रतीक्षित चुनाव का पहला दिन पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस चुनाव में ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन और ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन की उपलब्धियों को देखते हुए बड़ी संख्या में रेल कर्मचारियों का झुकाव झंडा छाप की ओर देखा गया। इन यूनियनों ने अपने कार्यकाल में कर्मचारियों के हितों में किए गए कार्यों के बल पर विशेष समर्थन प्राप्त किया है। धनबाद में इस चुनाव के लिए पांच प्रमुख मतदान केंद्र बनाए गए थे। ये केंद्र रेलवे ऑडिटोरियम, सेफ्टी कैंप, टीआरडी ट्रेनिंग डिपो, कैरिज एंड वैगन डिपो, और डीआरएम कार्यालय में स्थापित किए गए थे। मतदान प्रक्रिया सुबह 8:00 बजे से प्रारंभ हुई और शाम 5:00 बजे तक चली। इन केंद्रों पर बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी वोट डालने पहुंचे। चुनावी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थित प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की थी। चुनाव के लिए तीन दिनों का कार्यक्रम तय किया गया है, जिसमें 4, 5 और 6 दिसंबर को मतदान किया जाएगा। यह चुनाव रेल कर्मचारियों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इससे यह तय होगा कि आगामी वर्षों में उनकी समस्याओं और मांगों को कौन-सी यूनियन प्रभावी ढंग से प्रतिनिधित्व करेगी।रेल कर्मचारियों में इस चुनाव को लेकर काफी उत्साह देखा गया। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही कर्मचारियों की कतारें लगी रहीं। प्रशासन की ओर से चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए विशेष कदम उठाए गए हैं। अगले दो दिनों के मतदान के बाद परिणाम घोषित होने की संभावना है।

बलियापुर थाना परिसर होगा अतिक्रमणमुक्त, जल्द शुरू होगा सीमांकन कार्य

बलियापुर। बलियापुर थाना परिसर में अतिक्रमण की समस्या को लेकर सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। थाना प्रभारी ने मौखिक रूप से जानकारी दी कि परिसर में निर्माण कार्य के दौरान कुछ व्यक्तियों द्वारा व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए अंचल अधिकारी ने अपने राजस्व उपनिरीक्षक, चौकीदार और अंचल अमीन के साथ बलियापुर थाना परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि परिसर में अतिक्रमण हो रहा है। अंचल अधिकारी ने तुरंत अंचल अमीन को निर्देश दिया कि परिसर का सीमांकन कार्य अविलंब प्रारंभ किया जाय। अंचल अधिकारी ने यह भी बताया कि सीमांकन कार्य पूर्ण होते ही अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की जाएगी, जिससे थाना परिसर में चारदीवारी का निर्माण संभव हो सके।

सांसद ने लोकसभा में उठाए रोजगार व विकास के मुद्दे

राज्य में लगभग 70,000 करोड़ रुपये की विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जो रोजगार और आर्थिक विकास में योगदान देंगी

संवाददाता

धनबाद। भारतीय जनता पार्टी के धनबाद सांसद ढुलू महतो ने लोकसभा में झारखंड के धनबाद क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाकर क्षेत्र के विकास और रोजगार सृजन की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने श्रम और रोजगार मंत्रालय, इस्पात मंत्रालय तथा पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय से जुड़े विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे और क्षेत्र में चल रही योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन की जानकारी ली। श्रम और रोजगार मंत्रालय से बातचीत में सांसद ने झारखंड में राष्ट्रीय करियर सेवा योजना के तहत स्थापित मॉडल करियर सेंटर्स की भूमिका पर चर्चा की। मंत्रालय के अनुसार, झारखंड में अब तक 20 मॉडल करियर सेंटर्स स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों ने वर्ष 2019 से 2024 के बीच 319.66 लाख की राशि से संचालित होकर हजारों युवाओं को रोजगार मेलों, करियर मार्गदर्शन और काउंसलिंग जैसी सेवाएं प्रदान की हैं। इस्पात मंत्रालय से सांसद ने धनबाद में इस्पात उत्पादन क्षमता बढ़ाने और इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी। मंत्रालय ने बताया कि झारखंड में 'मेक इन इंडिया' और 'विशेष इस्पात' योजनाओं के तहत इस्पात उद्योग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन प्रयासों के तहत राज्य में लगभग 70,000 करोड़ रुपये की विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जो रोजगार और आर्थिक विकास में योगदान देंगी। सांसद ने पशुपालन और डेयरी मंत्रालय से झारखंड में डेयरी विकास और आधुनिक पशुपालन से संबंधित योजनाओं पर भी चर्चा की। मंत्रालय ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय गोकुल मिशन और राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत किसानों को कृत्रिम गभार्धान, उन्नत नस्लों के प्रजनन, संतुलित पोषण और डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना में सहायता प्रदान की जा रही है। इन योजनाओं से दूध उत्पादन में वृद्धि और पशुपालकों की आय में सुधार का लक्ष्य है। रेल मंत्रालय के साथ बातचीत में सांसद महतो ने धनबाद के बरवाडीह डिपो में माल ढुलाई की सुविधाओं को उन्नत करने पर जोर दिया। इस परियोजना को 29.48 करोड़ की लागत से स्वीकृत किया गया है, जिसमें शेड का विस्तार, ओवरहॉलिंग खंड का निर्माण, बिजली सुविधाओं में सुधार और आधुनिक मशीनों की व्यवस्था शामिल है। यह परियोजना माल ढुलाई की दक्षता को बढ़ाएगी और रेलवे के विकास में अहम भूमिका निभाएगी। संसद सत्र के दौरान सांसद महतो ने धनबाद और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाले बराकर नदी पर निमार्णाधीन पुल के कार्य में तेजी लाने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी और आवागमन सुगम होगा।।सांसद ढुलू महतो ने कहा कि धनबाद और झारखंड के विकास के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता के उत्थान और क्षेत्र के विकास के लिए सदैव तत्पर रहना मेरा कर्तव्य है। संसद में इन मुद्दों को उठाना आवश्यक था ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंच सके।

सांसद ने डीवीसी के विस्थापितों की समस्याओं के समाधान के लिए विद्युत मंत्रालय के सचिव से की अपील

संवाददाता

धनबाद। धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद ढुल्लू महतो ने भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल को पत्र लिखकर दामोदर घाटी निगम के विस्थापितों और स्थानीय ग्रामीणों की गंभीर समस्याओं के समाधान की मांग की है। महतो ने पत्र में आरोप लगाया है कि डीवीसी ने विस्थापितों के लिए किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। उन्होंने बताया कि डीवीसी की स्थापना के बाद से 60-70% विस्थापित अब तक नियोजन का लाभ नहीं पा सके हैं। उनके अनुसार, पश्चिम बंगाल के विस्थापितों को रोजगार का लाभ दिया गया, जबकि झारखंड के विस्थापितों को उपेक्षित रखा गया। इसके परिणामस्वरूप कई विस्थापितों ने नौकरी की उम्मीद में अपनी जान गंवाई, और उनके परिवार आज भी दिहाड़ी मजदूरी करने को विवश हैं। सांसद ने यह भी कहा कि डीवीसी प्रबंधन ने स्थानीय क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं जैसे पानी, बिजली, और सड़कों की समस्याओं का समाधान नहीं किया है। मैथन, पंचेत और धनबाद-जामताड़ा सीमा क्षेत्र में इन सुविधाओं का अभाव अब भी बना हुआ है। श्री महतो ने ग्रामीण स्वरोजगार को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डीवीसी प्रबंधन द्वारा पहले छोटे-छोटे टेंडर दिए जाते थे, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता था। लेकिन अब ग्लोबल टेंडरिंग प्रक्रिया अपनाने के कारण स्थानीय लोग इन अवसरों से वंचित हो गए हैं, जिससे हजारों लोग बेरोजगार हो गए हैं। इसके अतिरिक्त, कैजुअल और कॉन्ट्रैक्ट मजदूरों को उनके श्रेणी के अनुसार वेतन नहीं दिया जा रहा है। उन्हें पीएफ और ईएसआई जैसी बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित रखा गया है। सांसद ने विस्थापन से जुड़े एक और महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाते हुए कहा कि जिन गांवों से विस्थापन हुआ था, वहां न तो जमीन हस्तांतरित की गई है और न ही उनके बच्चों को शिक्षा, आवासीय या जाति प्रमाण पत्र बनवाने में सहायता दी गई है। उन्होंने निरसा विधानसभा क्षेत्र के लुआडीह गांव का उदाहरण देते हुए स्थिति को अत्यंत गंभीर बताया। विस्थापित परिवारों के पुनर्वास एवं उनके अधिकारों की रक्षा हेतु ठोस कदम उठाने का अनुरोध किया। इस पत्र से यह स्पष्ट है कि सांसद ढुल्लू महतो विस्थापितों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनकी समस्याओं के समाधान हेतु सरकार पर दबाव बना रहे हैं।

धनबाद में पहली बार स्पाइन सर्जरी कर निकाला गया ट्यूमर, डॉक्टरों में खुशी का माहौल

संवाददाता

धनबाद। धनबाद के एसएनएमएमसीएच में पहली बार एक महिला की स्पाइन सर्जरी कर ट्यूमर निकाला गया। इसके लिए मरीज को पेट के बल लेटा कर एनेस्थीसिया दिया गया, जिसके बाद सर्जरी की गई। इस बारे में अस्पताल के डॉक्टरों ने बीते दिन प्राचार्य कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी दी। प्राचार्य डॉ० केके लाल ने कहा कि यह सर्जरी अस्पताल और डॉक्टरों के लिए बड़ी सफलता है और यह सभी विभागों के सहयोग से संभव हो पाई है। उन्होंने बताया कि 14 नवंबर से सुपर स्पेशलिटी के दो विभाग, नई सर्जरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी का ओपीडी शुरू हुआ है। यहां पर सफल स्पाइन सर्जरी करना हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उम्मीद है कि नए साल में अस्पताल में यह सेवा पूरी तरह से शुरू हो जाएगी। आथोर्पेडिक्स डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ० डीपी भूषण ने कहा कि ट्यूमर के कारण महिला के दोनों पैर काम नहीं कर रहे थे। जांच में इसका पता चलने के बाद सर्जरी का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि जहां प्राइवेट अस्पतालों में इस सर्जरी पर तीन से पांच लाख रुपये खर्च होते हैं, वहीं यहां आयुष्मान योजना के माध्यम से यह सर्जरी केवल 68 हजार रुपये के पैकेज में की गई। सर्जरी के बाद महिला की स्थिति में काफी सुधार हो रहा है। उसका एक पैर धीरे-धीरे काम करने लगा है और आने वाले तीन से छह महीनों में दोनों पैर पूरी तरह से काम करने लगेंगे। मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. यूके ओझा ने बताया कि मरीज पहले मेडिसिन विभाग में पैर की कमजोरी की शिकायत लेकर आई थी और पिछले चार महीने से चलने में समस्या हो रही थी। इसके बाद, काफी मशक्कत के बाद परिजनों को सर्जरी के लिए राजी किया गया। प्रेस कांफ्रेंस में सर्जरी के एचओडी डॉ० डीपी गिंडोरिया, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ० एसके वर्मा, आथोर्पेडिक्स विशेषज्ञ डॉ० वीपी सिन्हा, चार्म रोग विशेषज्ञ डॉ० एसके मंडल, डॉ० एसके वर्मा, डॉ० सुमन और डॉ० विनीत तिग्गा समेत कई अन्य डॉक्टर भी मौजूद रहे।

धनबाद स्टेशन पर चलाया गया मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान

संवाददाता

धनबाद। धनबाद मंडल में बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में धनबाद स्टेशन पर मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में टिकट चेकिंग अभियान आयोजित किया गया। इसके अलावा मंडल के विभिन्न खंडों में विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान गोमो, चंद्रपुरा, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना और सिंगरौली स्टेशनों पर भी गहन टिकट चेकिंग की गई।।इस चेकिंग अभियान के दौरान कुल 1479 यात्रियों को पकड़ा गया, जिनमें बिना टिकट यात्रा करने वाले, बिना उचित प्राधिकरण के यात्रा करने वाले और बिना बुक किए गए सामान के साथ यात्रा करने वाले यात्री शामिल थे। इस दौरान 6,91,685 रुपये जुमार्ने के रूप में वसूल किए गए और यात्रियों को कड़ी हिदायत दी गई।

चेकिंग अभियान में 170 टिकट चेकिंग कर्मियों को तैनात किया गया था। इन टीमों ने विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के अलावा स्टेशनों पर भी चेकिंग की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अंकुश लगाना है, ताकि वे टिकट लेकर यात्रा करें और उचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

दो दिनों में अतिक्रमण हटाने का निर्देश

संवाददाता

बलियापुर। पूर्व निर्धारित तिथि और समय के अनुसार बलियापुर अंचल की पूरी टीम ने अंचल अधिकारी के नेतृत्व में चौक की मापी की। इस टीम में अंचल निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक, अंचल अमीन, और चौकीदार शामिल थे। मापी के दौरान अतिक्रमण चिन्हित कर उसे लाल निशान से चिह्नित किया गया।

अतिक्रमण की समस्या और निर्देश

अंचल अधिकारी ने बताया कि नाली के ऊपर बने पाथवे पर दुकानदारों द्वारा सामान रखकर अतिक्रमण किया गया है, जिससे राहगीरों को आने-जाने में काफी परेशानी होती है। उन्होंने सभी अतिक्रमणकारियों को 48 घंटे के भीतर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया है। समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर अंचल प्रशासन बलपूर्वक कार्रवाई करेगा। इस स्थिति में अतिक्रमण हटाने पर आने वाले खर्च की वसूली सर्टिफिकेट केस दायर कर संबंधित अतिक्रमणकारियों से की जाएगी।

यातायात और जनसुविधा में सुधार

अंचल अधिकारी ने बताया कि सड़क किनारे खड़े वाहनों और अतिक्रमण के कारण जाम की समस्या बढ़ जाती है। अतिक्रमण हटने से यातायात सुगम होगा और एंबुलेंस या अन्य आवश्यक सेवाओं को कोई बाधा नहीं होगी।

कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

उन्होंने चेतावनी दी कि आदेश का उल्लंघन करने पर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सहयोग की अपील

अंचल अधिकारी ने सभी व्यवसायियों से अपील की है कि वे अतिक्रमण हटाने में सहयोग करें। उन्होंने अनुरोध किया कि स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लें ताकि बल प्रयोग की आवश्यकता न पड़े। अंचल प्रशासन की इस सख्ती का उद्देश्य जनसुविधा और यातायात को सुगम बनाना है।

बीआईटी में मानव रहित हवाई प्रणाली पर ज्ञानवर्धक बूटकैंप संपन्न

संवाददाता

सिंदरी। बीआईटी सिंदरी के इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग में 3 दिसंबर 2024 से पांच दिवसीय बूटकैंप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानव रहित हवाई प्रणाली, सेंसर और संचार प्रौद्योगिकियों में प्रगति पर चर्चा करना था। बूटकैंप का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और संस्थान के निदेशक डॉ. पंकज राय के उद्घाटन भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने हवाई प्रौद्योगिकियों के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। प्रमुख वक्ताओं में आईआईटी आईएसएम धनबाद के प्रो. रवि कुमार गंगवार और प्रो. जयसिंह टी शामिल थे, जिन्होंने प्रतिभागियों को अपने व्याख्यानों और मार्गदर्शन से लाभान्वित किया। इस कार्यक्रम में छात्रों और पेशेवरों के लिए विशेषज्ञ वार्ता, इंटरैक्टिव सत्र और व्यावहारिक कक्षाओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को किट वितरित की गईं और उन्हें सत्रों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में ईसीई विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसरों के साथ-साथ डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. इम्तेयाज अहमद और डॉ. ए.पी. सिन्हा की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समन्वय प्रो० गुंजन गांधी और प्रो० प्रशांत कुमार सिंह ने किया, जबकि छात्र समन्वयक रोहित कुमार, आकाश कुमार, श्रेया पॉल और अमीषा कुमारी सोरेन ने इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उद्घाटन सत्र का संचालन श्रेया पॉल ने कुशलतापूर्वक किया।

बैठक मारवाड़ी समाज में आक्रोश: कुमारधुबी-चिरकुंडा में मामूली विवाद में दो घायल

दो की हालत गंभीर, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

संवाददाता

कुमारधुबी। चिरकुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत 29 नवंबर की रात एक मामूली विवाद के बाद दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई, जिससे एक पक्ष के दो लोग घायल हो गए और दो की हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना से मारवाड़ी समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है, और समाज के लोगों ने इस पर तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंगलवार की शाम चिरकुंडा स्थित अग्रसेन भवन में मारवाड़ी समाज की एक आपात बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्ण अग्रवाल, पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, और अन्य प्रमुख समाजसेवी उपस्थित थे। बैठक में समाज के नेताओं ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए प्रशासन से अपराधियों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि समाज को सुरक्षित रखने के लिए यह जरूरी है कि चारों आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए और इस तरह के असामाजिक तत्वों पर कड़ी लगाम लगाई जाय। बैठक के दौरान कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि हमारे समाज के लोग एकजुट हैं और हम प्रशासन से यह आग्रह करते हैं कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए, ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लग सके।₹ पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने भी इस पर अपनी चिंता जताते हुए कहा, ₹हमारे समाज के लोग अब खामोश नहीं रहेंगे, और हम सभी मिलकर इस मामले में प्रशासन से न्याय की उम्मीद करते हैं। बैठक में चैंबर ऑफ कॉमर्स के लोकेश अग्रवाल, संजय गोयल, राजेश रिटोला, राकेश हिलवाल, अनिल खेमका, सुरेश पोद्दार, बजरंग अग्रवाल, कृष्णा लाल रुंगटा, नीलय गाडयाण, निरंजन अग्रवाल, बजरंग जलान, प्रदीप खरकिया, श्याम गाडयाण, प्रणव गाडयाण सहित मारवाड़ी समाज के अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे। सभी ने एकजुट होकर समाज की सुरक्षा और अपराधियों के खिलाफ प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की।

वन भूमि पर बने घर को तोड़ा गया

संवाददाता

धनबाद। गिरिडीह के बिरनी प्रखंड के बाराडीह पंचायत अंतर्गत पिपराडीह निवासी कलीम अंसारी और तुलसी तुरी द्वारा वनभूमि पर बनाए जा रहे घर को वन विभाग की टीम ने जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई वन विभाग के रेंजर एस. के. रवि के नेतृत्व में की गई। प्रभारी वनपाल सागर विश्वकर्मा ने बताया कि पिपराडीह वन भूमि पर गांव के इन दोनों व्यक्तियों द्वारा घर बनाने की गुप्त सूचना मिली थी। जब उन्हें घर बनाने से रोका गया, तो इसके बावजूद उन्होंने काम जारी रखा। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर घर को ध्वस्त कर दिया गया। पीड़ित गृहस्वामी ने आरोप लगाया कि वन विभाग ने बिना नोटिस दिए उनका घर जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में वन विभाग के अनु सोरेन, सुमित कुमार सिंह, श्रुति कुमारी आदि कर्मचारी शामिल थे।

सुभाषितम्

शत्रु का लोहा भले ही गर्म हो जाए, पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम, दे सकता है। - सरदार पटेल

वाहनों की पार्किंग की बड़ी समस्या से जूझते शहर

भारत में वाहन पार्किंग की समस्या महत्त्वपूर्ण शहरी चुनौती है, जो न केवल यातायात के प्रवाह को प्रभावित करती है, बल्कि शहरी जीवन के मूल ढांचे को भी प्रभावित करती है। यह समस्या तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बढ़ते वाहन स्वामित्व और पुराने शहरी नियोजन के घालमेल से पैदा होती है, जो महानगरीय क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन के लिए जटिल दुविधा पैदा करती है। शहरों के विस्तार और वाहनों के स्वामित्व के अधिक सुलभ होने के साथ भारतीय शहरी केन्द्रों को वाहनों की बढ़ती संख्या को समायोजित करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। पर्याप्त पार्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और आज के समय में वाहनों की संख्या के हिसाब से शहरों को डिजाइन न किए जाने के कारण बड़े पैमाने पर अवैध पार्किंग होती है। इससे न केवल सड़कें जाम होती हैं बल्कि पैदल चलने वालों के लिए बनी जगह भी कम पड़ जाती है। कई भारतीय शहरों की स्थापना प्राचीन या औपनिवेशिक काल में हुई थी और उनकी योजना आधुनिक यातायात की मांग को ध्यान में रखकर नहीं बनाई गई थी। संकरी गलियां और मिश्रित भूमि उपयोग के कारण पार्क किए गए और चलते वाहनों के भार से दबाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त, पार्किंग नियमों का ढीला-ढाला क्रियान्वयन तथा गैर-अनुपालन के प्रति सांस्कृतिक प्रवृत्ति स्थिति को और बिगाड़ देती है, जिससे शहरी स्थान अव्यवस्थित हो जाते हैं।

पार्किंग की समस्या का सीधा कई क्षेत्रों पर पड़ता है। बेशुमार गाड़ियों के जाम से यात्रा का समय बढ़ जाता है, प्रदूषण स्तर बढ़ता है तथा शहरी जीवन की गुणवत्ता में गिरावट आती है। पैदल चलने वालों को विशेष रूप से परेशानी होती है क्योंकि पार्क किए गए वाहन अक्सर पैदल चलने के रास्तों पर अतिक्रमण कर लेते हैं। उन्हें मजबूरन सड़कों पर आना पड़ता है और उनकी सुरक्षा से समझौता होता है। आर्थिक दृष्टि से पार्किंग की कमी स्थानीय व्यवसायों को भी प्रभावित करती है क्योंकि भीड़भाड़ वाली सड़कें ग्राहकों को आकर्षित नहीं करती। पार्किंग स्थल की उच्च मांग से अचल संपत्ति की लागत भी बढ़ जाती है, जिससे हरित स्थलों की क ीमत पर पार्किंग अवसंरचना के विकास को बढ़ावा मिलने से शहरी विस्तार और पर्यावरण क्षरण को बढ़ावा मिलता है। भारत में मोटर वाहनों से सम्बंधित मामले केंद्र और राज्य दोनों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। हालांकि भारत के शहरों के लिए वाहनों की बढ़ती भीड़ एक बड़ी समस्या है लेकिन ऑटोमोबाइल उद्योग पर प्रतिबंध लगने की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि इसकी आर्थिक और रोजगार देने की क्षमता काफी ठीक है जो भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है। सभी पांच शहरों की पार्किंग नीतियाँ कुछ महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर सहमत होती दिखती हैं। वे इस बात पर एकमत हैं कि पार्किंग मुफ़्त नहीं हो सकती और जहाँ भी सार्वजनिक स्थान का उपयोग किया जाता है, वहां शुल्क लिया जाना चाहिए क्योंकि 'मुफ़्त पार्किंग' की अवधारणा टिकाऊ नहीं है। पार्किंग समस्या के समाधान के लिए व्यापक रणनीति की आवश्यकता है जिसमें पर्याप्त पार्किंग अवसंरचना का विकास, स्मार्ट पार्किंग प्रौद्योगिकियों को अपनाना और पार्किंग विनियमों का प्रवर्तन शामिल हो। उदाहरण के लिए, पार्किंग क्षेत्रों को परिभाषित करना और वाहन पहचान सेंसर और स्वचालित लाइसेंस प्लेट पहचान जैसी तकनीक का उपयोग करके पार्किंग प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया जा सकता है। इसके अलावा, भूमि मूल्य और भीड़भाड़ के आधार पर पार्किंग शुल्क को समायोजित करके भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अनावश्यक वाहन उपयोग को हतोत्साहित किया जा सकता है।

बुनियादी ढांचे के समाधान के अलावा, सार्वजनिक परिवहन और टिकाऊ शहरी गतिशीलता प्रथाओं को बढ़ावा देने से पार्किंग दबाव कम हो सकता है। सार्वजनिक परिवहन, साइकिल और पैदल चलने के उपयोग को प्रोत्साहित करने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है, जिससे पार्किंग स्थलों की मांग कम हो सकती है। यह जरूरी नहीं है कि अच्छा सार्वजनिक परिवहन यातायात की भीड़ को काफी कम कर दे। भीड़भाड़ की स्थिति में सुधार करने के लिए, शहरों को निजी कारों के स्वामित्व और उपयोग के कार्यात्मक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक मूल्यों को लक्षित करने वाली गतिविधियों के साथ ही अपनी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को बेहतर बनाने के प्रयासों को मिलाकर काम करना होगा। भारत में वाहन पार्किंग की समस्या जटिल मुद्दा है जिसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इसमें शहरी नियोजन, नीति सुधार, तकनीकी नवाचार और सांस्कृतिक परिवर्तन शामिल हैं। इस चुनौती से सीधे निबटकर भारत अपनी शहरी गतिशीलता को बढ़ा सकता है, अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है और टिकाऊ शहरी विकास के लिए एक मिसाल कायम कर सकता है। आगे का रास्ता सरकार, निजी क्षेत्र और जनता के बीच बेहतर शहरी स्थानों की पुनर्कल्पना और पुनर्निर्माण के लिए सहयोगात्मक प्रयासों में निहित है।

विश्व में सबसे अनुठा व अनोखा है हमारा संविधान

विनोद तकियावाला

वश्व में ऐसा विधान जो अपने नागरिकों का बिना किसी धर्म, जाति, लिंक ऊंच-नीच, अमीर - गरीब के आधार पर किसी भेद भाव करता है कल्याण वह है भारत का संविधान वैश्विक राजनीतिक पटल पर भारत ने फिर से सभी ध्यान खासकर राजनीतिक चिन्तकों को आकर्षित किया है। जिसकी चर्चा व चिन्तन इन दिनों चारों दिशाओं में हो रही है। जैसा कि सर्वविदित है कि विगत दिनों मंगलवार 26 नवंबर 2024 को भारत ने अपना 75वां संविधान दिवस मनाया है। परिणाम स्वरूप संविधान के प्रति जागरूकता व जिज्ञासा आम आदमी से खास तक बढ़ी है। हालांकि हम अपने जीवन की तमाम व्यवस्तताओं के कारण हम भारत के महान संविधान को हर रोज याद नहीं रख पाते हैं, लेकिन संविधान दिवस हमें संविधान की याद दिलाता है तथा संविधान की मूल भावना की कदर करना भी सिखता है। अपने संविधान के इतिहास, विशेषताओं तथा संविधान के निमार्ताओं के विषय में जानना चाहिए है। आज इसी को ध्यान में रखते हुए अपने इस आलेख में आपको बता रहे हैं कि भारत के संविधान की आत्मा यानि कि उसका मूल स्वरूप कैसे तैयार हुआ? साथ ही आम बोलचाल की भाषा में संविधान का पूरा इतिहास और महत्व के बारे में संक्षेप में बताने की प्रयास किया हैं। आजकल संविधान को लेकर जगह-जगह चर्चा व चिन्तन का दौर सा चल गया है।

चाहे वह सता पक्ष हो या विपक्ष हो। विगत लोक सभा के चुनाव में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भारतीय संविधान को जनता के बीच गए थें। उनकी गठबन्धन के द्वारा संविधान खतरे की बात कही जा रही थी, जिसका लाभ उन्हे लोक सभा चुनाव में भी कुछ तक मिला। ऐसे में सता पक्ष कहाँ पीछे रहने वाले थें। संविधान के निर्माण के लिए डा. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में गठित की गई थी, जिसे संविधान मसौदा समिति का नाम दिया गया। इस समिति में कुल सात सदस्य थे। संविधान मसौदा समिति के सात सदस्य इस प्रकार थे- डॉ. भीमराव अंबेडकर (अध्यक्ष) अल्लादि कृष्णा स्वामी अय्यर, के.एम. मुंशी, एन. गोपालस्वामी आयंगर, मौहम्मद साहुल्ला, देबी प्रसाद खेतान तथा एन माधव राव समिति के सदस्य थे। जिन्होंने भारतीय संविधान के अंदर आत्मा विकसित की थी। यहां संविधान मसौदा समिति के सदस्यों का संक्षिप्त परिचय भी अवश्य जान लेते हैं। भारतीय संविधान की मसौदा समिति के सदस्यों का परिचय इस प्रकार है। डॉ. बी.आर. अंबेडकर (सभापति)मुख्य रचनाकार डॉ. अंबेडकर विद्वान,समाज सुधारक और स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री थे।सामाजिक न्याय के कट्टर समर्थक के तौर पर उन्होंने सुनिश्चित किया कि संविधान में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को बरकरार रखा जाए और दबे-कुचले समुदायों के अधिकारों की रक्षा हो सके।

अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर प्रख्यात न्यायविद और अधिवक्ता, कानूनी-सांविधानिक ढांचे को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई उन्होंने संघवाद को एकात्मक ढांचे के साथ संतुलित करने और न्यायिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। के.एम. मुंशी-लेखक, वकील और राजनेता, मसौदे में एक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य रखा। राज्यनीति के निर्देशक सिद्धांतों और भाषाई व सांस्कृतिक अधिकारों से संबंधित प्रावधानों को शामिल करने का समर्थन किया, एन.गोपालस्वामीअयंगर-जम्मू-कश्मीर के पूर्व प्रधानमंत्री,प्रशासनिक पहलुओं को आकार देने वाले प्रमुख व्यक्ति थे। जम्मू-कश्मीर के लिए संसदीय ढांचे और विशेष प्रावधानों को तैयार करने में उनकी अंतर्दृष्टि महत्वपूर्ण रही। जम्मू-कश्मीर के लिए अनुच्छेद 370 का मसौदा अयंगर ने तैयार किया। मोहम्मद सादुल्ला असम के रहने वाले बकील और राजनेता, अल्पसंख्यक अधिकारों और संघवाद पर चर्चा में योगदान दिया।

पूर्वोत्तर क्षेत्र को अहमियत के साथ शासन ढांचे में समावेश सुनिश्चित किया। देवी प्रसाद खेतान बंगाल के प्रतिष्ठित वकील और विधायक, शुरूआती चरणों में अंहम योगदान दिया। 1948 में असामयिक निधन ने एक शून्य उत्पन्न कर दिया, लेकिन उनके काम ने कई प्रगतिशील प्रावधानों की नींव रखी। एन.माधव राव बतौर प्रशासक अपनी विशेषज्ञता का लाभ पहुंचाया। प्रशासनिक सुधारों और संस्थागत ढांचे से संबंधित प्रावधानों को आकार देने में भूमिका निभाई। इसके लिए संविधान सभा का गठन दिसंबर 1946 में कैबिनेट मिशन योजना के तहत हुआ। जिसमें 389 सदस्य शामिल थे, जो विभाजन के बाद घटकर 299 हो गए। संविधान सभा की पहली बैठक डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता 9 दिसंबर 1946 को हुई तथा डॉ.भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में ड्राफ्टिंग कमिटी ने संविधान का मसौदा तैयार किया। संविधान के निर्माण में 2 साल 11 महीने और 18 दिनों तक 11 सत्रों में विचार-विमर्श किया गया। अंततः 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपनाया गया,जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। भारतीय संविधान दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है। प्रारंभ में इसमें 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं(जो बाद में संशोधित हुईं)। यह संविधान कठोरता और लचीलापन का अनोखा मिश्रण है,जो विभिन्न वैश्विक संविधानों से प्रेरणा लेकर तैयार किया गया है। भारतीय संविधान की तारीफ में दुनिया भर में बहुत कुछ कहा गया है। भारतीय संविधान को लेकर विशिष्ठ विद्वान जनों द्वारा कहे गए शब्दों का सहारा ले रहा हूं-जो निम्न प्रकार है-जनता की इच्छा ही किसी भी सरकार का एकमात्र वैध आधार है, और उसकी स्वतंत्र अभिव्यक्ति की रक्षा करना हमारा पहला उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. राजेंद्र प्रसाद। संविधान की भावना प्रत्येक संविधान महज वकीलों का दस्तावेज नहीं है यह जीवन का माध्यम है,और इसकी आत्मा हमेशा युग की आत्मा है। हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं। डॉ. बी.आर.अंबेडकर नागरिक को दर्जा और अवसर की समानता प्रदान करना है।

सरदार वल्लभभाई पटेल। स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को त्रिमूर्ति में अलग-अलग वस्तुओं के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। वे इस अर्थ में त्रिमूर्ति का एक संघ बनाते हैं कि एक को दूसरे से अलग करना लोकतंत्र के मूल उद्देश्य को पराजित करना है। डॉ. बीआर अंबेडकर। संविधान केवल काले और सफेद रंग का दस्तावेज नहीं है। यह एक जीवंत दस्तावेज है जो राष्ट्र के साथ विकसित होता है। न्यायमूर्ति पीएन भगवती। लोकतंत्र केवल सरकार का एक रूप नहीं है। किसी राष्ट्र की महानता उसके संविधान के प्रति निष्ठा और कानून के शासन के प्रति उसके पालन में निहित है। प्रणब मुखर्जी। संविधान की पवित्रता अधिकारों औरजिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने की इसकी क्षमता में निहित है। अज्ञात भारत का संविधान भारतीय गणराज्य का सर्वोच्च कानून है। देश की राजनीतिक व्यवस्था के लिए रूपरेखा तैयार करता है, सरकार की संस्थाओं की शक्तियों एवं उत्तरदायित्वों को परिभाषित करता है। संविधान के द्वारा मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ शासन के सिद्धांतों को भी रेखांकित किया जाता है। हमारा संविधान विश्व के सबसे लंबे एवं विस्तृत लिखित संविधानों में से एक हैभारतीय संविधान विभिन्न भागों में विभाजित है, प्रत्येक भाग देश के कानूनी, प्रशासनिक या सरकारी ढांचे के विशिष्ट पहलू से संबंधित है। आप को बता दे कि मूल में हमारा संविधान में 22 भाग थे जो वर्तमान में,भारतीय संविधान में 25 भाग हैं। जिसमे में 395 अनुच्छेद थे जो वर्तमान में 448 अनुच्छेद हैं। जो संवैधानिक प्रावधानों से संबंधित कुछ अतिरिक्त जानकारी या दिशानिदेर्शों का विवरण प्रदान करती है। मूल रूप से भारत के संविधान में 8 अनुसूचियां थीं। वर्तमान में,जो वर्तमान में 12 अनुसूची है। भारतीय संविधान का निर्माण 1946 में गठित एक संविधान सभा द्वारा किया गया था। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे।29 अगस्त 1947 को संविधान सभा में भारत के स्थायी संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए एक प्रारुप समिति के गठन का प्रस्ताव रखा गया था। डॉ. बी.आर. आंबेडकर की अध्यक्षता में प्रारुप (मसौदा समिति) समिति गठित की गई थी। हमारे संविधान को तैयार करने में मसौदा समिति को 2 वर्ष, 11 महीने और 18 दिनों का कुल समय लगा।

तदोपरान्त गहन विचार-विमर्श और कुछ संशोधनों के बाद, संविधान के प्रारुप को संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर 1949 को पारित घोषित किया गया था। इसे भारत के संविधान की 'अंगीकृत तिथि' के रूप में जाना जाता है, लैकिन संविधान के कुछ प्रावधान 26 नवंबर 1949 को लागू हो गए थे। हालांकि संविधान का अधिकांश भाग 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, जिससे भारत एक संप्रभु गणराज्य बन गया। इस तिथि को भारत के संविधान के अधिनियमन तिथि के रूप में जाना जाता है। मूल रूप से इसमें 14 भाषाएं थीं जो वर्तमान में 22 भाषाएं हैं जैसे असमिया, बंगाली, बोडो, गुजराती, हिंदी आदि। भारतीय संविधान राष्ट्र के लोकतांत्रिक आदर्शों और आकांक्षाओं का प्रमाण है। इसका निर्माण सावधानीपूर्वक किया गया है, जो ऐतिहासिक संघर्षों और दूरदर्शी सिद्धांतों पर आधारित है और यह भारत को एक अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और समृद्ध समाज की ओर ले जाने का मार्गदर्शन प्रदान करता है। भारतीय संविधान अपने मूल्यों को बनाए रखने विविधता के बीच एकता को बढ़ावा देने और प्रत्येक नागरिक के अधिकारों और स्वतंत्रताओं की रक्षा करने के लिए महत्त्वपूर्ण है। इस प्रकार यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करता है।

विश्व भर में धार्मिक संघर्ष: क्या यह मानवता के विरुद्ध नहीं?

विनय कुमार तिवारी

विश्व के हर कोने में धर्म के नाम पर संघर्ष और वर्चस्व की लड़ाई देखने को मिलती है। कहीं हिंदू-मुसलमान के बीच हिंसा है, तो कहीं शिया-सुन्नी एक-दूसरे के खून के प्यासे हैं। वहीं, कहीं ईसाई और मुसलमानों के बीच विवाद छिड़ा हुआ है। यह विडंबना है कि इन सभी धर्मों के अनुयायी यह जानते हैं कि मनुष्य चाहे किसी भी धर्म, जाति, या संप्रदाय से जुड़ा हो, वह एक ही माता-पिता की संतान है। फिर यह संघर्ष क्यों यह प्रश्न केवल धार्मिक हिंसा में शामिल लोगों से नहीं, बल्कि समूची मानव सभ्यता से है। आज की दुनिया में धर्म का वास्तविक उद्देश्य, जो मानवता, प्रेम और सद्भावना को बढ़ावा देना है, वह कहीं खो सा गया है। धर्म को राजनीति, शक्ति और वर्चस्व के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो धर्म इंसान को सही राह दिखाने के लिए बने थे, वे अब संघर्ष और रक्तपात का कारण बन गए हैं। हिंदू-मुसलमान के बीच संघर्ष कोई नई बात नहीं है।

भारत के विभाजन के समय से ही इन दोनों समुदायों के बीच नफरत की एक गहरी खाई बन गई थी। लेकिन यह खाई केवल उपमहाद्वीप तक सीमित नहीं है। विश्व स्तर पर भी यही हाल है। इसी प्रकार, इस्लाम के भीतर शिया और सुन्नी समुदायों के बीच का संघर्ष यह दिखाता है कि धर्म की यह लड़ाई केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक भी है।विचार करने वाली बात यह है कि जब सभी धर्म यह मानते हैं कि पूरी मानवता एक है, तो फिर यह संघर्ष क्यों? क्या यह धर्म के नाम पर वर्चस्व की लड़ाई नहीं है? वास्तव में, यह धर्म से अधिक सत्ता और ताकत की लड़ाई है। धर्म का इस्तेमाल केवल एक माध्यम के रूप में किया जा रहा है। जहां तक हिंदुओं की बात है, वे दुनिया के कई हिस्सों में अल्पसंख्यक हैं। बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, मलेशिया, और कई अन्य देशों में हिंदुओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। इन स्थानों पर हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार केवल धार्मिक असहिष्णुता का परिणाम नहीं हैं, बल्कि यह अमानवीयता और नैतिक पतन का प्रतीक हैं। हिंदुओं के घर जलाए जा रहे हैं, उनकी महिलाओं का शोषण हो रहा है, और मंदिरों को ध्वस्त किया जा रहा है। यह अत्याचार उस मानसिकता को दशार्ता है जो वर्चस्व स्थापित करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। जो समाज कमजोर को कुचलने में अपना पराक्रम समझता है, वह दरअसल अपने नैतिक पतन का परिचय दे रहा है।

जहां हिंदू नगण्य संख्या में हैं, वहां उनके साथ हो रहा यह व्यवहार मानवता के खिलाफ है।लेकिन सवाल केवल हिंदुओं पर अत्याचार का नहीं है। पूरी दुनिया में धर्म के नाम पर हिंसा हो रही है। ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं। बौद्ध और रोहिंग्या मुसलमानों के बीच संघर्ष भी इसका एक और उदाहरण है। यहां तक कि विकसित देशों में भी धार्मिक भेदभाव के कई मामले सामने आते रहते हैं। भारत एक ऐसा देश है, जो सदियों से धार्मिक सहिष्णुता और भाईचारे का उदाहरण प्रस्तुत करता आया है। यहां हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन सभी धर्मों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। भारत का यह सामाजिक ताना-बाना न केवल उसकी सांस्कृतिक धरोहर है, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। भारत का मॉडल यह दिखाता है कि जब विभिन्न धर्मों के लोग एक-दूसरे के साथ सम्मान और समानता से रहते हैं, तो समाज न केवल स्थिरता प्राप्त करता है, बल्कि विकास के पथ पर भी अग्रसर होता है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि जहां धर्म के नाम पर लड़ाई नहीं हो रही, वे देश विकास की दौड़ में सबसे आगे हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, जर्मनी और स्कैंडिनेवियाई देशों जैसे विकसित देशों में सामाजिक समरसता और कानून का पालन उनकी प्रगति का मूल कारण है। इन देशों ने यह समझ लिया है कि धार्मिक या जातिगत संघर्ष केवल समाज को कमजोर करता है और विकास में बाधा उत्पन्न करता है। यह समझने की जरूरत है कि धर्म का असली उद्देश्य मानवता को जोड़ना है, तोड़ना नहीं। हर धर्म के मूल संदेश को देखें, तो पाएंगे कि सभी धर्मों ने सत्य, अहिंसा, प्रेम और करुणा का प्रचार किया है। फिर यह घृणा और हिंसा कहां से आई? यह मानव स्वभाव में निहित वर्चस्व की भूख है, जिसने धर्म को भी अपने अधीन कर लिया है। आज दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि यह संघर्ष न केवल धर्मों को कमजोर कर रहा है, बल्कि पूरी मानवता को खतरे में डाल रहा है। यदि इस लड़ाई को नहीं रोका गया, तो इसका परिणाम विनाशकारी हो सकता है। धर्म के नाम पर हो रही इस हिंसा को रोकने के लिए शिक्षा और जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि धर्म का मतलब मानवता से प्रेम करना है। हमें यह समझना होगा कि हर इंसान की पहचान उसका धर्म नहीं, बल्कि उसकी इंसानियत है।

विश्व के नेताओं और संगठनों को भी इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी देश में किसी भी धर्म के अनुयायियों के साथ भेदभाव या अत्याचार न हो।आइए हम सभी मिलकर विश्व स्तर पर बंधुता का चिंतन करें। हम सबको यह प्रतिज्ञा लेनी होगी कि धर्म, जाति या संप्रदाय के आधार पर किसी भी प्रकार की नफरत को बढ़ावा नहीं देंगे। यह समय है कि हम एक समरस समाज का निर्माण करें, जहां सभी धर्मों के लोग एकजुट होकर एक-दूसरे का सम्मान करें। यह वक्त है कि हम धर्म के नाम पर चल रही इस लड़ाई को समाप्त करें। हमें यह समझना होगा कि कोई भी धर्म हिंसा और नफरत की शिक्षा नहीं देता। यही मानवता की जीत होगी, यही एक नए युग की शुरूआत होगी।

यूनुस सरकार-डीप स्टेट की जुगलबंदी और बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

अगर आप हिंदू हैं और बांग्लादेश में रहते हैं तो यह धरती पर नर्क की जीवित परिभाषा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ किए गए जघन्य अपराध दुनिया भर के सभी हिंदुओं के लिए एक चेतावनी हैं। तथाकथित मानवतावादी समूह या विभिन्न क्षेत्रों की मशहूर हस्तियां, विशेष रूप से कई बॉलीवुड सितारे, गाजा, सीरिया, लेबनान में जो कुछ हो रहा है, उसका विरोध करने के लिए समय निकालते हैं लेकिन पाकिस्तान, अफगानिस्तान और अब बांग्लादेश में हिंदू अत्याचार के खिलाफ कभी विरोध करते नहीं दिखाई देते हैं। हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान का अत्याचार खत्म नहीं हो रहा। हालाँकि हमने 1921 का मोपला नरसंहार या 1990 का कश्मीर हिंदू नरसंहार नहीं देखा है लेकिन हम अफगानिस्तान और बांग्लादेश में रोजाना हिंदू अपराधों को देख रहे हैं। यूनुस और डीप स्टेट किस तरह हिंदुओं के खिलाफ काम कर रहे हैं?

नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस की नाक के नीचे हो रहे अत्याचार बाकी दुनिया के लिए चेतावनी है कि कैसे एक आतंक समर्थक और मानवता विरोधी व्यक्ति को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मोहम्मद यूनुस शांतिदूत नहीं बल्कि मानवता का कत्लेआम करने वाले हैं। क्या उनका नोबेल पुरस्कार रद्द कर दिया जाना चाहिए? कैसे अमेरिका का डीप स्टेट मोहम्मद यूनुस का इस्तेमाल बांग्लादेश और हिंदुओं को अपने स्वार्थ के लिए कमजोर करने के लिए कर रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प इन डीप स्टेट तत्वों के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई करेंगे।

पाकिस्तान, बांग्लादेश का अब तक का सबसे बड़ा दुश्मन है लेकिन पाकिस्तान के साथ यूनुस का संबंध आतंकवादियों के प्रति उनकी सहानुभूति और भारत विरोधी रुख को दशार्ता है। हिंदू संतों, पेशेवरों और व्यापारियों ने बांग्लादेश के सामाजिक और आर्थिक उत्थान को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत की, कठिन समय के दौरान बड़ी संख्या में मुसलमानों की सहायता की। हालाँकि, इन्हीं व्यक्तियों को क्रूरता से प्रताड़ित किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। हिंदुओं को वास्तव में इस पैटर्न और वैचारिक पहलुओं को समझना चाहिए, सरल शब्दों में कहें तो, 'शत्रुबोध' महत्वपूर्ण है। हिंदुओं के खिलाफ अपराधों को लेकर कई राजनीतिक दलों, विशेष रूप से कई इंडी गठबंधन दलों की चुप्पी हिंदुओं को स्पष्ट संदेश देती है- आप इन पार्टियों के लिए चुनावी उपकरण से ज्यादा कुछ नहीं और यदि आप इन ताकतों के खिलाफ एकजुट नहीं होते हैं तो आप फिर गुलाम हो जाएंगे। क्या ये पार्टियां हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों का मौन समर्थन कर रही हैं? क्या हिंदुओं ने कभी बॉलीवुड हस्तियों को हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों की आलोचना करते सुना केवल कुछ ही ने। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र करोड़ों हिंदुओं का घर है। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ मुस्लिम कट्टरपंथियों की बर्बरता भरी हिंसा के बारे में चिंता या घृणा की आवाजें बहुत कम हैं। भारत में कुछ मीडिया आउटलेट इस तरह के अत्याचार पर चर्चा या हाइलाइट कर रहे हैं। याद रखें, हमने कभी किसी के साथ गलत नहीं किया और भविष्य में ऐसा कभी नहीं करेंगे हालाँकि, हमारा अस्तित्व पूरी तरह से एकता को मजबूत करने, किसी भी अत्याचार के खिलाफ एकजुट होने, बचपन से आत्मरक्षा तकनीकों सहित सनातन संस्कृति को आत्मसात करने और धर्मांतरण से लड़ने पर निर्भर है।

यह समय है कि संपूर्ण संत समुदाय, लाखों अनुयायियों के साथ मिलकर दुनिया को दिखाए कि हम हिंदुओं के साथ किसी भी तरह का अन्याय या मानवता के खिलाफ कुछ भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। दुनिया को व्यापक भलाई के लिए हिंदुओं की शक्ति देखने दें। सनातन धर्म किसी धर्म विरोधी नहीं है बल्कि इसमें मानवता के लिए काम करके विश्व शांति को बढ़ावा देने की क्षमता है। सनातन धर्म का नुकसान मानवता और वैश्विक शांति के लिए नुकसान है। इसलिए, दुनिया में हर कोई जो शांति चाहता है, उसे यूनुस सरकार और उसके लोगों द्वारा हिंदुओं के खिलाफ किए गए अपराधों की कड़ी निंदा और कारवाई करनी चाहिए। यूनुस को यह समझने दें कि वह डीप स्टेट के समर्थन से मानव जाति के खिलाफ काम नहीं कर सकता।

ब्रिटिश कंजर्वेटिव सांसद बॉब ब्लैकमैन ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अपराधों के साथ इस्कॉन के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास को जेल में डालने की निंदा करते हुए कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यकों को सताया नहीं जाना चाहिए। ब्लैकमैन ने ब्रिटेन की संसद में इस मामले को उठाया, जिसमें अल्पसंख्यक हिंदू आबादी की दुर्दशा को उजागर किया गया, जिसके बारे में उनका दावा है कि उनके घरों व मंदिरों पर आगजनी और हमले सहित जानलेवा हिंसा की जाती है। बॉब ब्लैकमैन ने ब्रिटेन की संसद में बांग्लादेश में एक हिंदू भिक्षु की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए। बांग्लादेश में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास को 'हिंदुओं पर सीधा हमला' बताया। दुनिया को यह जानने की जरूरत है कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं और प्रगति कर रहे हैं क्योंकि हिंदू बहुसंख्यक हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश दिखाते हैं कि जब हिंदू बहुसंख्यक नहीं होते हैं तो क्या होता है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक, जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। जबरन धर्म परिवर्तन, हत्या, बलात्कार और देश से निष्कासन के परिणामस्वरूप अल्पसंख्यक आबादी में नाटकीय रूप से कमी आई है। क्या मानवीय संगठन, बौद्धिक वर्ग और राजनीतिक नेता अल्पसंख्यकों के लिए इस सबसे खराब स्थिति के प्रति अंधे हैं? भारत में इसके विपरीत हो रहा है, जहां बहुसंख्यक हिंदू अल्पसंख्यकों को जीवन के सभी पहलुओं में फलने-फूलने की इजाजत दे रहे हैं।

संविधान के बारे में मूलभूत तथ्य यह है कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान तब तक सुरक्षित है जब तक हिंदू बहुसंख्यक हैं। तो क्या हम यह मान लें कि जाति के आधार पर हिंदुओं को विभाजित करने का प्रयास करने वाली राजनीतिक और डीप स्टेट वास्तव में डॉ. अंबेडकर के संविधान का विरोध करती हैं? वे हिंदुओं की आस्था प्रणाली को कमजोर क्यों करना चाहते हैं? हिंदुओं को व्यापक शोध और विश्लेषण करना चाहिए। वे निःस्संदेह हिंदू एकता के महत्व और विभाजित हिंदू समुदाय के निहितार्थों के बारे में जानेंगे।

आज का राशिफल

मेष : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। आलस्य को त्यागें।

वृष : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग।

मिथुन : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। श्रम अधिक करना पड़ सकता है।

कर्क : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

सिंह : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ।

कन्या : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती है। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में परेशानियां पैदा करेंगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा।

तुला : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा।

वृश्चिक : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर हो सकती है। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं।

धनु : कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें।

मकर : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कुंभ : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी।

मीन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 05 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त ने नौरतन सृष्टि बाला को रायफल शूटिंग के लिए 3.17 लाख रुपये का चेक सौंपा

हजारीबाग। हजारीबाग जिला के उपायुक्त नैंसी सहाय ने बड़कागांव के मंझलीदाड़ी, चेपाकलां निवासी नौरतन सृष्टि बाला को रायफल शूटिंग के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को और बढ़ावा देने के उद्देश्य से 3.17 लाख रुपये का चेक सौंपा। यह राशि एनटीपीसी, पाकरी बरवाडीह खनन परियोजना के द्वारा सीएसआर मद से दी गई है, ताकि सृष्टि बाला को एक उच्च गुणवत्ता वाली एयर राइफल खरीदने में मदद मिल सके। नौरतन सृष्टि बाला ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ रायफल शूटिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने झारखंड राज्य का विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व किया है और इस खेल के क्षेत्र में कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं। उपायुक्त ने कहा कि इस प्रकार की सहायता से युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, जो अंततः उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। इस अवसर पर एनटीपीसी के परियोजना प्रमुख फैज तैयब और डीजीएम प्रशांत कुमार भी मौजूद थे। उन्होंने सृष्टि बाला को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उपायुक्त ने इस अवसर पर सृष्टि बाला को चॉकलेट देकर उन्हें आशीर्वाद भी दिया, ताकि वे इस नई मदद के साथ अपने खेल के क्षेत्र में और बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

विधायक कक्ष का उद्घाटन और दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल वितरण

विष्णुगढ़। प्रखंड मुख्यालय में मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने विधायक कक्ष का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के दौरान विधायक महतो ने कहा कि यह कक्ष हर दिन खुलेगा, जिससे प्रखंड के लोग अपनी जनसमस्याओं का समाधान प्राप्त करने के लिए यहां आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने बीडीओ और सीओ को निर्देश देते हुए कहा कि झारखंड राज्य का निर्माण विशेष रूप से झारखंडी जनमानस के हितों की रक्षा के उद्देश्य से किया गया था, और इस राज्य की सरकार का कर्तव्य है कि वह लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक महतो ने अधिकारियों से यह भी कहा कि उन्हें अपनी कार्यशैली में सुधार करना होगा, भ्रष्टाचार तथा लेटलतीफी पर सख्ती से नियंत्रण रखना होगा। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष अजय मंडल, आजसू के केंद्रीय सदस्य रंजीत गुप्ता, केबी मंडल, मधुसूदन प्रसाद, महादेव देहाती, दिनेश कुमार, सुरेश राम, रीता देवी सहित कई कार्यकर्ता भी मौजूद थे। इस पहल से दिव्यांगों के जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद जताई गई, जिससे उन्हें अधिक स्वतंत्रता और सुविधा मिलेगी।

विभावि एलुमनाई एसोसिएशन ने नये प्रभारी कुलसचिव का किया स्वागत

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के सोशल साइंस विभाग के संकायाध्यक्ष और मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सादिक रज्जाक को विश्वविद्यालय के नये प्रभारी कुलसचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। यह अवसर एलुमनाई एसोसिएशन के लिए खास था, जब उसके प्रतिनिधियों ने एक औपचारिक स्वागत समारोह का आयोजन किया। बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम में एलुमनाई एसोसिएशन के सदस्य डॉ. सादिक रज्जाक से मिले और उन्हें बधाई दी। इस दौरान सभी ने एक दूसरे को विश्वविद्यालय के पुराने और नये एलुमनाई से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। समारोह में एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ० मंसूर आलम फाखरी, उपाध्यक्ष डॉ० अमिता, सचिव डॉ० सनी कुमार मेहता, मो० फजल, डॉ० कुमारी भारती, डॉ० समीर कुमार और मोहम्मद बेलाल ने भाग लिया। डॉ० रज्जाक ने एलुमनाई एसोसिएशन के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह विश्वविद्यालय के विकास के लिए हमेशा तैयार रहेंगे और एलुमनाई के योगदान को और भी मजबूत करेंगे।

मांडू विधायक निर्मल महतो की आभार यात्रा: उपरैली बोदरा में ग्रामीणों से मिले

मांडू। मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने अपनी आभार यात्रा के तहत विष्णुगढ़ प्रखंड के उपरैली बोदरा गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांववासियों से मुलाकात की और उन्हें आशीर्वाद लेने के बाद आभार व्यक्त किया। विधायक महतो का स्वागत करने के लिए अलपीटो पंचायत के उप मुखिया विनोद रजक, समाजसेवी अशोक यादव, शिक्षक संदीप पाठक, पूरन रजक, शंकर रजक और बालेश्वर रजक सहित कई स्थानीय लोग मौजूद थे। उन्होंने विधायक महतो का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें फूलमाला पहनाई और बुके देकर सम्मानित किया। ग्रामीणों ने इस मौके पर कहा कि यह पहली बार है जब कोई विधायक उनके गांव आकर उनसे व्यक्तिगत रूप से मिला है। गांववाले इस अनुभव से अत्यधिक खुश नजर आए और उन्होंने यह महसूस किया कि उन्होंने सही प्रतिनिधि को चुना है। विधायक महतो ने आभार यात्रा के माध्यम से अपने कार्यों और योजनाओं को लेकर ग्रामीणों से संवाद किया और उनका समर्थन प्राप्त करने की कोशिश की। यह यात्रा उनके जनसंपर्क को और भी मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

अपराधों पर लगाम लगाने की अपील, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पुलिस प्रशासन से की बात

हजारीबाग। हजारीबाग में हाल ही में बढ़ते अपराधों को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने हजारीबाग के आरक्षी अधीक्षक से दूरभाष पर बातचीत की और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की अपील की। उन्होंने कहा कि हजारीबाग में पिछले एक महीने के भीतर तीन प्रमुख हत्याएं हो चुकी हैं, जो जिले में अपराध की बढ़ती घटनाओं को दशार्ती हैं। पहली हत्या हजारीबाग रामनवमी महासमिति के पूर्व अध्यक्ष और समाजसेवी मंजीत यादव की हुई, जिन्हें उनके घर के पास दिनदहाड़े गोली मारी गई। इसके बाद बड़कागांव में प्रकाश ठाकुर की हत्या उनके घर में घुसकर की गई। इसके अलावा, हजारीबाग के कटकमदाग क्षेत्र में पूर्व मुखिया और राजीव गांधी पंचायती राज के जिला अध्यक्ष उदय साव की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई।

उपायुक्त ने अलपिटो पंचायत के मुखिया और उनके पति के खिलाफ जांच के दिए आदेश

संवाददाता

हजारीबाग। जिला पंचायत राज शाखा हजारीबाग द्वारा जारी किए गए एक आदेश में बताया गया है कि प्रखंड विकास पदाधिकारी विष्णुगढ़ द्वारा प्राप्त विस्तृत प्रतिवेदन के आधार पर ग्राम पंचायत अलपिटो की मुखिया सुमिता देवी और उनके पति धनेश्वर यादव के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं। इन दोनों पर आरोप है कि उन्होंने सरकारी दस्तावेजों में अनियमितताओं को अंजाम दिया और मनरेगा योजना के तहत नियमों का उल्लंघन करते हुए अवैध रूप से कुल 19 योजनाओं का निर्माण कराया। इसके साथ ही, इन पर कुल 27,87,811.68 रुपये की सरकारी राशि गबन करने का गंभीर आरोप भी लगाया गया है। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ग्राम पंचायत अलपिटो के पंचायत भवन से महत्वपूर्ण अभिलेख, रोकड़ पंजी, योजना पंजी जैसी जरूरी दस्तावेजों की चोरी हो गई है। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी विष्णुगढ़ ने पत्रांक 1484 के तहत सूचना दी है, जिसके आधार पर अब विस्तृत जांच की जाएगी।

इन घटनाओं के संदर्भ में, झारखंड राज्य के ग्रामीण विकास विभाग पंचायती राज के सचिव द्वारा 15 फरवरी 2019 के आदेश के तहत एक जांच दल का गठन किया गया है। इस दल में निदेशक, लेखा प्रशासन एवं स्व-नियोजन, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, हजारीबाग को अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी हजारीबाग, सहायक अभियंता (मनरेगा) विष्णुगढ़ प्रखंड और प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा दारू को भी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उपायुक्त नैंसी सहाय ने इस गठित जांच समिति को निर्देशित किया है कि वे तीन दिनों के भीतर संयुक्त रूप से जांच पूरी करके विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें और इसे संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराएं। यह जांच मामले की गंभीरता को देखते हुए अत्यंत महत्व रखती है, ताकि इस वित्तीय गबन और सरकारी कार्यों में अनियमितताओं का पदार्फाश हो सके और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके।

कला उत्सव, कला साधकों का संगम, विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया पोस्टर का विमोचन

संवाददाता

हजारीबाग। संस्कार भारती, हजारीबाग इकाई द्वारा आयोजित कला उत्सव 2024 का भव्य आयोजन 8 दिसंबर, रविवार को एमपी थियेटर, झील परिसर, हजारीबाग में किया जाएगा। यह आयोजन जिले के कला साधकों को एक मंच प्रदान करने के लिए आयोजित किया जा रहा है, ताकि वे अपनी कला का प्रदर्शन कर सकें और प्रांतीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। इस उत्सव का उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति को संरक्षित रखना और कलाकारों को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। पोस्टर विमोचन के बाद, विधायक प्रदीप प्रसाद ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि कला किसी भी समाज और संस्कृति की आत्मा होती है। उन्होंने संस्कार भारती के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में मददगार साबित होते हैं। कला उत्सव में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें समूह नृत्य, समूह गान, थिएटर, रंगोली और चित्रकला शामिल हैं। प्रतियोगिताएं सुबह 11 बजे से प्रारंभ होंगी। इस कार्यक्रम में न केवल कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

विधायकगण ने उपायुक्त से मुलाकात कर क्षेत्रीय समस्याओं पर की चर्चा

संवाददाता

हजारीबाग। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी और मांडू विधायक तिवारी महतो ने बुधवार को उपायुक्त नैंसी सहाय से शिष्टाचार मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य जिले की विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों पर चर्चा करना था। बैठक में तीनों विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया और उनके समाधान के लिए संभावित योजनाओं पर सुझाव दिए। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की उन्नति का मुद्दा उठाया और कहा कि यह जिले का प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान है, जिसे उन्नत चिकित्सा उपकरणों, पर्याप्त डॉक्टरों और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित किया जाना चाहिए। उन्होंने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में हो रही देरी और मरीजों को हो रही असुविधा पर चिंता जताई और इसे शीघ्र सुधारने की अपील की।

इसके साथ ही, प्रदीप प्रसाद ने जिले में बढ़ते अपराधों पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने डीसी से अनुरोध किया कि कानून-व्यवस्था को मजबूत करना प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि बढ़ते अपराध न केवल जनता की सुरक्षा के लिए खतरा बनते हैं, बल्कि यह विकास कार्यों को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने विशेष रूप से महिला सुरक्षा और संगठित अपराधों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की आवश्यकता जताई। बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने अपने क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा करते हुए बताया कि बड़कागांव क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी अब भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। उन्होंने सड़क, पानी और बिजली जैसी सुविधाओं की उपलब्धता पर जोर दिया और विकास कार्यों की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की। इसके अलावा, उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी और सिंचाई योजनाओं की धीमी प्रगति की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने डीसी से आग्रह किया कि इन विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए ताकि लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। मांडू विधायक तिवारी महतो ने अपने क्षेत्र की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मांडू क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने और कृषि के लिए सिंचाई योजनाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने क्षेत्र में बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं के पलायन पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इन समस्याओं का समाधान तभी हो सकता है जब विकास योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाए।

लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा यात्री सुविधाओं की बढ़ोतरी और नई ट्रेनों की मांग

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने 4 दिसंबर को लोकसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान रेलवे से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपना जोरदार वक्तव्य दिया। उन्होंने हजारीबाग क्षेत्र के रेलवे नेटवर्क में सुधार की आवश्यकता पर बल देते हुए क्षेत्रीय यात्रियों के लिए सुविधाओं को बढ़ाने और नई ट्रेन सेवाएं शुरू करने की अपील की। सांसद ने केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय का ध्यान इस ओर आकर्षित किया और कहा कि हजारीबाग क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर रेल सेवा मिलनी चाहिए, खासकर हजारीबाग टाउन, बरही, कुजू, बड़काकाना, रामगढ़ और गोला जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर। सांसद मनीष जायसवाल ने लोकसभा में कहा कि हजारीबाग का रेलवे नेटवर्क मुख्य रूप से कोयला ढुलाई के लिए उपयोग किया जाता है, लेकिन इसे पैसेंजर ट्रेन सेवाओं के लिए भी पात्र बनाया जाना चाहिए। उन्होंने यह सुझाव दिया कि हजारीबाग क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। इस योजना के तहत, प्रमुख रेलवे स्टेशनों को नई सुविधाओं से लैस किया जा रहा है, और सांसद ने आग्रह किया कि हजारीबाग क्षेत्र के स्टेशनों को इस योजना में प्राथमिकता दी जाए, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इसके अलावा, सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग से दिल्ली, कोलकाता और वेल्लोर के लिए नियमित यात्री ट्रेन सेवा शुरू करने का भी प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इससे न केवल हजारीबाग क्षेत्र के विकास में मदद मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्र के व्यापार और पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। सांसद ने यह भी उल्लेख किया कि रांची से बरकाकाना होते हुए दिल्ली की ओर जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस को अचानक बंद कर दिया गया है, जो कि एक महत्वपूर्ण रेल सेवा थी। उन्होंने रेल मंत्री से अनुरोध किया कि इसे फिर से चालू किया जाए, ताकि इस रूट पर यात्रा करने वाले यात्री परेशान न हों। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद मनीष जायसवाल के द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लिया और उन्हें आश्वासन दिया कि इन विषयों पर जल्द ही विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के विकास के लिए बड़े प्रयास किए जा रहे हैं और झारखंड राज्य के लिए विशेष योजनाओं पर काम चल रहा है। रेल मंत्री ने यह जानकारी दी कि भारत में विश्व के सबसे बड़े रेलवे स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम का काम चल रहा है।

फेडरेशन ऑफ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और पुलिस प्रशासन की बैठक

संवाददाता

हजारीबाग। फेडरेशन ऑफ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के एक प्रतिनिधिमंडल ने सदर थाना सभागार में थाना प्रभारी, ट्रैफिक डीएसपी और अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करना और बढ़ती आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाना था। बैठक के दौरान व्यवसायियों से यह अपील की गई कि वे अपनी दुकानों के बाहर अनावश्यक रूप से सामान न रखें, ताकि सड़क पर यातायात बाधित न हो और राहगीरों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही पुलिस प्रशासन ने यह भी अपील की कि सभी प्रतिष्ठान संचालक अपने दुकानों के बाहर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगवाएं, ताकि किसी भी आपराधिक गतिविधि पर निगरानी रखी जा सके और अपराधियों को पकड़ने में मदद मिले। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि दुकानदारों को ठेले और अन्य अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देश दिया जाएगा, ताकि ट्रैफिक की अव्यवस्था को रोका जा सके। पुलिस और व्यवसायियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के लिए दोनों पक्षों ने सहमति जताई।चैंबर के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल ने बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि शहर में बढ़ती अपराध की घटनाएं और ट्रैफिक व्यवस्था की अव्यवस्था सभी के लिए चिंता का विषय हैं। इस बैठक के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि व्यवसायी और पुलिस प्रशासन मिलकर एक सुरक्षित और व्यवस्थित माहौल तैयार करें। चैंबर पुलिस प्रशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा और हर संभव सहयोग करेगा। सचिव राकेश ठाकुर ने भी इस अवसर पर कहा कि व्यवसायियों की जिम्मेदारी है कि वे अपने प्रतिष्ठानों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाएं और सड़क पर अनावश्यक सामान न रखें। इससे न केवल अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी, बल्कि ट्रैफिक व्यवस्था भी बेहतर होगी।

कार्यक्रम हजारीबाग की शान, कलाकार की पहचान

गीत- संगीत में एक जाना- पहचाना चेहरा हैं सुबोध सिन्हा उर्फ आकाश

प्रदीप पाठक

हजारीबाग। जब भी शहर में गीत-संगीत की चर्चा होती है, न्यू कॉलोनी कानी बाजार निवासी सुबोध सिन्हा उर्फ आकाश का नाम सबसे ऊपर आता है। उन्होंने न केवल अपनी कला का प्रदर्शन किया, बल्कि नए कलाकारों की प्रतिभा को भी मंच प्रदान किया। उनकी यही विशेषता उन्हें संगीत की दुनिया में एक अलग पहचान देती है। एक अच्छे उद्घोषक होने के साथ-साथ, वे मशहूर गायक मुकेश के गीतों को हूबहू अपनी आवाज में गाने के लिए प्रसिद्ध हैं। इसके अलावा, वे पैड और ड्रम वादन में भी माहिर हैं।

बचपन से गायकी का शौक रखने वाले सुबोध सिन्हा ने 1988 में गूंज आर्केस्ट्रा की स्थापना की और बिहार-झारखंड के कई जिलों में बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिससे उन्होंने ख्याति प्राप्त की। 1991 में मेरी आवाज मेरी पहचान है कार्यक्रम में हजारीबाग स्टेडियम में अपनी आवाज का लोहा मनवाया और प्रथम स्थान प्राप्त किया। 1993 में ₹यादें मुकेश की₹ कार्यक्रम में भी उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 1994 में पटना के कृष्ण मेमोरियल हॉल में गायकी में प्रथम स्थान से नवाजे गए।

2008 में उन्होंने हजारीबाग में गूंज स्टूडियो की स्थापना की और इसके माध्यम से स्थानीय टेलीविजन चैनलों के लिए प्रतिष्ठित और नए कलाकारों के लिए कई सीरियल बनाए, जो काफी लोकप्रिय हुए। इनमें वॉयस ऑफ हजारीबाग, एक शाम राजेश खन्ना जी के नाम एक शाम बिग बी अमिताभ बच्चन के नाम, सुनहरी यादें, सुनहरे पल, सेंटीमेंटल मूड ऑफ किशोर कुमार, फी साहब की यादें और हर वर्ष दुर्गा पूजा के अवसर पर माता का दरबार जैसे कार्यक्रम शामिल इन कार्यक्रमों के माध्यम से नए कलाकारों को बड़ा मंच मिला और उन्हें लोकप्रियता हासिल हुई।

हाल ही में, 2024 में अयोध्या में राम लला विराजमान के उपलक्ष्य में हजारीबाग में दो दिवसीय राम उत्सव का आयोजन किया, जिसमें रामलीला का मंचन कराया गया। इसके आयोजन में सुबोध सिन्हा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। हजारीबाग के कलाकारों के बीच वे काफी लोकप्रिय हैं और कलाकारों ने उन्हें हजारीबाग का गुलशन कुमार की उपाधि से नवाजा है। वे झारखंड फिल्म निमार्ता संघ के उपाध्यक्ष और आर्ट एंड कल्चरल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अलावा, वे सद्भावना विकास मंच से जुड़कर सामाजिक दायित्व निभा रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी हजारीबाग जिला सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक के रूप में भी कार्यरत हैं।

मिशन वात्सल्य पर प्रमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में समाज कल्याण विभाग और बाल कल्याण संघ के संयुक्त तत्वावधान में ₹मिशन वात्सल्य (कोई भी बच्चा पीछे न छूटे)₹ विषय पर प्रमंडल स्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह ने मिशन वात्सल्य के उद्देश्य और महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस मिशन का प्रमुख उद्देश्य बच्चों के लिए एक संवेदनशील, सहायक और समकालिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है, जिससे बच्चों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के अवसर मिल सकें। संतोष कुमार सिंह ने यह भी कहा कि प्रमंडल स्तर पर सभी संबंधित पदाधिकारी और विभागों को मिलकर इस मिशन के तहत कार्य करना चाहिए। मिशन वात्सल्य के तहत उन बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनके माता-पिता नहीं हैं, या जिनके माता-पिता गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिंहा ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों और उनके परिवारों को समाज कल्याण की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाना जरूरी है। उन्होंने बाल देखभाल संस्थानों, बाल कल्याण समितियों और ग्राम बाल संरक्षण समितियों के कार्य की दक्षता बढ़ाने के लिए नई रणनीतियों पर चर्चा की।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 05 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

भाजपा कटिहार जिले के सातों विधानसभा सीटें जीतने के लिए तैयार : मनोज राय

कटिहार। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कटिहार जिले में अपनी संगठनात्मक क्षमता को मजबूत करने के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत, पार्टी बूथ स्तर पर कमेटी का गठन कर रही है, जिससे वह अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ मजबूत संबंध बना सके। भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय ने कहा है कि यह अभियान पार्टी को धारदार बनाने और संगठन को मजबूत करने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी कहा है कि भाजपा कटिहार जिले के सातों विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस अभियान के तहत, भाजपा ने कदवा विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर पर कमेटी का गठन किया है। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश चौधरी, कदवा मंडल अध्यक्ष विपिन बिहारी शाह, दंड खुदा मंडल अध्यक्ष नरेश मंडल और चांदपुर मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश शाह सहित कई अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सड़क के किनारे फेंका हुआ नवजात का मिला शव

अररिया। जिले के फारबिसगंज प्रखंड के सैफगंज चौक के पास राज्य राजमार्ग 77 पर स्थित विषहरी स्थान के किनारे बुधवार को नवजात शिशु का शव मिला। नवजात शिशु का शव विषहरी स्थान के पास सड़क के किनारे मिला।नवजात शिशु के शव होने की सूचना के बाद सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।नवजात शिशु के शव से एगो में हड़कंप मच गया।नवजात शिशु की उम्र 7-8 महीने के बीच की बताई जाती है। वह मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। घटना की सूचना के बाद लाइफ सेवियर फाउंडेशन बिहार के अध्यक्ष मनीष कुमार मौके पर पहुंचे और शिशु का शव को उठाते हुए उसे दफनाने की प्रक्रिया पूरी की।वहीं ग्रीन घटना से स्तब्ध थे।ग्रामीण इस घटना से पूरी तरह आक्रोशित थे और मां की ममता को लेकर सवाल खड़े कर रहे थे। स्थानीय ग्रामीण इस तरह की अमानवीय घटना को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की।वहीं लाइफ सेवियर फाउंडेशन के द्वारा किए गए पहल की सराहना की गई।

देशी शराब के साथ नशे की हालत में तीन गिरफ्तार

अररिया। फारबिसगंज थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर भागकोहलिया वार्ड संख्या एक निवासी रीता देवी पति -बिंदेश्वरी मंडल के घर में छापेमारी कर नशे की हालत में तीन युवकों को 31 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवकों में कादरी मोहल्ला वार्ड संख्या 16 के रहने वाले स्व.मो.मुस्लिम के पुत्र 38 वर्षीय मो. मानू और 32 वर्षीय मो.जानू तथा 34 वर्षीय मो.इबराज पिता -मो. इसराइल है।तीनों युवक नशे की हालत में धुत्त था।पुलिस ने बुधवार को तीनों गिरफ्तार युवकों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। नशे का कारोबार करने वाली रीता देवी और उसका पति बिंदेश्वरी मंडल मौके से फरार हो गया।मामले को लेकर फारबिसगंज थाना में प्राथमिकी कांड संख्या 716/24 धारा 30(ए) बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत दर्ज किया गया है।छापेमारी में फारबिसगंज थाना के परीक्ष्यमान अवर निरीक्षक अमित राज,एएसआई जितेंद्र सिंह,गृहरक्षक के जवान गुलाब मिश्र और कालेश्वर प्रसाद के साथ जुली कुमारी रही।

उप प्रमुख सहित नौ लोगों पर प्राथमिक दर्ज

नवादा। जिले में रजौली थानाक्षेत्र के सवैयाटांड़ पंचायत में अभ्रक के अवैध खनन को लेकर रजौली रेंजर मनोज कुमार ने बुधवार को रजौली उप-प्रमुख बिनोद राजवंशी सहित नौ अन्य लोगों के विरुद्ध वन अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज किया है। इस संबंध में रजौली रेंजर मनोज कुमार ने बताया कि सवैयाटांड़ वन क्षेत्र में अवैध अभ्रक का उत्खनन पर अंकुश लगाने के लिए लगातार वन क्षेत्रों में गश्त की जाती है।इसी दौरान बुधवार को भी थानाक्षेत्र के सवैयाटांड़ पंचायत के शारदा सहित कई अभ्रक खदानों का निरीक्षण किया गया।इस दौरान वन क्षेत्र में खनन करने वालों को चिन्हित कर प्राथमिकी दर्ज की गई है।
अभ्रक का अवैध खनन करने वालों में रजौली उप-प्रमुख कारू राजवंशी के पुत्र बिनोद कुमार,युगल सिंह के पुत्र महेंद्र सिंह,बालेश्वर प्रसाद के अंसारी के पुत्र एहसान अंसारी,चितावन साव का पुत्र सिकंदर साव,मुमताज मिया का पुत्र अवतार मियां और इस्तियाक मियाँ शामिल है।इन सभी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है साथ गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापेमारी किया जा रहा है।वन क्षेत्र में खनन करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नही जायेगा।

उद्यमिता जागरूकता बढ़ाने को लेकर बैठक

भागलपुर। उद्यमिता जागरूकता बढ़ाने को लेकर बुधवार को टीएमबीयू के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में विभागाध्यक्ष द्वारा एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में संबंधित महाविद्यालयों के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष सम्मिलित हुए। बैठक की अध्यक्षता प्रो. पवन कुमार सिन्हा, विभागाध्यक्ष ने की। इस दौरान सभी विभागाध्यक्षों ने सर्वसम्मति से अपने महाविद्यालयों में उद्यमिता के संबंध में छात्रों के बीच उद्यमिता के संबंध में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। बैठक में भाग लेने वाले कॉलेजों मारवाड़ी कॉलेज, बी. एन कॉलेज, एस. एम कॉलेज भागलपुर, एस. जे. एम कॉलेज, एम. एम कॉलेज और एम. एस कॉलेज शामिल रहे।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद तृणमूल विधायकों को लेकर बनाया गया व्हाट्सएप ग्रुप

सभी को पार्टी के अनुशासन का पालन करना है: सीएम

संवाददाता

कोलकाता। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पार्टी के विधायकों को लेकर एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया। उस ग्रुप का नाम 'वेस्ट बंगाल तृणमूल कांग्रेस लेजिस्लेटिव मेंबर्स' दिया गया है। ग्रुप के एकमात्र एडमिन मंत्री अरूप विश्वास हैं। पता चला है कि अरूप ने यह ग्रुप मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश के बाद बनाया है।

मुख्यमंत्री ने विधायकों को कड़ा संदेश देते हुए जनसंपर्क पर जोर देने को कहा। उन्होंने यह भी बताया कि अगर पार्टी के किसी विधायक के पास कोई बक्तव्य है तो वे उसे उस व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर करें। यदि उसके पास कोई निर्देश होगा तो वह अरूप के माध्यम से समूह को सूचित करेगा। इसके बाद मंत्री ने ग्रुप बनाया। इसके सदस्यों की संख्या 225 लोग हैं।

अगर विधायकों को कोई निर्देश देना होगा तो इस ग्रुप में तृणमूल परिषद पार्टी फैसला देगी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में संसदीय बैठक बुलाकर पार्टी विधायकों को सख्त संदेश दिए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी को पार्टी के अनुशासन का पालन करना होगा। नहीं तो कार्रवाई की जायेगी। उस बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ कर दिए थे कि पार्टी के सभी फैसले वही लेंगे। मुख्यमंत्री के शब्दों में, "बहुत से लोग बहुत बातें कर रहे हैं। कौन क्या कह रहा है, ये सोचने की जरूरत नहीं है। मैं अब से अंतिम निर्णय लूंगा। विधायकों को संबोधित करते हुए ममता ने संदेश दिया, "पार्टी के बाहर कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है। सभी को आदेश का पालन करना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। शोकज किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने उस बैठक में निर्देश दिया कि व्हाट्सएप ग्रुप अरूप विश्वास, फिरहाद हकीम, शोवनदेव चट्टोपाध्याय को ध्यान में रखते हुए विधायकों के साथ होगा। टीम द्वारा अपने सभी कार्यक्रम इस ग्रुप को बताये जायेंगे। यदि विधायकों के पास कोई बयान है तो वे उस समूह को सूचित करेंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अरूप ने व्हाट्सएप ग्रुप बनाया।

खुफिया प्रमुख को हटाया गया

कोलकाता। इस संबंध में राज्य के मुख्यमंत्री पहले ही संदेश दे चुके थे। उनके संदेश के चलते बुधवार को पुलिस के शुरूआती बदलावों की सूची सार्वजनिक कर दी गई। राज्य सरकार ने आज कई पदों पर बदलाव किये हैं।
राजशेखरन अब तक खुफिया के मुखिया थे। बुधवार के निर्देश के मुताबिक उन्हें उस पद से हटा दिया गया। लेकिन तुरंत उनके पद पर कोई नहीं आया। राज्य पुलिस के खुफिया विभाग के प्रमुख का पद फिलहाल खाली है। राजशेखरन पिछले पद से एडीजी और आईजीपी (प्रशिक्षण) हैं।
अभी तक आईपीएस दमयंती सेन एडीजी (प्रशिक्षण) विभाग की प्रभारी थीं। राजशेखरन की जगह दमयंती एडीजी और आईजीपी (नीति) हैं। अब तक एडीजी और आईजीपी (नीति) आईपीएस आर शिवकुमार थे। जैसे दमयंती अपने स्थान पर जाती है, शिवकुमार प्रवर्तन विभाग में जाते हैं। यह पद पहले आईपीएस राजीव मिश्रा के पास था।

भवानीपुर में बनेगी नई निजी यूनिवर्सिटी, ममता बनर्जी की विधानसभा सीट को लेकर पेश होगा विधेयक

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने भवानीपुर में एक निजी कॉलेज को विश्वविद्यालय का दर्जा देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की विधानसभा सीट भवानीपुर में स्थित इस कॉलेज के लिए अगले हफ़्ते राज्य विधानसभा में 'दि भवानीपुर ग्लोबल यूनिवर्सिटी बिल 2024' पेश किया जाएगा। बुधवार को विधानसभा के कार्यकाल को एक दिन के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया गया। यह फैसला विधानसभा के स्पीकर बिमान बनर्जी के कक्ष में हुई कार्यसूची समिति की बैठक में लिया गया। बैठक के दौरान यह तय हुआ कि राज्य में तीन नई निजी यूनिवर्सिटीज के लिए विधेयक पेश किया जाएगा। इनमें सबसे प्रमुख 'भवानीपुर ग्लोबल यूनिवर्सिटी बिल' है, जो ममता बनर्जी की विधानसभा सीट से संबंधित है। भवानीपुर में 'भवानीपुर गुजराती एजुकेशन सोसाइटी' नामक एक कॉलेज है, जिसे आमतौर पर भवानीपुर एजुकेशन कॉलेज के नाम से जाना जाता है।

इस कॉलेज को अब विश्वविद्यालय का दर्जा देने की योजना है।

इस विधेयक को बुधवार को विधानसभा में शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु पेश करेंगे। इसके लिए विधानसभा में एक घंटे का समय निर्धारित किया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी धीरे-धीरे 2026 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अपनी सक्रियता बढ़ा रही हैं। भवानीपुर में विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाना, ममता के लिए राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, खासकर विधानसभा क्षेत्र के गैर-बंगाली हिंदू मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए। 2014 के लोकसभा चुनाव में भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के तत्कालीन राज्य अध्यक्ष सुब्रत बक्सी को 176 वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा, 2021 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा उम्मीदवार रुद्रनील घोष ने कई वार्डों में तृणमूल के उम्मीदवार शोभनदेव चटर्जी को पीछे छोड़ दिया था। भवानीपुर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के अलावा, अगले हफ्ते मंगलवार को 'दि रामकृष्ण परमहंस यूनिवर्सिटी बिल 2024' और 'दि रविंद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी बिल 2024' भी विधानसभा में पेश किए जाएंगे। इन विधेयकों पर चर्चा के लिए डेढ़ घंटे का समय निर्धारित किया गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरुद्ध निकाला गया आक्रोश मार्च

एजेंसी

नवादा। राष्ट्रीय भारतीय समाज के बैनर तले बांग्लादेश में हिंदू सिख जैन एवं बौद्धों पर हो रहे हैं आक्रमण के विरुद्ध नवादा में बुधवार को आक्रोश मार्च निकाला गया ।जिसमें सैकड़ो महिलाएं एवं पुरुष शामिल थे। जुलूस नवादा स्टेशन मैदान से इंदिरा गांधी चौक ,अस्पताल रोड ,गोला रोड, मेन रोड, विजय बाजार, होते भगत सिंह चौक से सीधे नवादा समाहरणालय के पास धरना में परिवर्तन हुआ ।जिसमें समाज के विभिन्न संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल ,भारत विकास परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय मजदूर संघ ,विद्या भारती, आदि दर्जनों संगठनों ने शामिल होकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को तत्काल बंद करने , अन्यायपूर्ण कारावास से मुक्त करने ,बांग्लादेश में हिंदुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामी कटर पंथियों द्वारा हमले हत्या लूट आगजनी एवं महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार के विरोध में तथा वर्तमान बांग्लादेश सरकार के विरुद्ध कार्रवाई हेतु महामहिम राष्ट्रपति जी को नवादा जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सोपा गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचार प्रमुख कवि दयानंद प्रसाद गुप्ता ने कहा कि जल्द ही बांग्लादेश सरकार पर दबाव डालते हुए भारत सरकार को शांति सेना भेजना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद के राजकुमार गुप्ता ने कहा कि भारत में बढ़ रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालना चाहिए।

रजौली के पूर्व विधायक कन्हैया राजवंशी ने कहा कि भारत को 1971 की तरह कार्रवाई करते हुए जिहादियों को धूल चटाना चाहिए बजरंग दल के जितेंद्र कुमार जीतू ने कहा कि हम सभी हिंदुओं को जिहादियों से लोहा लेने की आवश्यकता है। भारतीय जनता पार्टी के सूर्य नारायण गुप्ता ने कहा बांग्लादेश में अल्पसंख्यक को पर हो रहे अत्याचार बड़ी ही निंदनीय है इस इस कार्यक्रम के उपरांत 5 सदस्य टीम ने जिलाधिकारी महोदय को महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सोपा गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्र सेविका समिति के पिंकी बरनवाल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जितेंद्र पासवान, शिवनारायण पंकज नारायण, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिला संचालक रंजीत कुमार संजय कुमार मुन्ना आदि उपस्थित थे।

शिक्षकों के वर्तमान पदस्थापन जिले में ही होगा सेवाकालीन प्रशिक्षण

एजेंसी

पटना। बिहार राज्य शिक्षा विभाग ने बुधवार को शिक्षकों के प्रशिक्षण से जुड़े मामले में आदेश जारी किया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने सेवाकालीन प्रशिक्षण पर कहा है कि शिक्षकों का सेवाकालीन प्रशिक्षण उनके वर्तमान पदस्थापन के जिले में ही आयोजित कराया जाय। एस सिद्धार्थ के पत्र के मुताबिक, जिस जिले में शिक्षक की पोस्टिंग रहेगी उसी जिले में उन्हें सेवाकालीन प्रशिक्षण देने की व्यवस्था होगी। सेवाकालीन प्रशिक्षण के लिए शिक्षकों को कम से कम एक सप्ताह पूर्व सूचना दी जाएगी। इससे शिक्षक उस प्रशिक्षण को लेकर पहले से ही पूर्ण तैयारी में रहेंगे। सेवाकालीन प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों का प्रत्येक दिन तीन बार बायोमेट्रिक अटेनडेंस कराया जायेगा। बायोमेट्रिक अटेनडेंस के आधार पर ही शिक्षकों को सेवाकालीन प्रशिक्षण पूर्ण करने से संबंधित प्रमाण-पत्र निर्गत किया जाय। शिक्षा विभाग के पत्र में कहा गया है कि शिक्षकों के सेवाकालीन प्रशिक्षण के संबंध में उपर्युक्त प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। सेवाकालीन प्रशिक्षण के हालिया मामलों में शिक्षकों को अन्य जिलों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता रहा है। इतना ही नहीं प्रशिक्षण शुरू होने की सूचना एक से दो दिन पहले जारी होने से कई बार शिक्षकों को सामंजस्य बिठाने में परेशानी आती थी। इसे लेकर शिक्षकों ने पहले ही अनुरोध किया था कि उन्हें एक सप्ताह या उससे अधिक समय पूर्व जानकारी दी जाए। अब शिक्षा विभाग ने सेवाकालीन प्रशिक्षण के लिए शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए उन्हें वर्तमान पदस्थापन के जिला में ही प्रशिक्षण देने सहित सेवाकालीन प्रशिक्षण के लिए शिक्षकों को कम से कम एक सप्ताह पूर्व सूचना देने का निर्णय लिया है।

आलू तस्करी रोकने के लिए मंत्री ने किया वाहनो का औचक निरीक्षण

संवाददाता

कोलकाता। आलू तस्करी रोकने के लिए मंत्री बेचाराम मात्रा ने सरप्राइज विजिट किये। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो आलू की तस्करी रोकने के लिए रात्रि निगरानी की व्यवस्था भी की जायेगी। वह पहले ही अचानक पश्चिमी मिदनापुर के दांतन दौरे पर गए थे। बंगाल-ओडिशा सीमा से बड़ी संख्या में मालवाहक वाहन गुजरते हैं। आज यानि बुधवार को वह कहां हमला करेंगे, कब हमला करेंगे- सारी जानकारी गुप्त रखी गई है।

बेचाराम मात्रा ने बताया कि 3 सितंबर से 2 दिसंबर के बीच 8 लाख 43 हजार 294 मीट्रिक टन आलू निकल गया। अगले दो से तीन दिनों में राज्य में आलू की कीमतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। आलू व्यापारियों के एक वर्ग ने राज्य को संकट में डालने के लिए हड़ताल करने की रणनीति अपनायी। मंत्री ने आरोप लगाया कि उन्होंने हड़ताल के नाम पर राज्य सरकार पर आलू को बाहरी राज्यों में ले जाने के लिए दबाव बनाने की कोशिश की।

राज्य सरकार को अंधेरे में रखकर मालदा के मैतापुर, दक्षिण दिनाजपुर जिले के हिल्ली, कूचबिहार के चंगराबांधा के रास्ते बड़ी मात्रा में आलू बांग्लादेश भेजा जा रहा है। आरोप है कि कुछ आलू व्यापारी राज्य सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। आरोप यह भी है कि बीजेपी और सीपीएम के कुछ नेता हड़ताल के नाम पर राज्य की जनता को परेशानी में डालने की कोशिश कर रहे हैं।

बेचाराम मात्रा के मुताबिक राज्य सरकार बदलती परिस्थिति में जनता के हित में कोई भी कड़ा फैसला लेने के लिए प्रतिबद्ध है। इसने पहले ही जांच शुरू कर दी है कि पश्चिम मेदिनीपुर, बर्दवान, बांकुरा और हुगली में 40 कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं में कितना आलू संग्रहीत है। राज्य सरकार के सभी विभाग हड़ताल से निपटने की तैयारी कर रहे हैं। पिछले सितंबर से प्रोग्रेसिव पोटैटो ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने 26 रूपए प्रति किलोग्राम की थोक दर पर आलू देने का वादा किया है, लेकिन उन्होंने इसे नहीं दिया है।

आलू प्याज खरीद बिक्री को लेकर बिहार बंगाल सीमा को किया सील

किशनगंज। बिहार बंगाल के रामपुर चेकपोस्ट के पास बुधवार को बंगाल पुलिस ने सीमा को सील कर दिया है। मामला बंगाल राज्य से अन्य राज्यों में प्याज और आलू खरीद बिक्री को लेकर हैं। वहीं रामपुर चेकपोस्ट के समीप इस्लामपुर एसडीपीओ के साथ पुलिस बल सीमा में मौजूद है। पश्चिम बंगाल के आलू व्यापारियों ने धमकी दी है कि अगर राज्य सरकार दूसरे राज्यों को आलू बेचने पर प्रतिबंध नहीं हटाती है तो वे हड़ताल पर चले जाएंगे। पश्चिम बंगाल सरकार ने हाल ही में स्थानीय बाजारों में कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में पड़ोसी राज्यों को आलू बेचने पर प्रतिबंध फिर से लगा दिया है। स्थानीय बाजारों में आलू 35-40 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रहा है। राज्य सरकार के फैसले के बाद, पुलिस ने राज्य से बाहर आलू के परिवहन को रोकने के लिए अंतर-राज्यीय सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। स्थानीय बाजारों में कीमतों को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया और इसके लिए बिचौलियों की मुनाफाखोरी को जिम्मेदार ठहराया।

6वां हिमालयन ऑरेंज पर्यटन महोत्सव का आयोजन

संवाददाता

कोलकाता। ग्रामीण पर्यटन और होमस्टे आंदोलन, जिसे एसोसिएशन फॉर कंजर्वेशन एंड टूरिज्म ने लगभग 3 दशक पहले बंगाल और सिक्किम हिमालय से शुरू किया था, और अब इसने अग्रणी स्थान ले लिया है, जिसने पूर्वी नेपाल, भूटान, अरुणाचल प्रदेश और सभी पड़ोसी परिदृश्यों को प्रभावित किया है। कृषि और उससे जुड़ी विरासत में ग्रामीणों का गौरव पर्यटन स्वामित्व के माध्यम से वापस लाया गया है। इस आंदोलन के माध्यम से उन्हें अपनी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के मूल्य का एहसास कराने में मदद की है। इन सभी को शहरी बाजार से जोड़ना बहुत जरूरी हो गया है, और कोलकाता से बेहतर संरक्षक कोई नहीं हो सकता, एक ऐसा शहर जहां हर आत्मा एक जन्मजात पर्यटक है।

हिमालयी क्षेत्र के पर्यटन के लिए यहां कोलकाता में एक साथ आना आसान था, जहां निवासियों के बीच इस क्षेत्र के लिए अपार प्रेम है और इसलिए 2014 में हिमालयन ऑरेंज टूरिज्म फेस्टिवल की पहल की गई थी। अगला फेस्टिवल 2016 में आयोजित किया गया था, उसके बाद 2018, 2021 और 2022 में फेस्टिवल आयोजित किए गए। इस साल कोलकाता में फेस्टिवल का छठा संस्करण आयोजित करने जा रहा हैं।

गांव के नेताओं की बैठकों और कुछ स्थानीय उत्सवों के बाद, हिमालयन ऑरेंज को इस खिताब के रूप में स्वीकार किया गया जो उत्सव से जुड़ने वाले अधिकांश गांवों को जोड़ेगा। साथ ही, ऑरेंज सबसे लोकप्रिय फलों में से एक है जो सभी कृषि और बागवानी उत्पादों और दिलचस्प रूप से पर्यटन के लिए भी एक चेहरा बन जाता है। इस साल के उत्सव के मुख्य आकर्षणः दार्जिलिंग हिल्स और डुआर्स, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर भारत के गांवों से कृषि पर्यटन, शिल्प, संस्कृति, भोजन और विरासत और होमस्टे। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश और शेष भारत, नेपाल और भूटान के कुछ अन्य गांव भी इसमें शामिल हो रहे हैं।

इस वर्ष, ग्रामीण पर्यटन हितधारकों और कृषि उद्यमों के साथ और अधिक जुड़ने के लिए पश्चिम बंगाल और कोलकाता के टूर ऑपरेटरों और अन्य कृषि उद्योग के सदस्यों के लिए 7 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक 121 अड्डा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। भाग लेने वाले संगठनों के ग्रामीण सांस्कृतिक समूह भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए कमर कस रहे हैं, उम्मीद है कि इससे कोलकाता के साथ बेहतर संबंध बनेंगे।

आंदोलन के एक हिस्से के रूप में, इस हिमालयन ऑरेंज टूरिज्म फेस्टिवल का आयोजन कर रहे हैं, जहाँ साल्टलेक का सिटी सेंटर हमेशा से आयोजन स्थल रहा है। हम 6 दिसंबर, 2024 को दोपहर 2 बजे उद्घाटन और शाम 5 बजे सांस्कृतिक संध्या के उद्घाटन किया जायेगा। 6वें हिमालयन ऑरेंज टूरिज्म फेस्टिवल का आनंद लेने के लिए 6 दिसंबर से 8 दिसंबर 2024 तक सभी दिनों में सिटी सेंटर 1, साल्ट लेक, कोलकाता में दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक चलेगा। इस फेस्टिवल की शुरूआत रवींद्रनाथ टैगोर के दार्जिलिंग पहाड़ियों के संतरे के माध्यम से साथ संबंध के कारण होगी ।

विनाशकारी आग में जलकर खाक हुई रायगंज फैक्ट्री

संवाददाता

कोलकाता। बिनाशकारी आग में केक-बिस्किट फैक्ट्री पूरी तरह जलकर खाक हो गई। यह भयानक आग उत्तरी दिनाजपुर के रायगंज में मंगलवार देर रात लगी। फैक्ट्री में तीन शिफ्टों में करीब दो हजार कर्मचारी काम करते थे। उनके सिर पर हाथ पड़ गया क्योंकि फैक्ट्री जल गयी है। मजदूरों को अपनी नौकरी खोने का डर सता रहा है। फैक्ट्री में लगी आग से आसपास के कई घर भी क्षतिग्रस्त हो गए।

मंगलवार देर रात मजदूरों ने फैक्ट्री के अंदर आग लगी हुई देखी। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। आग बेकरी के दो मंजिला गोदाम तक फैल गई। सूचना मिलने के बाद दमकल की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। रायगंज के अलावा कलियागंज और बिहार के सलग्न दालखोला से भी दमकल की गाड़ियां पहुंचीं। हालांकि, तब तक आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया।

अग्निशमन विभाग का कोई उचित बुनियादी ढांचा नहीं है। इसलिए आग पहले नहीं बुझ सकी। इसकी शिकायत की गई है। स्थानीय निवासियों और फैक्ट्री कर्मचारियों में गुस्सा फैल गया। उन्होंने फायरकर्मियों के खिलाफ भी गुस्सा निकाला। उस बेकरी में तीन शिफ्टों में कम से कम दो हजार कर्मचारी काम करते थे। अब आग लगने के कारण उनका काम बंद हो गया है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 05 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

कोयल नदी में डूबने से बच्ची की मौत

मेदिनीनगर। चैनपुर थाना क्षेत्र के कोलहुआ गांव निवासी राजेश भुइयां की पुत्री मीनाक्षी कुमारी उम्र 7 वर्ष की कोयल नदी में डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बारे में मृतक के पिता राजेश भुइयां ने बताया कि मंगलवार की दोपहर मीनाक्षी अपने गांव के बच्चों के साथ अपने घर के पास कोयल नदी में नहाने गई थी। इसी बीच कोयल नदी में डूब गई। इसके बाद वहां पर स्थानीय लोगों के द्वारा इस घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन कोयल नदी पहुंचकर मीनाक्षी को नदी से बाहर निकाला। उसके बाद उसे मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने मीनाक्षी को मृत घोषित कर दिया। वही इस घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के दो नंबर टाउन निवासी जनार्दन प्रसाद के पुत्र मंटू कुमार उम्र 43 वर्ष की ट्रेन की चपेट में आकर मौतहो गई। इस घटना के बारे में परिजनों ने बताया कि मंटू कुमार मंद बुद्धि व्यक्ति था। मंगलवार की शाम करीब 4:00 वह अपने घर के पास रेलवे क्रॉसिंग पार कर रहा था। इसी बीच ट्रेन की चपेट में आकर घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर टिओपी टू प्रभारी अनिल कुमार सिंह, टाइगर मोबाइल के जवान मुकेश कुमार सिंह, सूर्यनाथ सिंह, प्रमोद कुमार, मिथिलेश कुमार, अमित कुमार सहायक पुलिस के जवान जयंत दुबे,राजेश चंद्रवंशी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों के सहयोग से शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है।

सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत

मेदनीनगर। छतरपुर थाना क्षेत्र के कव्वल गांव निवासी परमदेव सिंह की पत्नी बेबी देवी उम्र 44 वर्ष की मंगलवार की शाम सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। इस घटना के बारे में परिजनों ने बताया कि मंगलवार की शाम करीब 5:30 बजे बेबी देवी अपने घर के पास रास्ता को क्रॉस कर रही थी। इसी बीच अज्ञात वाहन ने उन्हें धक्का मार कर फरार हो गया। वाहन के धक्के से गिरकर बेबी देवी गंभीर रूप से घायल हो गई इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा इस घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर घायल बेबी देवी को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया जहां इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। बुधवार की सुबह पुलिस की देखरेख में मृतक का पोस्टमार्टम करवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं घटना के बाद से पुलिस अज्ञात वाहन की खोजबीन में जुड़ गई है।

युवक ने नाबालिग लड़की से किया दुष्कर्म

मेदिनीनगर। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में एक युवक ने एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद नाबालिग की हालत गंभीर है। उसे मंगलवार को सदर अस्पताल मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने खेत में दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना सोमवार की देर शाम की है। पीड़िता की मां ने बताया कि 11 वर्षीय बच्ची खेत में धनिया पत्ता लेने गयी थी। इसी दौरान उसी गांव का एक युवक उसे खेत में पकड़ कर जबरन उठा ले गया। फिर उसने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया और उसे धमकी दी कि अगर घर पर किसी को इस बारे में बताया तो वह उसे जान से मार देगा। घटना के बाद से पीड़िता काफी डरी हुई थी। देर रात उसकी तबीयत खराब होने पर उसने बताया कि उसके पड़ोसी रवि कुमार (22) ने उसके साथ गलत काम किया है। किशोरी रात भर घर में दर्द से तड़पती रही। मंगलवार की सुबह परिजन उसे हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल ले गये। इधर, प्राथमिक उपचार के बाद पीड़िता की बिगड़ती हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल मेदिनीनगर रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और पीड़िता का लिखित बयान दर्ज किया।

ताबड़तोड़ गोलियों की आवाज से दहला श्री बंशीधर नगर, युवक की हत्या

गढ़वा। बंशीधर नगर शहर के गोसाईबाग में अज्ञात अपराधियों ने दिनदहाड़े गोली मारकर एक युवक की हत्या कर दी। मृत युवक की पहचान गढ़वा के सोनपुरा निवासी सुरेश राम पासवान के पुत्र सत्येन्द्र कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने मृत युवक के कमर से देशी कट्टा को बरामद किया है। साथ ही घटनास्थल से बाईक व आठ खोखा बरामद किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिये छापेमारी शुरू कर दी है। दिनदहाड़े ताबड़तोड़ आठ गोलियों की आवाज से शहर दहल उठा। घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार गोसाईबाग में एक बाईक से दो लोग पहुंचे थे। एक बाईक पर सवार दो लोग लाईन होटल के समीप बाईक रोक कर एक बाईक में हवा लेने लगे तथा दूसरा गुटखा लेने के लिये गुमटी पर गया था। इसी बीच दूसरे बाईक पर भी दो अपराधी लाईन होटल के पास पहुंचे तथा बाईक खड़ा कर गुटखा लेने गये सत्येन्द्र कुमार को लक्ष्य साधते हुये गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गयी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के खिलाफ पलामू में आक्रोश रैली

भाजपा और हिंदू संगठनों ने जताया विरोध, सनातन धर्म को बचाने के लिए पलामू की धरती पर रैली के माध्यम से प्रयास किया जा रहा है

संवाददाता

मेदिनीनगर। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे लगातार अत्याचार की खबर को देखते हुए जहां पूरे देश में विरोध हो रहा है, वहीं पलामू में भी हिंदू संगठन और भारतीय जनता पार्टी के द्वारा विरोध किया जा रहा है। इसी को लेकर पलामू में मंगलवार को मेदिनीनगर शहर में रैली निकाली गई। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस रैली में शामिल भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पांकी विधानसभा क्षेत्र के विधायक शशि भूषण मेहता ने कहा कि जिस तरह से बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है वह निंदनीय है। वही भाजपा नेता शैलेंद्र कुमार शैलू ने कहा कि जिस तरह से बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है, यह हम हिंदुओं के लिए शर्मनाक है एक तरफ विश्व में जहां हिंदुओं की संख्या कम हो रही है। वहीं बांग्लादेश जैसे देश में हिंदुओं के साथ हो रहा दुर्व्यवहार कहीं न कहीं सनातन धर्म पर सीधा खतरा है।वही मौके पर उपस्थित पूर्व डिप्टी मेयर शह भाजपा नेता मंगल सिंह ने कहा कि एशिया महादेश में हिंदुओं की संख्या लगातार कम हो रही है। क्योंकि पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। इसके अलावा रैली में शामिल भाजपा के नेताओं और हिंदू संगठन के लोगों ने कहा कि एक तरफ झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ घुसकर आदिवासियों की संख्या को कम कर रहे हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश में अल्पसंख्यक के रूप में जो हिंदू रह रहे हैं, उन्हें भी कम करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में पूरे विश्व से हिंदुओं की संख्या कम हो जाएगी और सनातन धर्म पर यह सीधा प्रहार होगा।

बांग्लादेश के हिंदुओं के समर्थन में आए लोगों ने कहा कि सनातन धर्म को बचाने के लिए आज पलामू की धरती पर रैली के माध्यम से यह प्रयास किया जा रहा है, कि झारखंड के संथाल परगना में रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठ को चिन्हित कर उस पर कार्रवाई की जाए. ताकि हिंदू और सनातन की संख्या कम होने से बचाया जा सके।

विष्णु दयाल राम ने लोकसभा में पेयजल की समस्या के निवारण की मांग रखी

● पलामू जिला कम बारिश वाला शुष्क इलाका में पड़ता है जहां पर हर साल पर्याप्त मात्रा में वर्षा नहीं होती

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने लोकसभा में नियम 377 के तहत पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत मेदिनीनगर शहर में पेयजल की समस्या के निवारण हेतु कोयल एवं अमानत नदी में दो-तीन जगहों पर बीयर बनाने से संबंधी अति महत्वपूर्ण मामले को उठाया। श्री राम ने कहा कि पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत मुख्य शहर मेदिनीनगर है जो कोयल नदी एवं अमानत नदी के तट पर बसा हुआ है और ये दोनों नदी वहां के लोगों के लिए लाइफ लाइन है, परंतु दुर्भाग्यवश गर्मी के दिनों में दोनों बिल्कुल सुख जाती है तथा मेदिनीनगर शहर का जल स्तर काफी नीचे चला जाता है जिसके चलते शहर में पाइप के माध्यम से वहां के निवासियों को पेयजल उपलब्ध कराना दुष्कर हो जाता है।

इतना ही नहीं वहां इतनी प्रचंड गर्मी पड़ती है कि जलस्तर नीचे चले जाने से सारे चापाकल एवं डीप बोरिंग बेकार हो जाते हैं। यह भी उल्लेख करना आवश्यक है कि पलामू जिला कम बारिश वाला शुष्क इलाका में पड़ता है जहां पर हर साल पर्याप्त मात्रा में वर्षा नहीं होती है अतः हमेशा सुखाड़ की स्थिति बनी रहती है साथ ही साथ जलस्तर नीचे चला जाता है जिससे पेयजल का भी संकट उत्पन्न हो जाता है।

डीसी ने की पेयजल विभाग के अंतर्गत जल जीवन मिशन के तहत कार्यों की समीक्षा

संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन ने बुधवार को समाहरणालय के सभागार में जिले में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जल जीवन मिशन अंतर्गत निमिया में चल रहे एमवीएस के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने तय अवधिनुसार कार्य नहीं करने को लेकर संबंधित संवेदक को शोकॉज करने की बात कही। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि उपरोक्त योजना में कनीय अभियंता व सहायक अभियंता द्वारा भी लापरवाही बरती गयी है, दोनों अभियंताओं द्वारा अपने कार्यों का सही ढंग से निर्वहन नहीं किया है। उपायुक्त ने दोनों अभियंताओं को भी शोकॉज करने को बात कही। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया तो इनके विरूद्ध विभागीय कार्रवाई प्रारंभ की जायेगी।

छत्तरपुर के सहायक व कनीय अभियंता के वेतन पर रोक, संवेदक को शोकॉज के साथ एकरारनामा रद्द करने पर चर्चा

बैठक में उपायुक्त श्री रंजन ने छत्तरपुर में भी संचालित एमवीएस स्कीम का रीव्यू किया। इसमें पाया गया कि विभाग द्वारा एकरारनामानुसार कार्य नहीं किया जा रहा है। जांच में संवेदक द्वारा कार्य करने वाले मजदूरों को पेमेंट भी नहीं किया जा रहा है जिसके कारण कार्य लंबित है। इस मामले में भी डीसी ने संवेदक को शोकॉज करने की बात कही साथ ही कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार संवेदक के साथ एकरारनामा रद्द करने पर भी विचार करने की बात कही। इसके अलावे उन्होंने संबंधित सहायक व कनीय अभियंता के वेतन पर रोक लगाने की बात कही। इसी तरह उपायुक्त ने हरिहरगंज, तोलरा, मझिआंव में संचालित मल्टी विलेज स्किम की सभी समीक्षा कर कई बिंदुओं पर निर्देशित किया। मौके पर उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, पेयजल विभाग के कार्यपालक अभियंता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार समेत विभिन्न सहायक व कनीय अभियंता मौजूद रहे।

35 वर्षीय व्यक्ति लापता, खोजबीन में जुटी पुलिस

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के कांदू मोहल्ला निवासी रवि कुमार उम्र 35 वर्ष बुधवार की सुबह से अपने घर से लापता है। लापता होने के बाद परिजनों ने सगे संबंधियों सहित सभी जगह पर उनकी तलाश की परंतु अभी तक इनका कुछ भी पता नहीं चल पाया है। इसके बाद परिजन थक हार कर बुधवार को टीओपी 2 थाना पहुंचे। परिजनों ने टीओपी 2 थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह को बताया कि रवि कुमार बुधवार की सुबह अपने घर से कचरा फेंकने के लिए निकले थे। इसके बाद से वह अपने घर वापस नहीं लौटे है। परिजनों ने बताया कि हम सभी परिवार के लोग सभी जगह पर उनकी तलाश कर चुके हैं। इसके बाद उनका कुछ पता नहीं चल पा रहा है। परिजनों के बात को सुन कर अनिल सिंह और टाइगर मोबाइल के जवान सूर्यनाथ सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी लापता रवि कुमार की तलाश में जुट गए हैं। वही टिओपी 2 प्रभारी अनिल सिंह ने आम जनों से भी आग्रह किया है कि यदि इस व्यक्ति का कहीं भी पता चले तो इसकी सूचना तुरंत शहर थाना की पुलिस को दें।

आलोक चौरसिया ने रबदा, खुरा पंचायत का दौरा कर जनता को दिया धन्यवाद, कहा

जनता की हर जरूरत को पूरा करना मेरी प्राथमिकता

संवाददाता

मेदिनीनगर। डाल्टनगंज भंडरिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक आलोक चौरसिया ने रबदा पंचायत के नेनुवा गांव का दौरा किया, जहां उन्होंने पाल टोला, चंद्रवंशी टोला, ब्राह्मण टोला, हरिजन टोला और अन्य इलाकों में जाकर जनता से मुलाकात की। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य हाल ही में संपन्न चुनाव में तीसरी बार विधायक चुने जाने पर जनता का आभार व्यक्त करना था। उन्होंने क्षेत्र की जनता का धन्यवाद करते हुए उनके समर्थन को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया और भरोसा दिलाया कि वे उनकी उम्मीदों पर हमेशा खरे उतरने की कोशिश करेंगे।

दौरे के दौरान आलोक चौरसिया ने ग्रामीणों के साथ व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। उन्होंने लोगों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। पानी की किल्लत, खराब सड़कों और रोजगार के अवसरों की कमी जैसी समस्याओं को उन्होंने प्राथमिकता के साथ संबोधित करने का वादा किया।

चौरसिया ने कहा कि यह जीत जनता के भरोसे और आशीर्वाद की बदौलत संभव हुई है, और वे इस विश्वास को कभी टूटने नहीं देंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में उनका स्वागत बड़े उत्साह के साथ किया गया। लोग फूल-मालाओं के साथ विधायक का स्वागत करने के लिए उमड़े थे। ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर उनसे खुलकर चर्चा की। आलोक चौरसिया ने इन सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और तत्काल कार्यवाही का भरोसा दिया। उन्होंने अपने कार्यकाल में विकास के नए अध्याय लिखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की और कहा कि उनकी प्राथमिकता जनता की हर जरूरत को पूरा करना है।

इस दौरे के दौरान चौरसिया ने पंचायत के विकास के लिए नई योजनाओं की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि रबदा पंचायत के हर टोले में सड़क, बिजली और पानी की समस्याओं को जल्द ही हल किया जाएगा। इसके साथ ही, स्कूलों में बेहतर सुविधाएं देने और युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने पर भी जोर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए जनता को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।इस दौरे ने ग्रामीणों और उनके प्रतिनिधि के बीच संबंधों को और मजबूत किया।

जनता ने अपने विधायक पर विश्वास जताते हुए उम्मीद की कि वे क्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ विकास कार्य करेंगे। चौरसिया ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का विषय है कि जनता ने उन्हें एक बार फिर से सेवा करने का अवसर दिया है।

उन्होंने जनता से अपील की कि वे विकास के इस सफर में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलें और क्षेत्र को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। आलोक चौरसिया का यह दौरा न केवल जनता का धन्यवाद करने का अवसर था, बल्कि उनकी समस्याओं को समझने और उनके समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने का भी एक प्रयास था।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद के तीक्ष्ण एकाग्रता विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा योग्य : अविनाश

संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम आवासीय विद्यालय में संध्या को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती मनाई गई। विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव व छात्रवासी बच्चों ने डॉ. प्रसाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

इस बीच श्री देव ने कहा कि आज हम सब भारत रत्न डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद जी की जयंती मना रहे हैं, वे न केवल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख सेनानी थे, बल्कि भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने देश की लोकतांत्रिक नींव को मजबूती प्रदान की। उनकी सादगी, कर्मठता और राष्ट्रप्रेम आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। आगे उन्होंने कहा कि डॉ राजेंद्र प्रसाद के तीक्ष्ण एकाग्रता विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा योग्य है। डॉ राजेन्द्र प्रसाद के जीवन और उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

पर्यावरणविद ने जन्म उत्सव व शादी में वर- वधु को पौधा देकर वैवाहिक जीवन की दी शुभकामनाएं, कहा

पौधा लगाकर उत्सव मनाने की परपंरा को करना होगा विकसित

संवाददाता

पर्यावरण धर्म के तहत जन्मदिन व वर-वधु व बारातियों के सम्मान में पौधा देने का है विधान : डॉ कौशल

मेदनीनगर। मेदिनीनगर, रांची व पतरातु में जन्म उत्सव व शादी समारोह शामिल होकर में विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व बनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद, ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल व पंचायत डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल ने पौधरोपण कर नवजात व वर वधु को स्वस्थ व सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी।

छतरपुर अनुमंडल के ग्राम पंचायत डाली बाजार के राधेश्याम प्रसाद की धर्मपत्नी जानकी देवी के पौत्री व गिरीश जायसवाल की धर्मपत्नी दीपावली जायसवाल के पुत्री रितुपर्णा एवं मुंबई के बोरीवली वेस्ट निवासी के सनेहल लक्ष्मी राम चौधरी की धर्मपत्नी दीपा चौधरी के पुत्र की शादी में डॉ कौशल, जिला पार्षद अमित, मुखिया पूनम ने वर-वधु को आशीर्वाद स्वरूप हिमाचल के कपूर पौधा देकर उन्हें चिरंजीवी होने की मंगल कामना की। पार्षद अमित ने अपने भांजा व डॉ कौशल व मुखिया पूनम अपने नाती को रांची कोकर निवासी लालमन जायसवाल की धर्मपत्नी शीला जायसवाल के पौत्र और रोहित जायसवाल धर्मपत्नी ज्योति जायसवाल (शिक्षिका)के पुत्र के जन्मोत्सव पर पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ पौधा रोपण कर उपस्थित लोगों को पर्यावरण धर्म की शपथ दिलाई।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से वे भगवान शिव के समान वृक्ष और ऑक्सीजन के सिलेंडर के समान पौधा लगाया है। इससे बच्चे और बच्चे के पूरे परिवार को हृदय से शुभकामना देता हूं। मौके पर संस्था के सचिव अरविंद जायसवाल संजुक्ता, जायसवाल राहुल जायसवाल, आकाश जायसवाल, विशाल जायसवाल, पिंकी जायसवाल सूरज प्रकाश आर्य, रिंकी आर्य, अस्मिता, जायसवाल सरिता जायसवाल सत्येंद्र प्रसाद, सुचित कुमार,मुन्ना जायसवाल, निरंजन प्रसाद,राजन जायसवाल सुलेखा देवी,अमरेश जायसवाल, डॉ नीलम जासवाल, रविंदर प्रसाद,रामजी प्रसाद सहित परिवार के कई सदस्य शामिल थे।

पति की हत्या की सूचना पाकर सड़क दुर्घटना में घायल हुई पत्नी

गढ़वा। मझिआंव श्री बंशी धर में गोली काण्ड में मृतक सत्येंद्र की पत्नी मोटरसाइकिल दुर्घटना में बाल- बाल बची, श्री बंशीधर नगर में गढ़वा के ऊंचरी गांव निवासी सुरेश पासवान के पुत्र सत्येंद्र कुमार को गोली मारकर अपराधियों के द्वारा हत्या कर दी गई। जिसकी सूचना पर उसकी पत्नी पिंकी देवी लगभग 22 वर्ष ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ जपला से गढ़वा अपने भतिजा के साथ मोटरसाइकिल से जा रही थी कि इसि दौरान मझिआंव- गढ़वा मुख्य सड़क के बकोईया गांव के प्राथमिक विद्यालय के समिप उसका साड़ी मोटरसाइकिल के चक्का में फस गया। पती की हत्या की मामले को सूनकर उसकी पत्नी पिंकी देवी इतनी घबराई हुई एवं जल्दी में थी कि उसे पता ही नहीं चला, जब सारा साड़ी मोटरसाइकिल के चक्का में लपटते चला गया।

तब जाकर गाड़ी को रूकवाई इसके बाद लोगों की सहयोग से उसे मोटरसाइकिल के चक्का से साड़ी को किसी तरह निकाला गया, तथा उसे किसी तरह तन को ढककर उसे गढ़वा भेजा गया। मोबाइल पर उन्होंने बताई कि मेरा घर गढ़वा के ऊंचरी गांव में है,मैं जपला में अपने बच्चों को पढ़ने को लेकर डेरा लेकर रहती हूं , अपने पति की हत्या के बारे में उन्होंने बताई की पार्टी देने के श्री बंशीधर ले गये और उसका पति का हत्या कर दिया गया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 05 दिसंबर 2024
E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com
Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

टीम स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए 8 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली। हांगकांग, चीन में 9 से 15 दिसंबर तक होने वाले डब्ल्यूएसएफ विश्व टीम स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत आठ सदस्यीय टीम (पुरुष और महिला) भेजेगा। स्क्वैश इतिहास में पहली बार, पुरुषों और महिलाओं की स्पर्धाएं एक साथ आयोजित की जाएंगी, जिसमें महिलाओं की स्पर्धा में 23 टीमें और पुरुषों की स्पर्द्धा में 26 टीमें शामिल होंगी। 9/12 वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम पूल एफ में कोलंबिया और आयरलैंड के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी। 10/12 वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम को अपने पूल में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, जिसमें बेल्जियम (तीसरी वरीयता), कोलंबिया और इटली शामिल हैं। पूर्व एशियाई खेलों के पदक विजेता और राष्ट्रीय चैंपियन हरिंदर पाल सिंह संधू और जोशना चिनप्पा क्रमशः पुरुष और महिला टीमों के कोच होंगे। संयोग से, 19 बार की राष्ट्रीय चैंपियन जोशना के लिए यह पहला कोचिंग असाइनमेंट होगा।

एथलेटिक बिलबाओ का सामना रियल मैड्रिड से

मैड्रिड। एथलेटिक क्लब बिलबाओ और रियल मैड्रिड बुधवार रात एथलेटिक के सैन मैम्स स्टेडियम में आमने-सामने होंगे, जिसमें एथलेटिक की नजरें क्लासिफिकेशन में चौथे स्थान को मजबूत करने पर होंगी। ऑरेलियन टचौमेनी चोट के बाद रियल मैड्रिड के लिए वापस आ गए हैं, लेकिन विनीसियस जूनियर को बाहर रखा गया है, साथ ही लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले दानी कार्वाजल, एडर मिलिटाओ और डेविड अलाबा को भी बाहर रखा गया है। किलियन एमबाप्पे ने सप्ताहांत में अपने गोल के सूखे को समाप्त कर दिया, लेकिन गेटाफे के खिलाफ मौके गंवाने के बाद भी वे सुर्खियों में रहेंगे। एथलेटिक ने रेयो वैलेकानो के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज कर मैड्रिड में प्रवेश किया, जिसमें दोनों गोल मिडफील्डर ओइहान सैंसेट ने किए, जिनके पिछले तीन गोलों ने उनकी टीम को छह अंक दिलाए हैं। एथलेटिक खचाखच भरे मैदान में तेज गति बनाए रखने और मैड्रिड पर दबाव बनाने के साथ एमबाप्पे और रोड्रिगो की सर्विस को भी कम करने की कोशिश करेगा।

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन में बतौर निदेशक शामिल हुईं सारा

नई दिल्ली। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन (एसटीएफ) में निदेशक के रूप में शामिल हो गई हैं। सचिन ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट के जरिए उक्त जानकारी दी। सचिन ने कहा कि उन्हें यह खबर साझा करते हुए 'बहुत खुशी' हो रही है। सचिन ने कहा कि सारा ने खेल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के माध्यम से देश को सशक्त बनाने के लिए यह यात्रा शुरू की है। उन्होंने कहा मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरी बेटी सारा निदेशक के रूप में एसटीएफ इंडिया में शामिल हो गई हैं। उनके पास यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से क्लिनिकल और पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में मास्टर डिग्री है। वह खेल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के माध्यम से भारत को सशक्त बनाने की यात्रा पर निकल पड़ी हैं। यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करती है कि कैसे वैश्विक शिक्षा पूर्ण चक्र में आ सकती है। अपने शानदार करियर के दौरान, सचिन ने 664 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 48.52 की औसत से 34,357 रन बनाए। सचिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

भावना, मेनिका का शानदार प्रदर्शन के बदौलत भारत ने हांगकांग को हराया

- मेनिका ने अपना खाता खोला और भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय महिला हैंडबॉल टीम ने भावना शर्मा और मेनिका के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को हांगकांग के खिलाफ 31-28 से जीत के साथ 20वीं एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप (एडब्ल्यूएचसी) 2024 में अपने अभियान की शुरूआत की। 'चक दे इंडिया' और 'भारत माता की जय' के नारों के बीच भारत ने मैच की सकारात्मक शुरूआत की और टूर्नामेंट का अपना पहला गोल प्रियंका ठाकुर के जरिए किया, जिन्होंने 2022 एशियाई महिला जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप में भारत की ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कुछ क्षण बाद, अनुभवी खिलाड़ी मेनिका ने अपना खाता खोला और भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सैफ खेलों की स्वर्ण पदक विजेता कप्तान दीक्षा कुमारी ने पहले 30 मिनट की अवधि के भीतर तीन विपक्षी पेनल्टी रोककर इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे मध्यांतर तक भारत 16-10 से आगे रहा।

हांगकांग ने पुनः आरंभ के बाद अपने खेल को और बेहतर बनाया और अपनी रणनीति में बदलाव किया। हालांकि, भारत ने अपने मजबूत बचाव के साथ विपक्षी टीम के हर प्रयास को असफल किया और अंततः शानदार जीत दर्ज की। भावना ने जूनियर चैंपियनशिप में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के साथ प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी जीता। इससे पहले, कजाकिस्तान ने हैवीवेट चीन को 28-26 से हराया। दूसरे मैच में, जापान ने सेंटरबैक काहो नाकायमा के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ईरान को 34-14 से हराया। मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया ने दिन के आखिरी मैच में सिंगापुर 47-5 के स्कोर के साथ हराया। विंगर जियोन जियोन ने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता।

रचित शंकर ने की शानदार बल्लेबाजी

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के ए डिवीजन में रेप्ल क्रसडर्स क्रिकेट क्लब ने इंडियन इलेवन को नौ विकेट से हराकर बढ़त बना ली। इस मैच में रचित शंकर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 78 रन बनाये। इंडियन इलेवन क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पूरी टीम 204 रन बनाकर निर्धारित 40 ओवर से पहले ही पवेलियन लौट गयीं। सलामी बल्लेबाज रचित शुक्ला मात्र आठ रन बनाकर पवेलियन लौट गये। वहीं शिवम ने अपनी टीम में सर्वाधिक 49 रन बनाये, जबकि अनुज सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 39 गेंदों पर 46 रन बनाये। मो. हसिम ने 32 रन का योगदान दिया। रेप्ल के कप्तान ऋषभ ने मात्र 24 रन देकर तीन विकेट झटके। वहीं अभिषेक ने तीन विकेट झटके। रेप्ल ने बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट खोकर 205 रन बना लिये और मैच को नौ विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज रचित शंकर ने आठ चौका और एक छक्का की मदद से 78 रन बनाये। वहीं अमन यादव ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 12 चौकों की मदद से 43 बाल पर 58 रन बनाये।

पर्थ टेस्ट में जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है : केएल राहुल

एडिलेड। एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम इस समय पांच मैचों की टेस्ट सीरीज (बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी) के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। सीरीज का पहला टेस्ट पर्थ में खेला जा चुका है। पहले मैच में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 से आगे है। अब 06 दिसंबर से एडिलेड में दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट (पिंक बॉल) खेला जाएगा। मैच से पहले भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा कि पर्थ टेस्ट में जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है।

राहुल ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम जिस तरह से खेले उससे वाकई बहुत खुश हैं और जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, पहला मैच जीतते हैं और उसे उस तरह से जीतते हैं जैसा हमने पर्थ में जीता, तो इससे आपको बहुत आत्मविश्वास मिलता है। मेरा मतलब है कि पर्थ के बारे में बहुत कुछ कहा जाता है कि यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे तेज विकेट है और यहां आने वाली टीमों को वास्तव में यहां संघर्ष करना पड़ा है। तो हां, हमे इससे काफी आत्मविश्वास मिला है।

इस सवाल पर कि आप किस स्थान पर बल्लेबाजी करेंगे उन्होंने एक अजीब जवाब दिया। राहुल ने कहा कि मुझे तो बताया गया है, लेकिन मुझे यह भी कहा गया है कि यह किसी से साझा न करूं। आपको पहले दिन (टेस्ट के) या शायद कल (गुरुवार) कप्तान (रोहित शर्मा) के आने का इंतजार करना होगा। राहुल ने इसके बाद कहा कि मैं बस प्लेइंग इलेवन में रहना चाहता हूं और टीम के लिए बल्लेबाजी करना चाहता हूं।

राहुल ने अलग-अलग जहगों पर बल्लेबाजी को लेकर कहा कि मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैंने अलग-अलग जहगों पर बल्लेबाजी की है, इसलिए जब मुझे शुरू में अलग-अलग स्थानों पर बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया तो यह मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था लेकिन तकनीक के मामले में इतना नहीं। मानसिक रूप से उन पहली 20-25 गेंदों को कैसे खेलना है, मैं कौन से शॉट खेल सकता हूं, मैं कितनी जल्दी आक्रमण कर सकता हूं, मुझे कितना सतर्क रहना होगा। इसलिए ये ऐसी चीजें थीं जो शुरू में थोड़ी मुश्किल थीं।

एशिया कप : भारतीय टीम ने यूएई को 10 विकेट से दी शिकस्त

शारजाह। एजेंसी

भारतीय अंडर 19 टीम ने बुधवार को अंडर-19 एशिया कप में यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। यूएई के खिलाफ इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 138 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने 16.1 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है, जहां उसका सामना श्रीलंका की टीम से होगा। यह मैच छह दिसंबर को खेला जाएगा।

शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। टीम 44 ओवर में मात्र 137 रन पर ऑलआउट हो गई। यूएई के लिए सबसे ज्यादा रन रायन खान ने बनाए। रायन ने 48 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाए।

रायन के अलावा अक्षत राय 26 रन, एथन डिसूजा ने 17 रन, उदिश सूरी 16 रन, आर्यन सक्सेना 9 रन, नूरुल्लाह अयोबी 9 रन, हर्ष देसाई 7 रन, अयान खान 5 रन, मुदित अग्रवाल चार रन और अली असगर शम्स ने दो रन का योगदान दिया। याइन राय खाता नहीं खोल सके थे। भारतीय टीम की ओर से युद्धाजीत गुहा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। चेतन शर्मा और हार्दिक राज को दो-दो विकेट मिले, जबकि केपी कार्तिकेय और आयुष म्हात्रे को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद 138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 16.1 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 143 रन बनाकर जीत हासिल कर ली।

नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए तैयार अर्जुन एरिगैसी

नई दिल्ली। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के बाद क्लासिकल शतरंज रेटिंग में 2800-एलो बाधा पार करने वाले दूसरे भारतीय बने अर्जुन एरिगैसी, नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। 2024 यूरोपीय शतरंज क्लब कप में टीम अल्कलॉइड का प्रतिनिधित्व करने वाले अर्जुन ने पांचवें दौर में सफेद मोहरों से रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन को हराकर 2800-एलो मील का पत्थर हासिल किया। दिसंबर 2024 की फीडे रेटिंग सूची में उनकी रेटिंग 2801 है और वर्तमान में वे दुनिया में चौथे स्थान पर हैं। अपनी शैली और विकास पर अर्जुन ने एक बयान में कहा मैं अति-महत्वाकांक्षा और वस्तुनिष्ठता की कमी के कारण खेल हार जाता था, लेकिन अब मैं अपनी महत्वाकांक्षा को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाने का प्रयास करता हूँ। नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट 26 मई से 6 जून तक एक विशिष्ट 6-खिलाड़ी डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप के साथ होगा। टूर्नामेंट के लिए उत्सुकता बढ़ने के साथ, अर्जुन ने इस आयोजन के अभिनव प्रारूप के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा नॉर्वे शतरंज के बारे में बहुत सारी रोमांचक चीजें हैं, लेकिन मेरे लिए, मैं कहूंगा कि समय नियंत्रण और आर्मगेडन प्रारूप मेरे लिए सबसे अलग हैं।

हरभजन सिंह, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग ने भारतीय जूनियर हॉकी टीम को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम पुरुष जूनियर एशिया कप फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ने के लिए तैयार है। इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले, अनुभवी भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह, बीजिंग ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा और ओलंपियन गगन नारंग ने बुधवार को भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं और उन्हें ट्रॉफी घर वापस लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

हरभजन सिंह ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए एक वीडियो संदेश में कहा भारतीय हॉकी टीम को बहुत-बहुत बधाई जो आज पाकिस्तान के खिलाफ पुरुष जूनियर एशिया कप का फाइनल खेल रही है।

दोस्तों, मैं आपको मैदान पर शुभकामनाएं देना चाहता हूं, भारत के लिए इसे जीतो। मुझे यकीन है कि आप यह कर सकते हैं। आओ भारत! ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने अपने संदेश में मलेशिया के खिलाफ जीत के लिए युवा खिलाड़ियों की सराहना की और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "सेमीफाइनल में मलेशिया के खिलाफ अविश्वसनीय जीत के लिए हमारी भारतीय जूनियर हॉकी टीम को बहुत-बहुत बधाई। जूनियर एशिया कप फाइनल में जगह बनाना एक अद्भुत उपलब्धि है और आपने पहले ही देश को इतना गौरवान्वित कर दिया है। आज रात जब आप पाकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरें, तो बस याद रखें, इस पल का आनंद लें और अपनी पसंद के अनुसार खेलें। अपने कौशल पर भरोसा करें, एक-दूसरे पर भरोसा करें और उस लड़ाई की भावना को जीवित रखें।

व्यापार

मोबाइल ऐप से एडवाइजर्स की उत्पादकता में 37 प्रतिशत की वृद्धि

संवाददाता

जमशेदपुर। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस द्वारा अपने एडवाइजर्स के लिए विशेष रूप से पेश किए गए मोबाइल ऐप आईप्रू एज के कारण वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में उत्पादकता में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे एडवाइजर्स की आय में भी इजाफा हुआ है। खास बात यह है कि आईप्रू एज का उपयोग करने वाले 98.1 प्रतिशत एजेंट्स को उसी दिन कमीशन का भुगतान किया गया। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ चुनिंदा डिस्ट्रीब्यूटर्स को उसी दिन कमीशन का भुगतान करने वाली पहली जीवन बीमा कंपनी है। कंपनी के पास 2 लाख से अधिक एडवाइजर्स का नेटवर्क है, और लगभग 61 प्रतिशत शीर्ष एडवाइजर्स अब इस ऐप का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहे हैं, जिससे उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद मिल रही है।

यह मोबाइल ऐप एजेंट्स के लिए चलते-फिरते कार्यालय की तरह काम करता है, जिससे वे प्रशासनिक गतिविधियों के बजाय नए व्यवसाय विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आईप्रू एज रीयल-टाइम केवाईसी ऑथेंटिकेशन की सुविधा प्रदान करता है, और इसकी ओसीआर टेक्नोलॉजी ग्राहकों को पेपरलेस खरीदारी का अनुभव देती है। यह छोटे शहरों और गांवों में काम करने वाले एजेंट्स के लिए बहुत उपयोगी है। वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में, कंपनी ने अपने एजेंसी चैनल से रिटेल वेटेज प्रीमियम में साल-दर-साल 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो ऐप द्वारा प्रदान की गई सुविधा को दर्शाता है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑफ सेल्स, प्रॉपराइटरी चैनल, श्री दिनेश टाक ने कहा हमारे मोबाइल ऐप आईप्रू एज ने हमारे एजेंट्स को अपना व्यवसाय बढ़ाने में सक्षम बनाया है। यह वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में देखी गई 37 प्रतिशत उत्पादकता वृद्धि से स्पष्ट है।

लिस्टिंग के जरिए 2 कंपनियों की स्टॉक मार्केट में दस्तक

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए दस्तक दी। इनमें से एपेक्स इकोटेक के शेयरों ने अपने आईपीओ निवेशकों को लिस्टिंग के तुरंत बाद लगभग डबल का मुनाफा करा दिया। इसी तरह आभा पावर एंड स्टील का आईपीओ लिस्टिंग के बाद मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

वॉटर ट्रीटमेंट से जुड़ी सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी एपेक्स इकोटेक के शेयरों की आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 73 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे, लेकिन इसकी लिस्टिंग आज 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 138.70 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये शेयर 145.60 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया।

एपेक्स इकोटेक का 25.54 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 नवंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 457.07 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने काइलैक रेंज में आकर्षक कीमतों की घोषणा की

संवाददाता

जमशेदपुर। कार के प्रति विशेष रुझान रखने वालों के लिए खुशखबरी है। स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी नई सब-4 मीटर एसयूवी काइलैक को लॉन्च कर इस सेगमेंट में पहली बार कदम रखा है। काइलैक चार वैरिएंट्स में उपलब्ध होगी- क्लासिक, सिग्नेचर, सिग्नेचर+ और प्रेस्टीज। इसकी शुरूआती कीमत 7.89 लाख रुपए है, जबकि टॉप मॉडल काइलैक प्रेस्टीज एटी की कीमत 14.40 लाख रुपए होगी। ग्राहकों के लिए एक खास ऑफर में, पहले 33,333 ग्राहकों को 3 साल का स्टैंडर्ड मेंटेनेंस पैकेज (एसएमपी) मुफ्त मिलेगा। काइलैक के लिए बुकिंग शुरू हो चुकी है, और डिलीवरी 27 जनवरी, 2025 से शुरू होगी।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, पेट्र जेनेबा ने बताया कि नई स्कोडा काइलैक भारत में हमारे लिए एक नई शुरूआत का संकेत है। यह न सिर्फ स्कोडा के लिए, बल्कि पूरे सेगमेंट के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगी। यह भारतीय सड़कों पर यूरोप की उन्नत तकनीक को लोकप्रिय बनाएगी और हमारे ग्राहकों के अनुभव को और बेहतर बनाएगी। खास बात यह है कि हम पहले 33,333 ग्राहकों के लिए सेगमेंट में सबसे बेहतर स्वामित्व अनुभव दे रहे हैं।

लॉन्च के समय काइलैक दो ट्रांसमिशन, चार वैरिएंट्स और सात रंगों के विकल्प के साथ उपलब्ध होगी। यह हाई परफॉर्मेंस, कुशल और विश्वसनीय 1.0 टीएसआई इंजन द्वारा संचालित है, जो 85 केडब्ल्यू की पॉवर और 178 एनएम का टॉर्क पैदा करता है, जिसमें छह-स्पीड मैनुअल या छह-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक का विकल्प है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 05 दिसंबर 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

सवा किलोग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर की टीम ने 1 किलो 223 ग्राम गांजा सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर की टीम को अपने गुप्त सूत्रों से सूचना अवैध नशा बारे सूचना प्राप्त हुई, जिस पर कार्यवाही करते हुए आरोपी मस्तान वासी दुल्हेपुर छायंसा को उसके गांव से काबू किया। आरोपी से 1.223 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है। जिसके खिलाफ थाना छायंसा में नशा तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी 2 किलोग्राम गांजा उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से किसी व्यक्ति से 12000 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से खरीद कर लाया था। आरोपी गांजा को पुडिया बनाकर 100-200 रुपये में मौके अनुसार बेच देता है।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हाथरस। कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला शीशियां में मंगलवार की रात को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मायके पक्ष के लोगों ने दमाद और अन्य ससुरालीजनों पर दहेज की मांग पूरी न होने पर मारपीट कर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मथुरा के राया क्षेत्र के गांव नोरगा निवासी प्रकाश की शादी सात साल पहले सादाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला शीशियां निवासी 30 वर्षीय वीनेश के साथ हुई थी। उनके दो बच्चे हैं। प्रकाश खेती-बाड़ी और दूध का काम करता है। वीनेश की संदिग्ध परिस्थितयों में मौत हो गई। घटना की जानकारी पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने यह आरोप लगाया कि दहेज की मांग को लेकर दमाद और ससुर अनिल बेटी को प्रताड़ित करते थे।

इनामी तस्कर इन्तजार अली मुठभेड़ में गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना रसूलपुर पुलिस टीम ने मंगलवार की देर रात्रि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले 15 हजार के इनामी तस्कर इन्तजार अली उर्फ राजू उर्फ इन्तयाज अली को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल तस्कर को अस्पताल में भर्ती कराया है। अपर पुलिस अधीक्षक देहात अखिलेश भदौरिया ने बताया कि थाना रसूलपुर प्रभारी अनुज कुमार पुलिस टीम के साथ मंगलवार की रात्रि गश्त पर थे तभी सूचना मिली कि मादक पदार्थों की तस्करी करने वाला अभियुक्त इन्तजार अली उर्फ राजू उर्फ इन्तयाज अली पुत्र शमसुल हसन निवासी कोहीनूर रोड नूरनगर थाना रामगढ गाँव मौढा से खंजापुर की ओर जा रहा है।

निराश्रित पशुओं को चिह्नित कर गौ सदनों में लाने के लिए एक अभियान चलाया जाएगा : अभिनव

देहरादून। देहरादून में बढ़ती ठंड के मद्देनजर निराश्रित पशुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में आयोजित पशु क्रूरता निवारण समिति की त्रैमासिक बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उत्तराखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष और देहरादून के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विद्यासागर कापड़ी भी मौजूद रहे। बैठक में सभी गौ सदनों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निराश्रित पशुओं को ठंड से बचाने के लिए आवश्यक इंतजाम करें। इसके अलावा, शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घूमकर निराश्रित पशुओं को चिह्नित कर गौ सदनों में लाने के लिए एक अभियान चलाया जाएगा।

निर्माणाधीन कुएं में गिरने से युवक की मौत

राजगढ़। करनवास थाना क्षेत्र के गुजरीबे में निमार्णाधीन कुएं में गिरने से 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार बीती रात ग्राम गुजरीबे स्थित निमार्णाधीन कुएं में गिरने से रमेश (35) पुत्र बापूलाल जाटव की गंभीर चोटें लगने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। बताया गया है कि युवक स्वयं के निमार्णाधीन कुएं पर सोने के लिए गया था, तभी नींद में कुएं में जा गिरा और गंभीर चोटें लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से सीएनजी ऑटो में सवार तीन की मौत, एक गंभीर

बांदा। जनपद के गिरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत खुरहण्ड बिलगांव लिंक रोड पर मंगलवार देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में सीएनजी ऑटो किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। इसमें ऑटो चालक सहित तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई जबकि एक व्यक्ति घायल है। उसे उपचार के लिए डॉक्टरों ने कानपुर रेफर कर दिया है। मृतकों में एक 12 साल का बालक भी शामिल है। गिरवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंगलवार को एक सीएनजी ऑटो खुरहण्ड बिलगांव लिंक रोड पर जा रहा था।

पर्स लूटने वाले दो बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

लखनऊ। विकास नगर थाना क्षेत्र में बीते 29 नवम्बर को इंस्पेक्टर की बेटी से पर्स लूट मामले में फरार चल रहे दो बदमाशों की मंगलवार रात को पुलिस से मुठभेड़ हो गई। दोनों आरोपित सगे भाई है। एडीसीपी जितेंद्र दुबे ने बताया कि पर्स लूट मामले में फरार लुटेरों की तलाश में पुलिस की टीमें लगी हुई थी। उनकी लोकेशन मंगलवार की रात घेराबंदी करके अलग–अलग जगह से दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया।

राज्यपाल आई.ई.एस. यूनीवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

दीक्षांत, शिक्षा व संस्कारों के साथ राष्ट्र सेवा के संकल्प का प्रसंग: मंगुभाई

भोपाल। एजेंसी

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीक्षांत, विद्यार्थियों के लिए शिक्षा और संस्कारों के साथ राष्ट्र सेवा के संकल्प का प्रसंग है। अपनी बौद्धिक, सांस्कृतिक परम्पराओं और संस्कारों को पोषित और पल्लवित करने की प्रतिबद्धता का अवसर है। राज्यपाल पटेल बुधवार को आई.ई.एस. विश्वविद्यालय भोपाल के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर दीक्षित विद्यार्थियों और विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को उपाधि और पदक प्रदान किए।कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद थे। राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रथम दीक्षांत समारोह, विद्यार्थी और विश्वविद्यालय दोनों के लिए अत्यंत भावनात्मक और अविस्मरणीय पल होता है। नये भविष्य के निर्माण पथ पर आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। उन्होंने दीक्षित विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी विकसित भारत के अमृत प्रसंग की प्रतिनिधि पीढ़ी है। आपकी पीढ़ी सौभाग्यशाली है जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान का ऐतिहासिक अवसर मिला है।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित है। विद्यार्थी भारत की समृद्ध ज्ञान परम्परा से जुड़े, सतत अध्ययन करे, अपने स्तर पर आगे बढ़ाने सहभागिता करे और इस पर हमेशा गर्व करें। उन्होंने विश्वविद्यालय और दीक्षित विद्यार्थियों को प्रथम दीक्षांत समारोह की बधाई भी दी। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमती सुधा मूर्ति ने भी दीक्षित विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने, चुनौतियों से जुझने और आत्म मंथन प्रक्रिया पर ज्ञानवर्धक और प्रेरक उद्बोधन दिया।

विकसित भारत यंग लीडर्स संवाद में जरूर हिस्सा लें युवा

राज्यपाल ने कहा कि युवा, कैसा विकसित भारत देखना चाहते है, उसके लिए सरकार को क्या और कैसे करना चाहिए, इन पर अपने विचार सरकार के शीर्ष स्तर तक पहुंचा सकते है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि 12 जनवरी 2025 के ऐतिहासिक प्रसंग के अवसर पर विकसित भारत यंग लीडर्स संवाद का हिस्सा जरूर बने। विकसित भारत से संबंधित रोचक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता, ब्लॉक और निबंध लेखन की राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग ले। राज्यपाल पटेल ने विश्वविद्यालय प्रबंधन से भी कहा कि संवाद में शामिल होने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रेरित करें। उन्हें आवश्यक सुविधाएं, सहूलियत और सहयोग प्रदान करे। विश्वविद्यालय स्तर पर विकसित भारत यंग लीडर्स संवाद के प्रारूप अनुसार प्रतियोगिताएं आयोजित करे।

ऊर्जा क्षेत्र में नई ऊंचाई : केएसटीपीपी ने ऊर्जा उत्पादन में रचा इतिहास

ऋषिकेश। एजेंसी

भारत के ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 1320 मेगावाट खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट (केएसटीपीपी) के यूनिट-1 का पूर्ण भार सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने थर्मल ऊर्जा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आरके विश्नोई ने बताया कि यूनिट-1 ने परीक्षण के दौरान 664 मेगावाट का अधिकतम भार प्राप्त किया। इस दौरान सभी छह कोयला मिलों का संचालन और तकनीकी पैरामीटर स्थिर रहे। यह उपलब्धि सुबह 5:15 बजे हासिल की गई। यूनिट को अब फ्ल्यू गैस डिसल्फराइजेशन से जोड़ा जा रहा है, जिससे सात दिसंबर से वाणिज्यिक संचालन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। विश्नोई ने खुर्जा एसटीपीपी की पूरी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह थर्मल पावर प्रोजेक्ट पूर्ण लोड संचालन के लिए तैयार है। उन्होंने इस परियोजना को टीएचडीसीआईएल की ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने वाला मील का पत्थर बताया।

निदेशक शैलेन्द्र सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कहा कि यह टीएचडीसीआईएल की ऊर्जा पोर्टफोलियो को सुदृढ़ करने और टिकाऊ ऊर्जा समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

बीआरआई पर चीन ने नेपाल के प्रस्ताव को किया खारिज

काठमांडू। एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के चीन भ्रमण के बाद दोनों देशों ने एक साझा वक्तव्य जारी किया है। इस वक्तव्य में बहुचर्चित बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव फ्रेमवर्क एग्रीमेंट को यथाशीघ्र करने की बात लिखी गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रधानमंत्री ओली के इस भ्रमण में बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना तत्काल के लिए समाप्त हो गई है। प्रधानमंत्री का चीन भ्रमण पूरी तरीके से बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर और पोखरा विमानस्थल के निर्माण में लिए गए ऋण की माफी पर टिकी हुई थी। लेकिन दोनों में से एक पर भी चीन के राजी नहीं होने से फिलहाल मामला लटक गया है। नेपाल की मीडिया में इसे प्रधानमंत्री ओली

और विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा की कूटनीतिक विफलता बताया जा रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात और प्रधानमंत्री ली कियांग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान तो इन मुद्दों की कोई चर्चा नहीं हुई। इन दोनों ही मुलाकातों के बाद दोनों पक्ष के तरफ से जारी अलग-अलग बयान में कहीं भी बीआरआई और पोखरा एयरपोर्ट को लेकर कोई भी जिक्र नहीं किया गया है।

द. कोरिया के राष्ट्रपति ने की आपातकालीन मार्शल लॉ को हटाने की घोषणा

सियोल। एजेंसी

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने महज छह घंटे बाद तड़के आपातकालीन मार्शल लॉ को हटाने की घोषणा की। नेशनल असेंबली में आपातकालीन मार्शल लॉ के खिलाफ हुए मतदान के बाद उन्होंने यह फैसला लिया। येओल के इस फैसले के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए थे। दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने कहा कि वह राष्ट्रपति यूं सुक येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी। इसे गुरुवार को होने वाले पूर्ण सत्र में पेश किया जाएगा।

मैं नेशनल असेंबली के अनुरोध को स्वीकार करता हूं द. कोरिया हेराल्ड समाचार पत्र ने देश के इस राजनीतिक घटनाक्रम पर विस्तार से खबर दी है। द कोरिया हेराल्ड के अनुसार राष्ट्रपति येओल ने छह घंटे की अराजकता के बाद

आपातकालीन मार्शल लॉ समाप्त करने की घोषणा की। राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने मार्शल लॉ हटाने के लिए संसद (नेशनल असेंबली) के अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

उन्होंने स्वीकार किया कि मार्शल लॉ की उनकी आश्चर्यजनक घोषणा अल्पकालिक थी। राष्ट्रपति ने सुबह लगभग 4:20 बजे टेलीविजन पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा मैं नेशनल असेंबली के अनुरोध को तुरंत स्वीकार करूंगा और कैबिनेट के माध्यम से मार्शल लॉ हटाऊंगा। सुबह बहुत हो चुकी उन्होंने कहा मैंने तुरंत कैबिनेट बुलाई। कोरम अभी तक पूरा नहीं हुआ है क्योंकि सुबह बहुत हो चुकी है। कोरम पूरा होते ही मैं मार्शल लॉ हटा दूंगा। रूढ़िवादी नेता यूं सुक येओल ने रात 10:20 बजे देश को बचाने की दृढ़ इच्छा के साथ मार्शल लॉ घोषित किया था। रात लगभग एक बजे 300 सदस्यीय नेशनल असेंबली में उपस्थित सभी 190 सांसदों ने राष्ट्रपति की मार्शल लॉ की घोषणा के खिलाफ मतदान किया। कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी सहित उदारवादी पार्टियों की नेशनल असेंबली में मजबूत स्थिति है।

संभल मुद्दे पर कांग्रेस और सपा में चल रही तुष्टिकरण की प्रतिस्पर्धा : भाजपा

लखनऊ। संभल के साजिशकर्ता अब संवेदना के बहाने राजनैतिक पर्यटन करने के लिए जाना चाहते हैं। वे वहां जाकर संवेदना नहीं, खुद के द्वारा लगायी गयी आग को देखना चाहते हैं, लेकिन यह उप्र की न्यायप्रिय सरकार है। आग को किसी भी हालत में फैलने नहीं देगी। ये बातें भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कही।उन्होंने कहा कि यहां तुष्टिकरण चैंपियन की प्रतिस्पर्धा चल रही है। इसमें कौन आगे का सवाल है। इस प्रतिस्पर्धा में कहीं अखिलेश यादव आगे न निकल जायें, इस कारण राहुल गांधी ने अपनी टीम की कमान खुद संभाली और प्रतिबंध के बावजूद वहां पहुंचने के लिए निकल पड़े। यह बात सबको पता है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कुछ लोगों ने राजनैतिक साजिश के तहत हिंसा करवाए। हिंसा के सुबूत हैं। वहां पाकिस्तान के खोखे मिल रहे हैं। इसके बावजूद वहां पर तुष्टिकरण अभियान में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी लगी हुई है।

हर शिकायत पर कराएंगे प्रभावी कार्रवाई : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। एजेंसी

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा घबराइए मत, हर शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराया जाएगा। सरकार सबकी समस्या दूर करने को संकल्पित है। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं।

गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के

दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही।

कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें।

रोडवेज बस ने ट्रक में मारी टक्कर बस परिचालक की हुई मौत

बाराबंकी। रामनगर थाना क्षेत्र के चौकाघाट के पास बहराइच की ओर जा रही ट्रक को ओवरटेक करते समय पीछे से आ रही गोंडा डिपो की बस ने ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। बस परिचालक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस ने परिचालक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भिजवाया। गुरुवार की भोर पहर लगभग 4:00 बजे बहराइच की ओर जा रहे ट्रक में पीछे से ओवर टेक करते समय गोंडा डिपो की बस ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे गोंडा डिपो के बस परिचालक वासुदेव दुबे की मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक ने अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि घटना सुबह की है। बस चालक ओवरटेक करते समय खुद ट्रक में भिड़ गया। परिचालक की मौत हो गई। अन्य कुछ सवारियां भी मामूली घायल हुई हैं जिन्हें सीएचसी भिजवाया गया है। छिटपुट चोटें थीं इसलिए उन्हें मरहम पट्टी करके छोड़ दिया गया। परिचालक के परिजनों व रोडवेज के अधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी गई है।

शान्ता कुमार ने बांग्लादेश में हिन्दू उत्पीड़न पर जताई चिंता

शिमला। एजेंसी

पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केन्द्रीय मंत्री शान्ता कुमार ने बांग्लादेश में हो रहे हिन्दू उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिस बांग्लादेश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए भारतीय सेना के चार हजार जवानों ने जान दी थी और जिसके सामने पाकिस्तान सेना के 93 हजार सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया था, उसी बांग्लादेश में आज हिन्दू समुदाय के लोग हिंसा का शिकार हो रहे हैं। उनके घर जलाए जा रहे हैं, महिलाओं के साथ बलात्कार और अन्य अत्याचार हो रहे हैं। उन्होंने इसे मानवता के खिलाफ एक महापाप और 21वीं सदी की सभ्यता के लिए एक कलंक बताया। शान्ता कुमार ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पूरा भारत इस घटनाक्रम से सदमे में है और दुनिया के कई देशों ने इसका विरोध किया है, लेकिन बांग्लादेश

सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है, जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र संघ में उठाएं और दुनिया के नेताओं से बांग्लादेश पर दबाव बनाने की मांग करें। उनका कहना था कि मोदी जी केवल भारत के प्रधानमंत्री ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक प्रतिष्ठित नेता बन चुके हैं और भारत को इस मुद्दे पर नेतृत्व करना चाहिए।

महोत्सव 16वां प्रकृति अंतरराष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव का आगाज : राज्यपाल ने किया शुभारंभ

प्रकृति इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए 68 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं : डॉ. सुनील

जोधपुर। एजेंसी

शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) की ओर से 16वें प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव का पुरस्कार-सह-स्क्रीनिंग जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के ईएमएमआरसी की मेजबानी में आज से 6 दिसम्बर तक जयनरायण व्यास स्मृति भवन टाउन हॉल में आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव का उद्घाटन प्रदेश के राज्यपाल हरिभाउ बागड़े ने प्रातः 11 बजे किया। फिल्म फेस्टिवल में छात्रों और आमजन को जागरूक करने के लिए 13 फिल्मों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इन फिल्मों का पूर्वावलोकन और चयन प्रतिष्ठित जूरी की एक

टीम द्वारा कड़ी प्रक्रिया के बाद किया गया। प्रकृति इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल के विजेता वृत्तचित्रों को स्क्रीनिंग सर्टिफिकेट और ट्रॉफी के अलावा 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। सीईसी फिल्म निमार्ताओं/फिल्म प्रेमियों को प्रोत्साहित करने और युवाओं को पर्यावरण, विकास, मानवाधिकार और स्वच्छ भारत (स्वच्छ भारत अभियान) जैसे मुद्दों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव का आयोजन करता है।

पहला प्रकृति महोत्सव 1997 में आयोजित किया गया था। तब से, इसे एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में योजनाबद्ध किया गया है जो फिल्म निर्माताओं, छात्रों, शिक्षाविदों, प्रशासकों, विकास कार्यकर्ताओं और मीडिया को एक साथ आने और वृत्तचित्र फिल्म निर्माण की कलात्मक शैली की सराहना करने के लिए एकत्रित करता है। जागरूकता, प्रशंसा और कार्रवाई को बढ़ावा देते हुए, प्रकृति महोत्सव समानता, नैतिकता, पारिस्थितिकी और स्वच्छता के शैक्षिक पहलुओं पर काम करने वाले लोगों के व्यापक गठबंधन की दिशा में एक कदम है। प्रदेश के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का आज जोधपुर पहुंचने पर प्रशासनिक अधिकारियों ने अभिनंदन किए जाने के साथ उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभासिंह, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल, डीसीपी पूर्व आलोक श्रीवास्वत सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

देश विदेश से 68 प्रविष्टियां प्राप्त हुई

सीईसी के ज्वाइंट डायरेक्टर और प्रकृति फिल्म फेस्टिवल के कोर्डिनेटर डॉ सुनील मेहरू ने कहा कि इस वर्ष प्रकृति इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल के लिए कुल 68 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। इनमें म्यांमार, फिलीपींस और बांग्लादेश जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से आई प्रविष्टियां शामिल रही। सीईसी सक्रिय रूप से विभिन्न सामाजिक विषयों पर आईसीटी-आधारित पर्यावरण निर्माण को बढ़ावा देने के लिए प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव का आयोजन करता है ताकि अपने शिक्षार्थियों को सीखने में समरूपता खोजने और रुचि के कई विषयों/विषयों की समझ विकसित करके समग्र रूप से विकसित करने में मदद मिल सके।

वृत्तचित्रों का किया गया चयन

डॉ मेहरू ने बताया कि 16वें प्रकृति डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल में डवलपमेंट कैटेगरी में बानी प्रकाश दास की 'अधिकार के लिए लड़ो', एनवॉयरमेंट कैटेगरी में पी. रघुपति की 'रीचिंग द अनरीच्ड', स्वच्छ भारत कैटेगरी में साजिद नादुथोडी की रेज्ड ऑफ रिदम्स और ह्यूमन राइटस कैटेगरी में प्रकाश कातरे की 'ग्रीन मैन' को बेस्ट अवॉर्डेड डॉक्यूमेंट्री के लिए चयनित किया गया है। इसके अतिरिक्त ज्यूरी ने 9 डॉक्यूमेंट्री को स्क्रीनिंग के लिए चुना है।

महाकुम्भ में श्रद्धालुओं को होगें बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन

लखनऊ। एजेंसी

प्रयागराज नगर निगम की ओर से जेडटेक इंडिया कम्पनी को सत्रह करोड़ के टेंडर के बाद अरैल घाट के किनारे दस एकड़ जमीन पर शिवालय पार्क बनकर तैयार हुआ है। अरैल घाट पर इस पार्क में महाकुम्भ आने वाले श्रद्धालुओं को बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन हो सकेंगे। बारह ज्योतिर्लिंगों के मंदिरों को बनाये जाने के कारण इस पार्क का नाम शिवालय पार्क दिया गया है। पार्क को तैयार करने में कोऑर्डिनेटर की भूमिका निभाने वाले सचिन सिंह ने बुधवार को मीडिया को बताया कि पार्क बेहद खुबसूरत बना है। इसे डिजाइन करते हुए भारत के नक्शे जैसा बनाया गया है। उन्होंने

बताया कि महाकुम्भ में अरैल घाट पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को भारत का यह नक्शा वाला शिवालय पार्क दिखेगा। पार्क में ज्योतिर्लिंगों के दर्शनार्थ रामेश्वरम मंदिर, केदारनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, वैद्यनाथ मंदिर, जगन्नाथ पुरी मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर जैसे प्रमुख मंदिरों के स्वरूप को बनाकर तैयार किया गया है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 05 दिसंबर 2024

सेहत

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं।

ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध है। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- गुग्गुल : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- त्रिफला : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- अश्वगंधा : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उतेजना देना।
- कॅस्टर (एरंडी) : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- बाला : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- शालाकी : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक मे प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार कायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीए। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पैस्ट को दिन मे दो बार लगाए। कुछ ही दिनों मे फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीए। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नही होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक खाली चाय पीने से शरीर मे चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते है, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते है, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते है। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती है। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाए। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायी नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते है।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश : चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते है।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते है। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलैक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलवर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

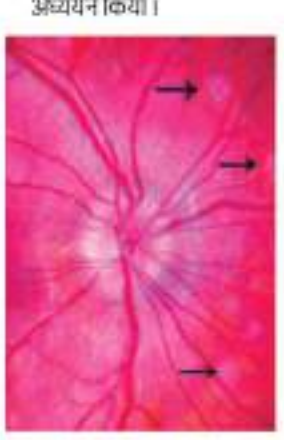

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते है तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेट होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाए।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर है। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम है। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन है, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते है।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉकली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते है। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प है। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइसिमक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबोलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूक्टोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रधान संपादक निमिषा कुमारी, प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741